हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • शनिवार • 3 जनवरी 2026 • वर्ष 10 • अंक 239 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

बांग्लादेश: हिंदू को जिंदा जलाकर मारने की कोशिश, तालाब में कूदकर बचाई जान

एजेंसी, ढाका । बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वर्तमान अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। ताजा मामला शरीयतपुर जिले के डामुड्या इलाके का है, जहां एक हिंदू दवा व्यवसायी को न केवल धारदार हथियारों से बुरी तरह घायल किया गया, बल्कि उन पर पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाने की भी कोशिश की गई। पीड़त ने तालाब में कूदकर अपनी जान बचाई। इस नृशंस हमले का शिकार हुए 50 वर्षीय खोकोन चंद्र दास फिलहाल ढाका के एक अस्पताल में जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। यह घटना बुधवार रात की है, जब खोकोन चंद्र दास केउरभंगा बाजार स्थित अपनी दवा और मोबाइल बैंकिंग की दुकान बंद करके ऑटो रिक्शा से घर लौट रहे थे। रास्ते में अज्ञात बदमाशों ने उनके वाहन को जबरन रोक लिया और उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले उनके शरीर पर धारदार हथियारों से वार किए और फिर उनके चेहरे और सिर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

अफगानिस्तान में भारी बारिश और बाढ़ से भारी तबाही, अब तक 12 की मौत

एजेंसी, काबुल। युद्ध और आर्थिक संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान के लिए नई मुसीबत कुदरत के कहर के रूप में सामने आई है। देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले तीन दिनों से जारी मूसलाधार बारिश और भारी बर्फबारी ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण कई प्रांतों में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिसमें अब तक कम से कम 12 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, इस आपदा में 11 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि कई अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बाढ़ का सबसे भीषण प्रभाव कपिसा, परवान, कंधार, हेलमंद, हेरात और बदख्शां समेत कई प्रमुख प्रांतों में देखा गया है। मूसलाधार बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं और बाढ़ का पानी रिहाइशी इलाकों में घुस गया है। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 1,859 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से ढह गए हैं, जिससे हजारों परिवार कड़कड़ाती ठंड में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुँचा है।

ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक सात लोगों की मौत, प्रदर्शनों में छात्र भी शामिल

एजेंसी, तेहरान । ईरान में नए विरोध प्रदर्शनों के कारण सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए हैं। विरोध प्रदर्शन तेहरान में शुरू हुए और कम से कम दस यूनिवर्सिटी के छात्रों के इसमें शामिल होने के बाद फैल गए। ये विरोध प्रदर्शन आर्थिक मंदी और ऊंची महंगाई के कारण शुरू हुए, जो दिसंबर में बढ़कर 42.5 फीसदी हो गई थी। ईरान की खराब अर्थव्यवस्था से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है और प्रदर्शन प्रांतों में भी फैल गए हैं, जहां सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में कम से कम सात लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि सरकार प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के मूड में है। लेकिन प्रदर्शनकारी भी अड़े हुए हैं। राजधानी तेहरान में प्रदर्शन भले ही धीमे पड़ गए हों, लेकिन अन्य जगहों पर इनमें तेजी आई है। बुधवार को दो और गुरुवार को पांच लोगों की मौत चार शहरों में हुई। इन चारों शहरों में लूर जातीय समुदाय की बहुलता है। यह विरोध प्रदर्शन 2022 के बाद से ईरान के सबसे बड़े प्रदर्शन के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में पुलिस हिरासत में 22 साल की महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में प्रदर्शन हुए थे। अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे अधिक हिंसा ईरान के लोरेस्टान प्रांत के अजना शहर में देखी गई।

रेल मंत्री का दावा, 15 अगस्त 2027 को शुरू होगी बुलेट ट्रेन

एजेंसी, नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना में ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में विरार और बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग (माउंटेन टनल-5) में सफल ब्रेकथ्रू हासिल कर लिया गया है। यह महाराष्ट्र में परियोजना की पहली पर्वतीय सुरंग है। रेल मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना 15 अगस्त 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यहां रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, "इस ब्रेकथ्रू के साथ ठाणे से अहमदाबाद तक का पूरा सेक्शन अब साफ हो गया है। केवल मुंबई-ठाणे के बीच समुद्र के नीचे का हिस्सा शेष है।" रेल मंत्री ने बताया कि माउंटेन टनल-5

पालघर में पर्वतीय सुरंग का ब्रेकथ्रू

पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से की गई और अत्याधुनिक 'ड्रिल एंड ब्लास्ट' तकनीक का उपयोग करते हुए 18 महीनों में कार्य पूरा किया गया। इस तकनीक से खुदाई के दौरान जमीन की स्थिति की रियल टाइम निगरानी संभव होती है और आवश्यकता के अनुसार शॉटक्रीट, रॉक बोल्ट और लैटिस गर्डर जैसे सुरक्षा उपाय अपनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा मानकों, वेंटिलेशन और अग्नि सुरक्षा उपायों का पूरी तरह पालन किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच लगभग पांच किलोमीटर लंबी पहली भूमिगत सुरंग का निर्माण सितंबर 2025 में पूरा हो चुका है। कुल 508 किलोमीटर लंबी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना में 27.4 किलोमीटर लंबी सुरंगें शामिल हैं, जिनमें 21 किलोमीटर भूमिगत और 6.4 किलोमीटर सतही सुरंगें हैं। इस परियोजना में कुल आठ पर्वतीय सुरंगें हैं, जिनमें से सात महाराष्ट्र में (करीब 6.05 किलोमीटर) और एक 350 मीटर लंबी सुरंग गुजरात में स्थित है। रेल मंत्री ने बताया कि 'इस परियोजना में कुल 12 स्टेशन होंगे। इनमें मुंबई (बीकेसी), ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं। साबरमती अहमदाबाद क्षेत्र का टर्मिनल स्टेशन होगा, जबकि मुंबई में बीकेसी टर्मिनल रहेगा। सामान्यतः 508 किलोमीटर के कॉरिडोर के लिए दो डिपो पर्याप्त होते, लेकिन पूर्ववर्ती महाराष्ट्र सरकार के दौरान अनुमतियों में देरी के कारण तीन डिपो बनाने पड़े।' अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 'जापानी तकनीक पर आधारित यह बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी और मुंबई से अहमदाबाद की यात्रा को वर्तमान 7-8 घंटे से घटाकर लगभग 1 घंटा 58 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

राज्य के 38 जिलों में कोहरा और कोल्ड डे का अलर्ट जारी

एजेंसी, पटना

बिहार में नए साल की शुरुआत कड़ाके की ठंड, घने कोहरे और शीतलहर के साथ हुई है। ठिठुरन भरी ठंड ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने शुक्रवार को राज्य के 38 जिलों में कोहरा और कोल्ड-डे (शीत दिवस) को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 05 जनवरी तक ठंड से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। आने वाले दिनों में कई जिलों में न्यूनतम तापमान 02 से 03 डिग्री सेल्सियस तक और गिर सकता है। पूरे जनवरी माह के लिए जारी पूर्वानुमान में पश्चिमी और पूर्वी चंपारण से लेकर गया, औरंगाबाद, नवादा और जहानाबाद तक लगातार शीतलहर बने रहने की संभावना जताई गई है।

दक्षिण बिहार में सर्द पछुआ हवाओं के चलने से ठंड का असर और भी तेज हो गया है। गुरुवार को प्रदेश के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे कनकनी बढ़ गई। राज्य के 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। हालांकि, अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी से दक्षिण बिहार के

कुछ हिस्सों में दिन के समय हल्की राहत महसूस की गई, लेकिन उत्तर बिहार के जिलों में दिनभर घना कोहरा छाया रहा और धूप आंख-मिचौली खेलती नजर आई। मौसम विभाग के मुताबिक, छपरा और मधुबनी भीषण शीत दिवस की चपेट में रहे, जबकि भागलपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर शीत दिवस से जूझते दिखे। वहीं जहानाबाद, बेगूसराय, भागलपुर और खगड़िया में हालात और भी गंभीर रहे, जहां घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर 10 मीटर से भी कम दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, भागलपुर में दृश्यता मात्र 20 मीटर तक सिमट गई, जबकि सिवान के जीरादेई में राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ठंड और कोहरे के कारण सड़क, रेल और हवाई यातायात पर भी असर पड़ा है।

पटना में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, कुख्यात मैनेजर राय को लगी गोली

एजेंसी, पटना

पटना जिले के खगौल थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों की बीच गुरुवार की देर रात हुई मुठभेड़ में कुख्यात मैनेजर राय को गोली लगी है। वह हत्या व लूट के मामले में फरार चल रहा था। इस संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा ने बताया कि खगौल थाना क्षेत्र अंतर्गत वांछित इनामी अपराधी मैनेजर राय के संबंध में पुलिस को गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पटना पुलिस ने बिहार एसटीएफ के सहयोग से सघन तलाशी अभियान प्रारंभ किया गया। तलाशी के दौरान पुलिस की सक्रियता को भांपते हुए अभियुक्त भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस बल पीछा करते हुए उसे रुकने की चेतावनी दी, इसी दौरान अभियुक्त ने पुलिस बल पर फायरिंग

कर दी। इसके बाद पुलिस की ओर से आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें वांछित मैनेजर राय के घुटने के नीचे गोली लग गई। पुलिस ने घायल अपराधी को इलाज के लिए पटना एम्स में भर्ती कराया गया है। अभियुक्त की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त मैनेजर राय का 20 से अधिक गंभीर आपराधिक मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है। मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

सीएम नीतीश कुमार ने किया कुम्हरार पार्क का निरीक्षण, सौंदर्यीकरण के दिए निर्देश

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल कुम्हरार पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क परिसर में संरक्षित मगध साम्राज्य काल से जुड़े स्तम्भों और अन्य पुरावशेषों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बुलंदीबाग उत्खनन, कुम्हरार उत्खनन और मौर्यकालीन अस्सी स्तम्भों वाले विशाल सभागार से संबंधित जानकारियों के लिए लगाए गए सूचना बोर्डों को भी देखा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि

कुम्हरार पार्क के बेहतर विकास और सौंदर्यीकरण के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा जाए। उन्होंने कहा कि कुम्हरार पार्क अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक महत्व का स्थल है, जिसका सीधा संबंध मगध साम्राज्य से है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पार्क काफी विस्तृत है और बड़ी संख्या में लोग यहां भ्रमण के लिए आते हैं। ऐसे में पार्क परिसर, प्रदर्शों और पुरावशेषों का उचित रखरखाव और विकास आवश्यक है। नीतीश कुमार ने कहा कि इस स्थल से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारियों को समझने के लिए इतिहास के विद्यार्थी और शोधकर्ता देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों से भी यहां आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए कुम्हरार पार्क का सुनियोजित सौंदर्यीकरण और संरक्षण बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया कि कुम्हरार पार्क जैसे ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण और विकास राज्य की प्राथमिकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां बिहार के गौरवशाली अतीत को जान और समझ सकें। दरअसल, वर्ष 1912-15 और 1951-55 के दौरान हुई खुदाई में यहां 80 स्तम्भों वाला मौर्यकालीन विशाल सभागार प्रकाश में आया था।

लोकनायक जेपी कारा से फरार कैदियों का अब तक सुराग नहीं , छापेमारी जारी

एजेंसी, हज़ारीबाग । जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा (जेपी कारा) से तीन कैदियों के फरार होने के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। झारखंड की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली इस जेल से कैदियों के फरार होने की घटना ने जेल प्रशासन और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।जेल अधीक्षक चंद्रशेखर प्रसाद सुमन ने बताया कि बैरक नंबर 6 के वार्ड नंबर 4 की खिड़की का ग्रिल काटकर तीनों कैदी रात करीब 1:36 से 2:45 बजे के बीच फरार हो गए। इस मामले में लोहसिंघना थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। तीनों कैदियों पर आईपीसी की धारा 224 के तहत केस दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और फोरेंसिक टीम कॉल डिटेल खंगाल रही है।

हताश निराश ममता अब गृह मंत्री को धमकी दे रही हैं- भाजपा

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दी गई धमकी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा ने कहा कि गृह मंत्री और नागरिकों को जिस तरह से धमकियां दी जा रही हैं, उससे साफ है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि संविधान की मूल भावना, अनुच्छेद 19 कहता है कि हर नागरिक स्वतंत्र है, पूरे भारत में कहीं भी जा सकता है। भारत की एक-एक इंच भूमि पर हर भारतीय का हक है। भारत के नागरिक और पश्चिम बंगाल के भाई-बहन सब व्यथित हैं कि एक मुख्यमंत्री, जो संविधान की शपथ लेता है कि संविधान

का पालन करेंगे, वही भारत के गृहमंत्री को धमकी देती हैं कि मैं न चाहूं तो भारत के गृहमंत्री पश्चिम बंगाल में घुस नहीं सकते। जंगलराज, गुंडाराज ऐसा ही होता है। जहाँ ममता बनर्जी को लगता है कि रोहिंग्या उनका वोट बैंक हैं, उनके साथ ममता बनर्जी रिश्ता बनाए रखना चाहती हैं, और गृहमंत्री को धमकी देती हैं। ममता बनर्जी ने यह हक खो दिया है कि वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनी रहें। गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस नेता कहते है कि बंगाल में तृणमूल सिर्फ वोट नहीं चुराती बल्कि वोटों की डकैती करती है। अगर ममता बनर्जी वोटों की लूट कर रही हैं और हम कह रहे हैं कि वहां जंगलराज है, तो फिर यह इंडी गठबंधन साथ मिलकर चुनाव क्यों लड़ रहा था? एस आई आर के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह एक कानूनी प्रक्रिया है। पश्चिम बंगाल में वोट चोरी बल्कि वोटों की डकैती हो रही है और यह ममता बनर्जी कर रही हैं। साथ ही यह कहना गलत नहीं होगा कि एक घबराई सी, डरी हुई ममता बनर्जी सांप्रदायिक बयान भी दे रही हैं, और धमकियां भी दे रही हैं, जो उनकी निराशा को साबित करता है। कर्नाटक में ई वीएम को लेकर किए गए एक सर्वे पर बोलते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि कर्नाटक में लोगों के बीच किया गया एक सर्वे प्रकाशित हुआ है।

प्रधानमंत्री आज पिपरावा के पवित्र अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में पिपरावा के पवित्र अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। संस्कृति मंत्रालय "'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन" विषयक ऐतिहासिक सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है। इस प्रदर्शनी में पूजनीय पिपरावा के पवित्र अवशेषों के साथ उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से भारत के अटूट सभ्यतागत संबंधों और देश की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण व प्रस्तुति के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि कल, 3 जनवरी इतिहास, संस्कृति और भगवान बुद्ध के आदर्शों में रुचि रखने वालों के लिए बहुत खास दिन है। सुबह 11 बजे, दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरावा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, 'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन' का उद्घाटन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में एक सदी से भी ज़्यादा समय बाद वापस लाए गए पिपरावा के अवशेष शामिल हैं। इसके अलावा

पिपरावा के असली अवशेष और पुरातात्विक सामग्री जो नेशनल म्यूज़ियम, नई दिल्ली और इंडियन म्यूज़ियम, कोलकाता के कलेक्शन में सुरक्षित हैं।

प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध के विचारों को और ज़्यादा लोकप्रिय बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह हमारे युवाओं और हमारी समृद्ध संस्कृति के बीच रिश्ते को और गहरा करने का भी एक प्रयास है। मैं उन सभी लोगों की भी सराहना करना चाहूंगा जिन्होंने इन अवशेषों को वापस लाने के लिए काम किया। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के सांस्कृतिक और कूटनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा, क्योंकि प्रदर्शनी में रखी गई चीजों में ऐतिहासिक, पुरातात्विक और आध्यात्मिक महत्व के पवित्र अवशेष शामिल हैं।

मप्र के इंदौर में दूषित पानी पीने से 15वीं मौत, राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना, बोले- शहर में जहर बांटा

एजेंसी, इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां आज एक और मरीज की मौत हो गई। एक 60 वर्षीय महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शहर में दूषित पानी से यह 15वीं मौत है। मामले में शुक्रवार को राज्य सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट भी उच्च न्यायालय में पेश कर दी है। स्टेटस रिपोर्ट में बताया गया है कि गंदे पानी से अब तक सिर्फ चार मौतें हुई हैं। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने 6 जनवरी को सुनवाई की अगली तारीख तय की है। इधर मामले को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा

कि इंदौर में पानी नहीं, जहर बांटा गया है। वहीं, उमा भारती ने कहा है कि इस पाप का घोष प्रायश्चित करना होगा। इंदौर के भागीरथपुरा में आपूर्ति हुए दूषित पानी पीने से बीमार हुई 68 वर्षीय गीताबाई को गत 24 दिसंबर को एमवाई अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार को सुबह उनकी मौत हो गई। शहर में दूषित पानी से यह 15वीं मौत है। मृतका के पति राजू ने कि दूषित पानी पीने के कारण जब लोग लगातार बीमार होने लगे तो स्वास्थ्य विभाग की टीम उनके घर पर पहुंची। इस दौरान गीताबाई, उनके बेटे और भतीजे उल्टी-दस्त से पीड़ित मिले। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान गीताबाई की मौत हो गई। गीताबाई को भी उल्टी-दस्त लगातार हो रहे थे। उन पर किसी दवा का कोई असर नहीं हुआ। इस पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। इंदौर सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने बताया कि दूषित पानी पीने से ही लोग बीमार पड़े और उनकी जान गई। दूषित पानी से प्रभावित 16 बच्चों समेत 201 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 32 लोग आईसीयू में भर्ती हैं। डॉ. हसानी का कहना है कि सैंपल की जांच रिपोर्ट में साफतौर पर पुष्टि हुई है कि दूषित पानी पीने से ही लोग बीमार पड़े और उनकी जान गई। वहीं, कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि डिटेल्ड रिपोर्ट का इंतजार है। मेडिकल कॉलेज में कल्चर टेस्ट भी किया जा रहा है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहना ठीक होगा।

संक्षिप्त समाचार

शेखपुरा बाजार से छात्रा की साइकिल चोरी

नरहट (नवादा)। शुक्रवार को छोटा शेखपुरा बाजार ट्यूशन पढ़ने आयी सैदपुर गांव की दशवीं कक्षा की छात्रा का साइकिल चोरी हो गई है। छात्रा करिश्मा कुमारी ने बताया कि प्रत्येक दिन की तरह विजयमार्केट में सुबह साढ़े सात बजे साइकिल लगा कर ऊपर छत पर पढ़ने गई थी। पढ़ाई के डेढ़ घंटे बाद 9 बजे छत से नीचे आयी तो देखा कि मेरी सायकिल गायब है। कई साइकिल के बीच में मेरी साइकिल लगी हुई थी। अगल बगल काफी खोजबीन करने के बाद भी कहीं साइकिल का कोई अतापता नही चला। बाजार का सीसीटीवी कैमरा सर्च करने पर तीन लड़के साइकिल को शेखपुरा से पुनौल गली के रास्ते लेकर भागते दिख रहा है। पीड़ित छात्रा ने बताया कि साइकिल चोरी की शिकायत थाने में की गई है।

05 जनवरी 2026 को एकदिवसीय रोजगार कैम्प का होगा आयोजन

नवादा। जिला नियोजन पदाधिकारी सुनील कुमार सुमन ने बताया कि युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार जिला नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर, नवादा द्वारा दिनांक 05.01.2026 को संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई०टी०आई०), नवादा के प्रांगण में एकदिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसमें माधुरी श्री भारत गैस, नवादा एवं महाद्युता ई०डी० टेक, पटना/नवादा की कंपनियों द्वारा कंप्यूटर ऑपरेटर, ट्रेनर एवं कोऑर्डिनेटर पदों के लिए कुल 06 रिक्तियाँ अधिसूचित की गई हैं।इन पदों के लिए योग्यता 12वीं के साथ डी०सी०ए० एवं स्नातक (ग्रेजुएशन) निर्धारित है। वेतन 14,000/- प्रतिमाह होगा। पात्र अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 30 वर्ष निर्धारित है। कार्यस्थल नवादा एवं गया होगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, रंगीन फोटो एवं बायोडाटा के साथ चयन हेतु कैम्प स्थल संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई०टी०आई०), नवादा के प्रांगण में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।रोजगार कैम्प पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक आयोजित होगा।जो अभ्यर्थी एनसीएस पोर्टल पर निबंधित हैं, वही आवेदक रोजगार कैम्प में भाग ले सकते हैं। जो अभ्यर्थी निबंधित नहीं हैं, वे एनसीएस पोर्टल पर स्वयं अथवा जिला नियोजनालय, नवादा में निबंधन कराकर भाग ले सकते हैं। नियोजक निजी क्षेत्र के हैं, नियोजन की शर्तों के लिए वही जिम्मेदार होंगे। जिला नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका में रहेगा।

जिला पदाधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश द्वारा ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट (VVPAT) की सुरक्षा व्यवस्था, रख-रखाव एवं निगरानी प्रणाली की समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी ने उपस्थित संबंधित पदाधिकारियों को ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वेयरहाउस में सभी निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से उपलब्ध हों। जिला पदाधिकारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं ईवीएम की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही कदापि स्वीकार्य नहीं होगी। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री महेश कुमार पासवान सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

25 हजार की रिश्वत लेते पुलिस अवर निरीक्षक रंगेहाथ गिरफ्तार, निगरानी ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

नवादा। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नवादा जिले के अकबरपुर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक प्रमोद कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी दारोगा को 25 हजार रुपये की घूस लेते समय दबोचा गया, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। निगरानी ब्यूरो से मिली जानकारी के अनुसार वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के वरनामा गांव निवासी विकास कुमार ने पटना स्थित निगरानी ब्यूरो कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अकबरपुर थाना कांड संख्या 484/25 में नामजद उनके बहनोई और भगना को गिरफ्तार नहीं करने तथा केस डायरी में राहत देने के बदले पुलिस अवर निरीक्षक प्रमोद कुमार द्वारा लगातार रिश्वत की मांग की जा रही थी।शिकायत मिलने के बाद निगरानी ब्यूरो ने पूरे मामले का गोपनीय तरीके से सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान यह स्पष्ट प्रमाण मिला कि आरोपी पुलिस अवर निरीक्षक द्वारा वास्तव में रिश्वत की मांग की जा रही थी। प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर निगरानी ब्यूरो ने विधिवत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की। इसके बाद पटना निगरानी ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक और अनुसंधानकर्ता गौतम कृष्ण के नेतृत्व में एक विशेष धावादल का गठन किया गया। योजना के तहत जैसे ही आरोपी पुलिस अवर निरीक्षक ने परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत ली, धावादल ने मौके पर ही उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

"सशक्त गांव, विकसित भारत" की ओर मजबूत कदम — आवास योजनाओं से बदली गरीबों की तक़दीर

पूर्णिया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प "सशक्त गांव, विकसित भारत" को साकार करने में केंद्र सरकार की आवास योजनाएं मील का पत्थर साबित हो रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आज करोड़ों गरीब परिवारों के जीवन में खुशहाली आ रही है। यह बात पूर्णिया सदर सीट के लोकप्रिय विधायक विजय खेमका ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं पीएम-जनमन आवास योजना के तहत जरूरतमंदों को पक्के घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिल रहा है। विधायक विजय खेमका ने कहा कि यह योजनाएं सिर्फ छत देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार कर रही हैं।

धान अधिप्राप्ति की प्रगति को लेकर जिला टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक आयोजित

निज संवाददाता। नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से धान अधिप्राप्ति की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि सुनिश्चित करने हेतु धान अधिप्राप्ति कार्य में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि क्रय किए गए धान के विरुद्ध किसानों को 48 घंटे के भीतर हर हाल में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। प्रखंड सिरदला एवं रजौली में भुगतान की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रखंड सहकारिता पदाधिकारियों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।

बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, नवादा द्वारा प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन के अनुसार जिले में कुल 177 चयनित पैक्स एवं व्यापार मंडल हैं, जिनमें 167 पैक्स एवं 10 व्यापार मंडल शामिल हैं। अधिप्राप्ति वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान विक्रय हेतु अब तक 17,346 किसानों ने ऑनलाइन निबंधन कराया है। जिले का कुल लक्ष्य 97,369 मीट्रिक टन निर्धारित है, जिसके विरुद्ध अब तक 17,963.752 मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति की जा चुकी है। इसमें 2,265 किसान शामिल हैं, जबकि औसतन प्रति किसान 7.93 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। अब तक 1,548 किसानों को भुगतान किया जा चुका है।

समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि सिरदला एवं रजौली प्रखंडों में धान अधिप्राप्ति की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इस पर जिला पदाधिकारी ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को नियमित अनुश्रवण करते हुए अधिप्राप्ति में तेजी लाने का निर्देश दिया। लक्ष्य के अनुरूप सबसे कम धान अधिप्राप्ति करने वाले पैक्सों की सूची तैयार कर आवश्यक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया। सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के पैक्सों के साथ बैठक कर लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित कराने तथा लक्ष्य से पीछे रहने वाले पैक्सों पर नोटिस जारी कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

जिला पदाधिकारी ने राइस मिल एवं पैक्स की आपसी संबद्धता को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों को प्राथमिकता के आधार पर धान क्रय किया जाए। साथ ही पैक्स गोदाम एवं सीएमआर गोदाम की नियमित जांच अनुमंडल पदाधिकारी स्तर से कराने के निर्देश दिए गए। सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर छोटे किसानों से संवाद स्थापित करने एवं उन्हें धान विक्रय हेतु प्रेरित करने को कहा गया। आज की इस बैठक में वरीय उपसमाहर्ता श्री मनोज चौधरी, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री आलोक कुमार, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम श्री प्रितम कुमार सिंह सहित सभी प्रखंडों के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक महीने से पेंशन की राशि के लिए बैंक का चक्कर काट रहे वृद्ध

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

प्रखण्ड के जमुआरा पंचायत अंतर्गत काजीपुरा निवासी रामचन्द्र चौधरी करीब 90 वर्षीय पिता त्रिलोकी चौधरी को कड़ाके की ढंड में ठेला रिक्शा पर पेंशन के लिए एक महीने से दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक ब्रांच छोटा शेखपुरा का चक्कर लगा रहे हैं। रामचंद्र चौधरी ने काफी गुस्से में मीडिया को बताया कि पिता जी को तीन महीने से पेंशन नही मिला है। शुक्रवार को भी अपने पिता को लेकर बैंक पहुचे और पेंशन के लिए फॉर्म भरकर दिया। मैनेजर ने कागजी कमी बताकर फिर लौटा दिया जिसपर रामचन्द्र चौधरी का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया और पूरे शेखपुरा बाजार में बैंक प्रबंधक को उल्टा सीधा बोलते हुए जा रहा था। पीड़ित का कहना है कि कोई न कोई बहाना लगाकर बैंक कर्मी लौटा देते हैं। सीएसपी

पेंशन के लिए ठेला रिक्शा पर जाते वृद्ध

बोलता है अंगुठा नही लगता है मेन ब्रांच जाओ और मेन ब्रांच बोलता है सीएसपी में जाओ। पेंशन वाले लाभुक काफी वृद्ध होते हैं इधर उधर के चक्कर से काफी परेशान होते है। पीड़ित ने वरीय अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराते हुए समस्या का समाधान की मांग की है। इधर पूछे जाने पर ब्रांच बैंक प्रबंधन संजय कुमार ने बताया कि मेरे पास कोई शिकायत लेकर नहीं आया है। आने पर समस्या का समाधान किया जाएगा।

ग्रामीणों ने कराया लावारिस गाय का प्रसव

निज संवाददाता। रजौली

नगर पंचायत अवस्थित पीएम एकेडमी के सामने खुले मैदान में एक गाय ने एक बछड़े को शुक्रवार की दोपहर लगभग 3 बजे जन्म दिया है।मैदान के बगल में ही रहने वाली कुमारी सीमा सिंह एवं शालू कुमारी ने बताई कि दोपहर को उनका बच्चा मैदान में खेल रहा था,तभी बच्चों ने देखा कि झाड़ी में एक गाय के पीछे बछड़े का कुछ अंश बाहर निकला हुआ है।बच्चों ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दी।सूचना पाकर पहुंची शालू ने गाय के बछड़े के फंसे शरीर को बाहर निकालने का प्रयास करने लगी।किंतु जब बछड़ा बाहर नहीं निकला और गाय दर्द से लगातार चीख रही थी।शालू ने यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर सरसों तेल के सहारे फंसे बिछड़े को

आग जलाकर गर्मी देते लोग

नम आंखों से बाहर निकालने का लगातार प्रयास की और सफल भी हुई।बछड़े के जन्म देने के बाद गाय और बछड़ा दोनों ठंड से कांपने लगा,जिसे आसपास के सुखी लकड़ियां और कचरा जलाकर गर्मी दिया गया।घटना की जानकारी शालू ने अपने पड़ोसी गोलू को दी।गोलू द्वारा आसपास काफी पूछताछ किया,किंतु गौपालक की जानकारी नहीं मिल पाई।गोलू द्वारा स्थानीय थाना को इसकी सूचना दी गई है।वहीं बिपिन कुमार ने कहा कि गौपालक को ऐसी स्थिति में खुला चरने के लिए नहीं छोड़ना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि

♦ **यू-ट्यूब पर वीडियो देखकर सफल हुआ प्रसव, गौपालक की तलाश जारी, गाय और बछड़ा सुरक्षित**

बछड़े को जन्म देते समय गाय दर्द से कराह रही थी।ऐसे में शालू ने मां की ममता को समझते हुए,बछड़े को जन्म देने में काफी सहायता की है।नवजात बछड़े को गली के कुत्तों समेत अन्य जानवरों से काफी खतरा था।इसलिए बभनटोली निवासी गोलू ने कहा कि वे अपने घर में गाय और बछड़े को सुरक्षित रखकर,उनकी सेवा में जुटे हुए हैं।साथ ही बताया कि जब गाय के असली मालिक आएंगे,तो उन्हें यह गाय और बछड़ा सौंप दिया जाएगा।

समाहरणालय सभाकक्ष में हुई जन सुनवाई

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शम्भू शरण पांडेय एवं अपर समाहर्त्ता डॉ. अनिल कुमार तिवारी द्वारा जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जन सुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें पदाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर कुल 21 शिकायतें दर्ज की गईं।

जन सुनवाई के क्रम में पदाधिकारियों द्वारा कई शिकायतों का स्थल पर ही निष्पादन किया गया, जबकि कुछ जटिल एवं तकनीकी प्रकृति के मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों के पास जांच एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया। जन सुनवाई में थाना-नारदीगंज, पो०-सादीपुर के भोला पासवान द्वारा बैंक राशि से संबंधित शिकायत, अंचल-वारिसलीगंज अंतर्गत ग्राम-सिमरी के ग्रामीणों द्वारा भूमि अतिक्रमण से संबंधित मामला, थाना-अकबरपुर एवं थाना-नेमदारगंज अंतर्गत ग्राम-सुपौल के अनिल कुमार द्वारा जमीनी विवाद से संबंधित आवेदन, प्रखंड-नवादा सदर, न्यू एरिया कृष्णापुरी दुर्गा मंडप निवासी रवि शंकर द्वारा ग्राम कचहरी सचिव, सिरदला के पद पर गलत अभ्यर्थी के चयन से संबंधित शिकायत, थाना-हिसुआ अंतर्गत ग्राम-तुंगी बेलदारी के विक्रम कुमार द्वारा मनमानी से संबंधित आवेदन सहित अन्य नागरिकों द्वारा भी अपनी-अपनी समस्याएं दर्ज कराई गईं।

इस अवसर पर ओएसडी श्री राजीव कुमार, प्रभारी जन शिकायत कोषांग नवादा श्री मनोज चौधरी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कोर्ट परिसर में एडवोकेट से मारपीट, सिर फटा, भाग रहे युवक को गुस्साए लोगों ने पकड़ा

निज संवाददाता। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर कोर्ट परिसर में एडवोकेट राजू शुक्ला से मारपीट हुई है। शुक्रवार दोपहर एक युवक अचानक उनके चैंबर में घुस गया और जानलेवा हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना चैंबर संख्या 19A की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार क्राइम एडवोकेट राजू शुक्ला रोज की तरह अपना काम कर रहे थे। इस बीच 25 साल के युवक वहां पहुंचा। बिना किसी स्पष्ट कारण के बदतमीजी करने लगा। विरोध करने पर अचानक उन पर हमला कर दिया। मारपीट में सिर फट गया।

आरोपी को खदेड़कर पकड़ा: आसपास मौजूद अधिवक्ताओं ने घायल को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वारदात के बाद मौके से भाग रहे युवक को गुस्साए लोगों ने पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद कोर्ट परिसर में तैनात पुलिस कर्मियों के हवाले कर दिया। नगर थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हमलावर की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है।

हमले की वजह अब तक साफ नहीं: पुलिस के अनुसार, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक ने अधिवक्ता पर हमला क्यों किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी न तो अधिवक्ता का मुवक्किल है और न ही पहले से उनके संपर्क में रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक से कभी मुलाकात नहीं हुई है: पीड़ित ने बताया चैंबर के बाहर गेट पर बैठकर धूप सेंक रहा था। इस बीच एक लड़का वहां आया और मेरे से बदतमीजी करने लगा। उसने कहा कि तुम मुझे नहीं पहचानते हो। मैंने कहा कि नहीं पहचानता हूं। इस पर वह बोला कि पूरा जिला मुझे जानता है और अचानक मुझ पर हमला कर दिया। न तो वह मेरा मुवक्किल है और न ही उससे मेरी कभी कोई मुलाकात हुई है।

आधुनिक कोसी के विश्वकर्मा थे डॉ. रवि:शंभू नारायण यादव

निज संवाददाता। मधेपुरा

डॉ. रवि (जन्म 1943- निधन 2021) एक सुप्रसिद्ध विद्वान, स्वाभिमानी शिक्षक, कुशल प्रशासक, लोकप्रिय राजनेता एवं सहृदय इंसान थे। उन्होंने कोसी क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे एक तरह से आधुनिक कोसी के विश्वकर्मा थे। यह बात डॉ. रवि विचार मंच के अध्यक्ष शंभू नारायण यादव ने कही। वे शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यालय में आयोजित कोसी के विकास में डॉ. रवि का योगदान विषयक परिचर्चा की अध्यक्षता कर रहे थे। परिचर्चा का आयोजन पूर्व सांसद (लोकसभा एवं राज्यसभा) एवं बीएनएमयू, मधेपुरा के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर डॉ. रमेन्द्र कुमार यादव रवि की जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. रवि विचार मंच के तत्वावधान में किया गया। उन्होंने कहा कि बताया कि डॉ. रवि के प्रयास से ही सन् 1981 में मधेपुरा को जिला का दर्जा मिला। कोसी क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछा और सन् 1992 में भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

डॉ. रवि का राजनीति में था विशिष्ट स्थान: उन्होंने कहा कि डॉ. रवि का प्रदेश एवं देश की राजनीति में एक विशिष्ट स्थान था। उन्होंने राजनीति की शुरुआत कांग्रेस पार्टी से की थी।बाद में वे जनता दल से रिकार्ड मतों से संसद में पहुंचे। वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी, पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव एवं वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अत्यंत करीबी रहे।

हमेशा दिलों में जिंदा रहेंगी डॉ. रवि की

स्मृतियां: कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि डॉ. रवि हमारे प्रेरणास्रोत हैं। उनकी स्मृतियां हमारे दिलों में हमेशा ताजी रहेंगी। उन्होंने महज छः माह के कार्यालय में विश्वविद्यालय के विकास की मजबूत आधारशिला रखी। उन्होंने बताया कि डॉ. रवि पार्वती विज्ञान महाविद्यालय के शाही निकाय के अध्यक्ष भी थे। वे ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय के प्रथम कमीशंड प्रधानाचार्य रहे और प्रधानाचार्य के रूप में ही विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति बने। ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि डॉ. रवि एक लोकप्रिय शिक्षक थे। जब वे अपनी हिंदी कक्षा में लयबद्ध होकर दिनकर के प्रबंध काव्य रश्मिरथी का पाठ करते थे, तो दूसरे विषयों के विद्यार्थी भी उसे सुनने आ जाते थे। उन्होंने कहा कि डॉ. रवि साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय थे। वे बुद्धिजीवी विचार मंच के अध्यक्ष, राष्ट्र भाषा परिषद् के सदस्य, बिहार मैथिली अकादमी के सदस्य, सदस्य, राज्य भाषा समिति के सदस्य एवं हिन्दी साहित्य सम्मेलन, मधेपुरा के अध्यक्ष रहे।

उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 30800 पीस कोडीन फॉस्फेट सिरप जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार, दो ट्रक भी जब्त

♦ **दो खेप में हो रही थी तस्करी, प्लाईवुड को लगाकर बचने की नाकाम कोशिश, 61 लाख का सिरप जब्त**

निज संवाददाता। रजौली

बिहार-झारखंड सीमावर्ती क्षेत्र चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने नशीले सिरप की भारी मात्रा को जब्त किया है।जब्त सिरप पश्चिम बंगाल से बिहार पहुंचाया जाना बताया जा रहा है।यह कार्रवाई शुक्रवार की देर शाम 7 बजे से लेकर 8 बजे तक चली।इसका नेतृत्व उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार ने किया और एक घंटे के अंतराल में दो बड़ी खेप को जब्त किया है।

शराब की जगह कोडीन फॉस्फेट का हो रहा इस्तेमाल :- जब्त कोडीन फॉस्फेट सिरप बिहार शराबबंदी के बाद शराब के जगह पर नशे के लिए धड़ल्ले से प्रयोग किया जाता है।इस सिरप के एक पीस सिरप की बोतल को नशेड़ी एक बार इस्तेमाल करने के बाद अगले 8 से 12 घंटों तक नशा का असर रहता है।एक पीस सिरप में 100 एमएल के लिए 164 रुपए बाजार मूल्य है।यह शराब के जगह पर दूसरा सस्ता नशा करने का साधन है।

पहली खेप में 14000 पीस सिरप जब्त :- जांच चौकी पर पहली खेप में ट्रक संख्या डब्लूबी11एल3377 पर लदे 140 कार्टूनों में बंद 100 एमएल वाले 14000 कोडीन फॉस्फेट सिरप बरामद किया गया है,जिसका बाजार मूल्य 22 लाख 96 हजार रुपए बताई जा रही है।ट्रक के साथ चालक

जब्त सिरप और गिरफ्तार चालक के साथ उत्पाद बल

वैशाली जिले के कंचनपुर धनुषी गांव निवासी स्व. हरदयाल राय के पुत्र पिंटू राय को उत्पाद बलों के द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

दूसरी खेप में 16800 पीस सिरप बरामद :- पहली खेप की जब्ती के लगभग आधे घंटे बाद ही जांच चौकी पर जब्त दूसरी खेप में ट्रक संख्या डब्लूबी19के2510 पर लदे 120 कार्टूनों में बंद 16800 पीस कोडीन सिरप बरामद किया गया है।साथ ही ट्रक चालक झारखंड के मालदा जिले के मालदा गांव निवासी ब्रह्मदेव दास के पुत्र नरेश दास को उत्पाद बलों ने गिरफ्तार किया है।बरामद सिरप का बाजार मूल्य 27 लाख 55 हजार 200 रुपया है।

प्लाईवुड के जरिए जांच से बचने की कोशिश :- उत्पाद बलों को धोखा देने के लिए तस्करों ने ट्रक के चारों ओर प्लाईवुड बिछाकर तीरपाल से ढक दिया था।इसके का मुख्य कारण जांच चौकी पर होने वाली हैंड स्कैनर की जांच से बचना बताया जा रहा है।सिरप की खेप कोलकाता से पटना के कृष्णा नगर स्थित ट्रांसपोर्ट तक पहुंचाया जाना बताया जा रहा है।

गिरफ्तार लोगों से सघन पूछताछ जारी :- उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध को लेकर उत्पाद बलों के सहयोग से झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाती है।इस क्रम में उत्पाद बलों ने कोडीन फॉस्फेट के दो बड़े खेप को शुक्रवार की रात्रि को जब्त किया है।जब्त सिरप को लेकर उत्पाद बल अनुसंधान में जुटी हुई है।अनुसंधान में यह मामला स्पष्ट हो पाएगा कि ये लोग सिरप की इतनी बड़ी खेप,किसके इशारे पर बिहार के पटना में पहुंचाया जाना था।उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि जब्त ट्रकों के चालकों से पूछताछ जारी है।पूछताछ के बाद प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मध्य रेल में सख्ती, चेन पुलिंग करने वाले 1032 और महिला कोच में यात्रा कर रहे 2629 पुरुष हिरासत में

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा ट्रेनों के समय पालन और यात्रियों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियानों के तहत दिसंबर माह में बड़ी कार्रवाई की गई है। रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन "समय पालन" और ऑपरेशन "महिला सुरक्षा" के अंतर्गत नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 3661 यात्रियों को हिरासत में लिया है। रेल प्रशासन द्वारा बिना उचित कारण चेन पुलिंग कर ट्रेनों को अनावश्यक रूप से रोकने वालों के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में ऑपरेशन "समय पालन" के तहत 1 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों पर विशेष निगरानी रखी गई। इस दौरान बिना वैध कारण चेन पुलिंग करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने कुल 1032 लोगों को हिरासत में लिया। इन सभी के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 141 के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की गई। आंकड़ों के अनुसार, चेन पुलिंग के मामलों में दानापुर मंडल सबसे आगे रहा, जहां से 429 लोगों को पकड़ा गया। इसके बाद समस्तीपुर मंडल में 266, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 131, सोनपुर मंडल में 116 और धनबाद मंडल में 90 लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे ऑपरेशन "महिला सुरक्षा" के तहत महिला कोच में अवैध रूप से यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ भी व्यापक अभियान चलाया गया। दिसंबर माह के दौरान महिला डिब्बों में यात्रा करते पकड़े गए 2629 पुरुष यात्रियों को रेलवे सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया। इन सभी पर रेल अधिनियम की धारा 162 के तहत कार्रवाई की गई। इस अभियान में भी दानापुर मंडल में सबसे अधिक 1371 पुरुष यात्री पकड़े गए। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 706, समस्तीपुर मंडल में 240, सोनपुर मंडल में 166 तथा धनबाद मंडल में 146 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया। पूर्व मध्य रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ट्रेनों के समय पालन में बाधा डालने और महिला यात्रियों की सुरक्षा से समझौता करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षित, सुगम एवं समयबद्ध रेल यात्रा में सहयोग दें।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्र से मोबाइल छीनने वाला युवक धराया, लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

मसौढ़ी। थाना क्षेत्र के रेलवे गुमटी के पास शुक्रवार को उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब परीक्षा देकर घर लौट रहे एक छात्र से मोबाइल छीनकर भाग रहे युवक को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। लोगों ने आरोपी को पकड़कर पहले उसकी जमकर धुनाई की और बाद में मसौढ़ी थाना पुलिस के हवाले कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार धनरूआ थाना क्षेत्र के पभेड़ी गांव निवासी किशोर प्रसाद का पुत्र सुजीत कुमार शुक्रवार को मसौढ़ी स्थित डीएन कॉलेज में परीक्षा देने आया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान रेलवे गुमटी के पास मसौढ़ी थाना क्षेत्र के तारपुरा गांव निवासी रामशीष यादव का पुत्र उजाला कुमार अचानक उसके हाथ से मोबाइल छीनकर भागने लगा। घटना होते ही छात्र ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर आरोपी युवक को पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने आरोपी की जमकर पिटाई कर दी। बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची मसौढ़ी थाना की पुलिस ने युवक को अपने कब्जे में ले लिया।उसके निशानदेही पर पुलिस अन्य मोबाइल बदमाशों की तलाश में जुट हुई है.

बेकाबू ऑटो ने युवक को मारी टक्कर, घायल, घर के दरवाजे पर था खड़ा, नशे में धुत चालक ने उड़ाया

हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा-पटोरी मुख्य मार्ग पर सड़क दुर्घटना में 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना अब्दुल्ला चौक आउटपोस्ट के अंतर्गत सरमस्तपुर पंचायत में हुई, जहां एक बेकाबू सीएनजी टेंपो ने युवक को टक्कर मार दी। घायल युवक की पहचान स्थानीय पंचायत समिति सदस्य प्रमोद चौधरी के 18 वर्षीय बेटे शिव कुमार के रूप में हुई है। शिव कुमार अपने घर के प्रवेश द्वार पर खड़ा था, तभी नशे में धुत एक सीएनजी टेंपो चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया और सीधे उससे जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिव कुमार मौके पर ही बेहोश हो गया और उसे गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत बेहोश शिव कुमार को जंदाहा के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और वे लगातार चिकित्सकीय निगरानी में हैं। हादसे के बाद, गुस्साए स्थानीय लोगों ने टेंपो चालक को मौके से भागने नहीं दिया। उन्होंने चालक को पकड़कर महनार थाना पुलिस के हवाले कर दिया। थाना अध्यक्ष वेदानंद सिंह ने पुष्टि की कि चालक नशे की हालत में था। उन्होंने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और चालक के खिलाफ सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन तथा आपराधिक धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने क्षेत्र में यातायात सुरक्षा और नियमों की अनदेखी को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से मुख्य सड़कों पर वाहनों की बेकाबू गति और नशे में ड्राइविंग जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने और नियमित अभियान चलाने की मांग की है।

ठंड का असर बरकरार, न्यूनतम तापमान 8 डिग्री के करीब पहुंचा, कोहरा और शीतलहर से बढ़ी ठिठुरन

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में नए साल के दूसरे दिन भी ठंड से राहत नहीं है। पछिया हवा के कारण ठंड का असर बना हुआ है। शुक्रवार को सुबह के समय कोहरा छाया रहा। शीतलहर के चलते कनकनी बढ़ गई है। न्यूनतम तापमान 8 डिग्री के करीब है। दिन में अधिकतम तापमान 20 से 21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। शहर और ग्रामीण इलाकों में कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो गई है। जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह में हेडलाइट जलाकर गाड़ी चलाना पड़ा। खासकर हाईवे पर चलने वाले चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है। दिन चढ़ने के साथ ही धूप निकलने की संभावना है। हालांकि, शाम होते ही तापमान गिरने लगेगा और सर्दी फिर से बढ़ जाएगी। जिले के मीनापुर, कांटी, सकरा और कुढ़नी प्रखंड कृषि के बड़े केंद्र माने जाते हैं। यहां बड़े पैमाने पर गेहूं, आलू और सरसों की खेती होती है, लेकिन इस बार मौसम की मार ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का डर पैदा कर दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि ठंड के मौसम में बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। सुबह जल्दी बाहर निकलने से बचें और गर्म कपड़े पहनें। ठंड से बचाव के लिए गर्म पेय पदार्थों का सेवन फायदेमंद रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। आने वाले कुछ दिनों तक सुबह-शाम ठंड और दिन में हल्की धूप वाला मौसम बना रह सकता है।

नए साल की खुशी मातम में बदली, पिकनिक पर आए युवक की पीट-पीटकर हत्या

निज संवाददाता। वैशाली

जिले में नए साल के जश्न के बीच एक दर्दनाक घटना सामने आई है। पिकनिक मनाने आए एक युवक की मामूली विवाद के बाद बेरहमी से पिटाई कर दी गई, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और आक्रोशित लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। मृतक की पहचान सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र निवासी लाल बहादुर राम के रूप में की गई है। वह गुरुवार को अपने कुछ दोस्तों के साथ नए साल के अवसर पर वैशाली के बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय क्षेत्र घूमने और पिकनिक मनाने आया था।

बाइक सटने से शुरू हुआ विवाद, हिंसा में बदला मामलाः पुलिस के अनुसार घटना उस समय हुई, जब लाल बहादुर राम और उसके साथी पैदल घूम रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार युवक की बाइक लाल बहादुर राम के पैर से सट गई। इस बात को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और फिर हिंसक झड़प में तब्दील हो गई। आरोप है कि मोटरसाइकिल सवार युवक ने अपने अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया, जिसके बाद लाल बहादुर राम पर सामूहिक रूप से हमला किया गया।

हैंड फाइटर और बेल्ट से की गई पिटाईः प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मारपीट के दौरान हमलावरों ने हैंड फाइटर और बेल्ट का इस्तेमाल किया। बेरहमी से की गई पिटाई में लाल बहादुर राम गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे दो अन्य युवक भी घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को हाजीपुर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान लाल बहादुर राम की मौत हो गई।

मौत के बाद भड़का आक्रोश, एनएच-74 जामः युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। गुस्साए लोगों ने लालगंज-मुजफ्फरपुर एनएच-74 को जाम कर दिया और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। जाम की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। डीएसपी गोपाल मंडल स्वयं मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने में जुटे रहे। काफी मशक्कत के बाद जाम हटाया गया और स्थिति को नियंत्रित किया गया।

तीन संदिग्ध हिरासत में: पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि अब तक परिजनों की ओर से लिखित आवेदन नहीं मिलने के कारण एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आवेदन मिलते ही नामजद प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसडीपीओ-02 गोपाल मंडल ने बताया कि बाइक से पैर सटने के बाद विवाद हुआ था। गाली-गलौज के बाद मोटरसाइकिल सवार युवक ने अपने साथियों को बुलाकर मारपीट की, जिसमें लाल बहादुर राम गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक के दोस्तों की पहचान के आधार पर संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

नौबतपुर थाना में सिटी एसपी का जनता दरबार भूमि विवाद के मामलों की रही भरमार

निज संवाददाता। पटना

आम जनता की समस्याओं को सीधे सुनने और त्वरित समाधान के उद्देश्य से शुक्रवार को नौबतपुर थाना परिसर में सिटी एसपी वेस्ट भानु प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में क्षेत्र के विभिन्न गांवों और मोहल्लों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं सिटी एसपी के समक्ष रखीं। इस दौरान करीब 20 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें अधिकांश मामले भूमि विवाद से जुड़े हुए थे।

जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने जमीन के बंटवारे, कब्जा, रास्ता विवाद और आपसी रंजिश से संबंधित समस्याओं को लेकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने सभी फरियादियों की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद अक्सर बड़े अपराधों की जड़ बनते हैं, इसलिए ऐसे मामलों का समय रहते निष्पक्ष और कानूनी समाधान बेहद जरूरी है।

सिटी एसपी ने बताया कि जनता दरबार का उद्देश्य केवल शिकायत सुनना नहीं, बल्कि मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश देकर समस्या का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन का प्रयास है कि लोग छोटी-छोटी बातों को लेकर आपस में टकराव की स्थिति में न आएं और कानून व्यवस्था बनी रहे। जनता दरबार में राजेश कुमार मिश्रा, अशोक कुमार, चुनमुन देवी, बिंदा देवी, विनय कुमार, विजय कुमार शर्मा समेत कई फरियादियों ने अपनी पीड़ा रखी। फरियादियों ने बताया कि जनता दरबार जैसे मंच से उन्हें पहली बार अपनी बात सीधे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तक पहुंचाने का अवसर मिला, जिससे उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

सुनवाई के दौरान सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने फुलवारी शरीफ एसडीपीओ-2 दीपक कुमार और नौबतपुर थाना प्रभारी संजीत कुमार को कई मामलों में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निष्पक्ष जांच करने, दोनों पक्षों को सुनने और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो और पीड़ितों को जल्द राहत मिल सके। सिटी एसपी ने कहा कि जनता दरबार पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास का सेतु है। इससे लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की समस्या होने पर कानून का सहारा लें और पुलिस प्रशासन से सीधे संपर्क करें, ताकि विवाद को समय रहते शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया जा सके। जनता दरबार के आयोजन से क्षेत्र के लोगों में संतोष देखा गया और लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की।

घने कोहरे में बस-टेंपो की भीषण टक्कर, एक की मौत, कई घायल

निज संवाददाता। पटना

पटना जिले के बिक्रम-पालीगंज मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की सुबह घने कोहरे के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अख्तियारपुर मझौली गांव के पास तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में टेंपो सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह के समय इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था, जिससे सड़क पर दृश्यता काफी कम थी। पालीगंज से बिक्रम की ओर जा रहा टेंपो कोहरे के कारण सड़क किनारे खड़ा कर दिया गया था। टेंपो चालक शीशा साफ कर रहा था, इसी दौरान बिक्रम की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात बस ने पीछे से टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग सड़क पर जा गिरे। हादसे में पालीगंज थाना क्षेत्र के मखमिलपुर गांव निवासी कन्हैया कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक टेंपो से बिहटा की ओर जा रहे थे। वहीं टेंपो चालक सहित तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल इलाज के लिए बिक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की स्थिति पर नजर बनाए रखी है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना को लेकर थानाध्यक्ष प्रभात कुमार ने बताया कि मझौली गांव के पास बस और टेंपो की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हुई है, जबकि अन्य घायल हैं। फरार बस की तलाश की जा रही है। पुलिस द्वारा यातायात को नियंत्रित कर सड़क पर सामान्य आवागमन बहाल कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद से इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से घने कोहरे के दौरान भारी वाहनों की रफ्तार पर सख्ती से नियंत्रण लगाने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

ब्राउन शुगर तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

निज संवाददाता। पटना

नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए गौरीचक पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने पांच ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 31.56 ग्राम ब्राउन शुगर, 49 हजार 720 रुपये नकद, तीन इलेक्ट्रॉनिक तराजू और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई 2 जनवरी को की गई, जिससे इलाके में नशा तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस उपाधीक्षक विनय कुमार रंजन ने बताया कि गौरीचक थाना क्षेत्र में लंबे समय से ब्राउन शुगर की अवैध बिक्री की सूचना मिल रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने लखना और आसपास के इलाकों में विशेष निगरानी शुरू की। गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें सबसे पहले लखना गांव से 20 वर्षीय राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान राहुल के पास से 17.68 ग्राम ब्राउन शुगर और 12 हजार 890 रुपये नकद बरामद किए गए। राहुल से पूछताछ के दौरान पुलिस को नशा तस्करी के एक पूरे नेटवर्क की जानकारी मिली। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने सोहगी नहर के पास छापेमारी कर चार अन्य आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोना गोपालपुर गांव निवासी शशि कुमार सिंह उर्फ काला सियार, आकाश कुमार, शुभम कुमार और सिरपतपुर गांव निवासी प्रिंस कुमार शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, शशि कुमार सिंह उर्फ काला सियार के पास से 7.17 ग्राम ब्राउन शुगर और 21 हजार 600 रुपये नकद बरामद हुए हैं। वहीं आकाश कुमार के पास से 2.13 ग्राम ब्राउन शुगर और 4 हजार 500 रुपये, शुभम कुमार के पास से 1.79 ग्राम ब्राउन शुगर और 1 हजार 40 रुपये तथा प्रिंस कुमार के पास से 2.79 ग्राम ब्राउन शुगर और 9 हजार 690 रुपये नकद मिले हैं। सभी आरोपियों के पास से मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पुलिस ने पांचों आरोपियों के पास से 31.56 ग्राम ब्राउन शुगर और 49 हजार 720 रुपये नकद के साथ तीन इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ये लोग संगठित तरीके से नशे के कारोबार में संलिप्त थे। बरामद ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेल

विद्युत (सा.) विभाग

खुली ई–निविदा सूचना

संख्या–एल.–ओपेन–25–26–19, दिनांक 31.12.2025

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य)/सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई– निविदा' आमंत्रित करते हैं। खुली ई–निविदा की अंतिम तिथि **दिनांक–22.01.2026 को 12.30 बजे** तक निर्धारित की गई है। खुली ई–निविदा संबंधी निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर किया जा सकता है।

क्रम सं०: 1, कार्य का नाम : सोनपुर मंडल में आई.पी. एस. रूम, बैट्री रूम एवं ओ.एफ.सी. रूम में एस. एण्ड टी. इंस्टालेशन के तापमान नियंत्रण और फोर्स कुलिंग द्वारा सिगनल और टेलीकॉम उपकरणों की विश्वसनियता में सुधार से संबंधित विद्युतीय कार्य।, **अनुमानित लागत (रू. में):** 2,09,34,661.64, **बयाने की राशि (रू. में):** 2,54,700.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू. में):** 00.00

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाईट पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार किसी भी समय निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा मे सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमे कोई दाबा मान्य नही होगा।

मंडल रेल प्रबंधक/(विद्युत/सा.)
पूर्व मध्य रेल/सोनपुर

पीआर/1559/एसईई/ईएलईसीटी/टी/25–26/36

पटना में अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई जनवरी भर चलेगा विशेष अभियान

निज संवाददाता। पटना

राजधानी पटना में सड़कों और सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाने को लेकर जिला प्रशासन ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम के निर्देश पर शहर में अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान दोबारा शुरू कर दिया गया है। यह अभियान पूरे जनवरी माह तक चलेगा, जिसके लिए प्रशासन और पुलिस की कुल नौ विशेष टीमों का गठन किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम और नियमों के उल्लंघन के मामलों में अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। अभियान में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर अनिवार्य रूप से प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। प्रशासन के अनुसार, अस्थायी अतिक्रमण करने वालों से 5 हजार रुपये तक और स्थायी अतिक्रमण करने वालों से 20 हजार रुपये तक का जुर्माना वसूला जाएगा। इसके साथ ही अतिक्रमण में प्रयुक्त सामग्री की जब्ती भी की जाएगी। बार-बार नियम तोड़ने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि पीएमसीएच, आईजीआईएमएस, एनएमसीएच और एम्स जैसे प्रमुख अस्पतालों के आसपास किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसका उद्देश्य मरीजों और एंबुलेंस की आवाजाही को पूरी तरह सुचारु बनाए रखना है। यह अभियान पूरी तरह बहु-एजेंसी समन्वय के साथ चलाया जा रहा है। इसमें जिला प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन विभाग, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, अग्निशमन, बिजली, दूरसंचार, वन विभाग और पुलिस के अधिकारी व कर्मी शामिल हैं।

पटना नगर निगम के नूतन राजधानी, पाटलिपुत्र, कंकड़बाग, बांकीपुर, अजीमाबाद और पटना सिटी अंचलों के साथ-साथ खगौल, फुलवारीशरीफ और दानापुर नगर परिषद क्षेत्रों में भी कार्रवाई की जाएगी। अभियान का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी स्वयं करेंगे, जबकि अपर जिला दंडाधिकारी (नगर व्यवस्था) पूरे अभियान की निगरानी करेंगे। वहीं ट्रैफिक पुलिस को भी विशेष वाहन जांच अभियान चलाने और अवैध पार्किंग पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सभी थानाध्यक्षों को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का पूरा विवरण स्टेशन डायरी में दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। अभियान की निगरानी के लिए पांच सदस्यीय मॉनिटरिंग सेल का गठन किया गया है, जिसमें ट्रैफिक एसपी, एडीएम नगर व्यवस्था, एसपी विधि-व्यवस्था, अपर नगर आयुक्त और सिटी मजिस्ट्रेट शामिल हैं। यह टीम रोजाना अभियान की समीक्षा करेगी और हटाए गए अतिक्रमण की दोबारा निगरानी भी सुनिश्चित करेगी। जिलाधिकारी ने कहा है कि बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षित आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और आम लोगों को जाम व अव्यवस्था से राहत दिलाने का निर्देश दिया गया है।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई–सीसीटीवी–एचडब्ल्यूएच–बीडीसीयार्ड–25, दिनांक: 01.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निविदा सं. एसडीएसटीई–सीसीटीवी–एचडब्ल्यूएच–बीडीसीयार्ड–25 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** अनुसूची 1– हावड़ा मंडल के तहत अस्पताल और हेल्थ यूनिटों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था। अनुसूची 2– बैण्डेल यार्ड में और आरपीएफ/पोस्ट/बैण्डेल के अधिकार क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार। अनुसूची 3 –हावड़ा स्टेशन में 3 मॉनिटरिंग डिवाइस (पीसी) के साथ 09 स्थानों पर सीसीटीवी सर्विलांस कैमरे की स्थापना। **बोली प्रणाली :** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 1,75,17,097.58, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु.2,37,600/–, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 6 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 09.01.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 23.01.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www. ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

HWH-507/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन ने किशोर को कुचला, मौके पर हुई मौत

काराकाट/रोहतास। बिक्रमगंज डिहरी पथ पर काराकाट थाना क्षेत्र के बिरैनी मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने एक किशोर को कुचल दिया। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध मे बताया जाता है कि काराकाट थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर निवासी अशोक कुमार शर्मा उर्फ रिंटू शर्मा के 16 वर्षीय पुत्र पहलाद शर्मा उर्फ मनी कुमार को रात्रि में बिक्रमगंज डिहरी पथ पर बिरैनी मोड के पास अज्ञात गाड़ी कुचल दिया। जिसके कारण स्पॉट डेथ हो गया। मृतक पहलाद शर्मा आई एस सी के सेकेंड साल का छात्र था। अशोक शर्मा उर्फ रिंटू शर्मा लकड़ी के मिस्त्री है, जो घर पर ही कारीगरी कर परिवार का भरण पोषण किया करते है। गरीब परिवार में जन्मे अशोक शर्मा दो लड़का एवं एक लड़की को पढ़ने के लिए जी जान लगाकर मेहनत करते है। मृतक सबसे छोटा बेटा था। सबसे बड़ा 20 वर्षीय लड़का पवन कुमार शर्मा बी एस सी फाइनल का छात्र है। मंझोल लड़की 18वर्षीय पार्वती कुमारी बीएससी पार्ट वन की छात्रा है। मृतक मणि कुमार की माता सविता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। रोती बिलखती हुई माँ बार-बार बोल रही थी कि बड़े ही होनहार लड़का था। जिस पर पूरे परिवार का भरोसा था कि पढ़ लिख कर बहुत आगे कुछ करेगा, लेकिन भगवान का जो आदेश हुआ कि आज वह मेरा बच्चा नहीं रहा है। रोते बिलखते परिजनों को ढाढस बंधाने जुटे लोगों के आँखों से आँसू छलक जाते थे।

आठ बीघा की पुआल जल कर हुआ राख

काराकाट /रोहतास। थाना क्षेत्र अंतर्गत किसुनडीह गांव निवासी किसान भोला महतो ,प्रमोद महतो दोनों पिता राधिका महतो का खलिहान में रखे 8बिगा पुआल जल कर हुआ राख। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक खलिहान में छोटा छोटा बच्चा खेल रहा था उसी में आग लग गई आग की लाफ देख ग्रामीण हाला गुला किए। शोर सुनकर ग्रामीण खलिहान में इकट्ठा हुए और निजी साधनों से आग पर काबू पाने के लिए ग्रामीणों के सहयोग से मोटर पंप चला करके आग बुझाने चाहे आग की लपेट इतनी तेज थी कि लगभग 8बीघा का पुआल गला जलकर राख हो गया ग्रामीणों ने बताया कि फायर ब्रिगेड को फोन किया गया लेकिन फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंचने के कारण8 बीघा का पुआल का गला जल गया किसान के परिवार में हाहाकार मच गया साल भर का खेती एवं पशु का आहार जल गया रोते बिलखते परिवार ने बताया कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड का गाड़ी आ जाता है तो मेरा फसल बच जाता है। आपको बता दे की यहां के किसान खेती पर निर्भर रहते हैं साल भर में एक बार धान की फसल होती है जिससे पशु को खाने का व्यवस्था करना पड़ता है यहां का किसान खेती पर ही निर्भर रहता है लेकिन भगवान की कृपा से जल करके राख हो गया । किसान का परिवार अब पशु को क्या खिलाएगा इसका संकट आगया ।मोहताज हो गया और अब भगवान भरोसे ही 1 साल पशु का व्यवस्था चलेगा।

शराब परिवहन मामले में कार चालक समेत दो गिरफ्तार

राजपुर। बघैला थाना अंतर्गत रोतवां गांव निवासी संतोष कुमार सिंह के बेटा हिमांशु कुमार को शराब का परिवहन करने के जुर्म में मारुति गाड़ी समेत चालीस लीटर देसी महुआ शराब के साथ विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया. थानाध्यक्ष करन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस द्वारा जांच अभियान के क्रम में बघैला नहर के समीप से मारुति कार में 40 लीटर महुआ शराब के साथ धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया. मामले में मारूती कार धारक को परिवहन विभाग को जुर्माना के लिए लिखित रूप शिकायत किया गया.उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के खैरही गांव से एक हीरो स्पलेंडर प्रो मोटरसाइकिल की डिक्की में पांच लीटर देसी महुआ शराब बरामद किया गया.धंधेबाज पुलिस को देखकर बाईक छोड़कर मौके से भागने में कामयाब हो गया.

तिरहुत प्रमंडल के 139वें आयुक्त ने संभाला पदभार
गिरिवर दयाल सिंह बोले- कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना पहली प्राथमिकता होगी

मुजफ्फरपुर। तिरहुत प्रमंडल को नया आयुक्त मिल गया है। गिरिवर दयाल सिंह ने 139वें आयुक्त के तौर पर औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने से पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। आयुक्त पद की जिम्मेदारी संभालते ही उन्होंने प्रशासनिक सक्रियता दिखाते हुए प्रमंडल कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया। अलग-अलग विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की। उनके कार्यों और लंबित मामलों की जानकारी ली। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनहित से जुड़ी योजनाओं और शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कल्याणकारी योजनाएं प्राथमिक एजेंडा: आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने कहा कि प्रमंडल में चल रही सभी विकासात्मक और कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर नियमित समीक्षा और मॉनिटरिंग की जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति पर विशेष फोकस रहेगा

पूर्व में राजस्व परिषद के सचिव रह चुके हैं: गिरिवर दयाल सिंह इससे पहले राजस्व परिषद के सचिव के पद पर कार्यरत थे। राजस्व और प्रशासनिक मामलों में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए राज्य सरकार ने तिरहुत प्रमंडल का आयुक्त नियुक्त किया है। उनके कार्यकाल में प्रशासनिक कार्यों में गति आने की उम्मीद जताई जा रही है।

डीएम और डीपीआरओ ने किया स्वागत: नए आयुक्त के पदभार ग्रहण के अवसर पर मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) प्रमोद कुमार ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान कई वरीय अधिकारी भी मौजूद रहे। तिरहुत प्रमंडल में मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर और पूर्वी चंपारण जैसे जिले शामिल हैं। ऐसे में नए आयुक्त के सामने कानून-व्यवस्था, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

बड़हरी थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव के बधार में शुक्रवार को हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से एक मजदूर व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया । जिसे परिजन तत्काल सदर अस्पताल सासाराम ले गए । जहां जांचों परांत चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया ।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बहुआरा निवासी 42 वर्षीय कमलेश पासवान गांव के समीप धर्मावती नदी की ओर शौच के लिए गए थे । निवृत होकर वे दातुन तोड़ने के लिए पेड़ पर जैसे ही चढ़े । करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए । नदी की ओर गए अन्य किसानों ने घटना को देख शोर मचाया । उन्होंने बताया कि विगत 6 माह से हाई वोल्टेज का विद्युत तार पेड़ पर गिरा हुआ था । जिसे हटाने के लिए जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने विभाग को कई बार शिकायत किया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई । कमलेश पासवान ने पेड़ पर गिरे हाई वोल्टेज विद्युत तार पर ध्यान नहीं दिया फल स्वरुप दातुन तोड़ने के दौरान वे करंट की चपेट में आ गए ।

- विगत 6 माह से पेड़ पर गिरा था हाई वोल्टेज करंट का विद्युत तार

घटना की सूचना पर मुखिया अशोक सिंह सहित ग्रामीणों की काफी भीड़ लग गई । बताया कि मृतक को नाबालिक एक पुत्र व पुत्री हैं । उसके मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है ।

जिला पदाधिकारी द्वारा डीआरडीए सभागार में जिला जनता दरबार का किया गया आयोजन

निज संवाददाता। सासाराम/रोहतास

जिला पदाधिकारी उदिता सिंह द्वारा समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभाकक्ष में जिला जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी जिला राजस्व प्रशाखा, निदेशक डीआरडीए, जिला विकास पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी अंचलाधिकारी एवं जिला मुख्यालय स्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भाग लिया गया। उक्त जनता दरबार में कुल 92 व्यक्ति उपस्थित हुए। जिन्हें विषयवार / विभागवार यथा - राजस्व, विकास, विद्युत, लोक स्वास्थ्य एवं अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं / शिकायतों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाकर सभी आवेदकों से जिला पदाधिकारी महोदया एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों यथा- अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी एवं अन्य सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ एक-एक करके सभी आवेदकों से साक्षात्कार करते हुए उनके समस्याओं को सुना गया तथा उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित निष्पादन करने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल कार्रवाई करने हेतु हस्तगत करा दिया गया ।

सड़क सुरक्षा माह 2026: डीएम उदिता सिंह द्वारा सड़क सुरक्षा ध्वनि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

निज संवाददाता। सासाराम/रोहतास

सासाराम/ रोहतास। सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत आज दिनांक 02 जनवरी 2026 को जिला पदाधिकारी, रोहतास द्वारा आमजनों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से समाहरणालय, रोहतास परिसर से सड़क सुरक्षा ध्वनि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करेगा। जिला पदाधिकारी महोदया ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जा रहा है। लोगों के बीच जागरूकता के उद्देश्य से इसी कड़ी में अलग-अलग तिथि को जिले में विभिन्न तरह कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। इस बीच ध्वनि रथ के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग एवं सावधानियों की जानकारी दी जाएगी ।

प्रखंड में जरूरतमंदों के बीच बांटे गए कंबल

निज संवाददाता। बिक्रमगंज (रोहतास)

नव वर्ष के विभिन्न तरीके से लोगों के द्वारा इसको रूप दिया गया। किसी ने इसे अपने व्यक्तिगत हंसी-खुशी और हर्ष पूर्ण वातावरण में मनाया तो किसी ने सामाजिक कार्यों में योगदान देकर इसकी परिभाषा बदलने की कोशिश की। बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के दावथ प्रखंड के सेमरी गांव में पहली जनवरी को सेमरी के प्रसिद्ध समाज सेवी श्री हरिनारायण पांडेय के पुत्र जितेंद्र पांडेय के द्वारा समाज के जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण का आयोजन किया गया जहां सैकड़ो जरूरतमंदों को कंपकंपाती ठंढ में राहत पहुंचाने के उद्देश्य से साल के प्रथम दिन कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस संबंध में जितेंद्र पांडेय ने जानकारी देते हुए बतलाया कि बिना किसी व्यक्तिगत उद्देश्य के इन जरूरतमंदों के बीच अपने सामर्थ्य के अनुसार

उनकी सेवा करना मेरा लक्ष्य है और मेरा प्रयास होगा कि मैं प्रत्येक वर्ष उनके दु:ख, दर्द में शामिल हो सकूं और उनकी सेवा हमेशा करता रहूं, तो वहीं उपस्थित जरूरतमंदों के अलावे समाज सेवायों ने ऐसे कार्यों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।इस अवसर पर रामकिशोर पांडेय ,सुनील पासवान, धन्जी राम, सुदर्शन पासवान ,सदरूद्दीन अंसारी, भिखारी

- सामाजिक कार्यकर्ता हरिनारायण पांडेय के पुत्र जितेंद्र पांडेय ने निजी मद से की सेवा

यादव, जगन यादव, डॉक्टर जोशी जैदी ,परशुराम महतो सहित दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। तो वही सरदार पासवान, जगदीश पासवान, चंद्रिका शाह, दरोगा भोज, पप्पू पासी समेत सैकड़ों की संख्या में जरूरतमंद लोग मौजूद रहे, जिन्हें समाज सेवी जितेंद्र पांडे के हाथों कंबल भेंट किया गया। इस कार्यक्रम से जहां समाज में एक अच्छा संदेश पहुंचाने का कार्य किया गया तो वहीं ठंड के इस मौसम में कंबल पाकर जरूरतमंदों ने उनके इस कदम की काफी प्रशंसा की और दुआओं से धन्यवाद दिया।

पांच दुर्गुण है व्यक्ति के विनाश का कारण : जीयर स्वामी जी महाराज

निज संवाददाता। बिक्रमगंज (रोहतास)

सूर्यपूरा प्रखंड के अगरेड़ गांव में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि पांच दुर्गुण मानवीय जीवन के विपत्ति और विनाश का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी बीमारी है जिससे व्यक्ति का जीवन बर्बाद हो जाता है। नशा केवल शराब या अन्य प्रकार की चीजों का सेवन करना ही नहीं होता बल्कि किसी भी प्रकार की नशा मानवीय जीवन के लिए हानिकारक है। जैसे धन का लगातार उपभोग करने का नशा भी एक बहुत बड़ी नशा है।

वही आगे दूसरा दुर्गुण हिंसा के बारे में बताते हुए कहा कि हिंसा एक बहुत बड़ा दुर्गुण है। जिससे पूरा जीवन व्यक्ति का तनाव मानसिक चेतन में अस्थिरता से जीवन को बर्बाद कर देती है। जुआ खेलना एक ऐसा दुर्गुण है जिससे लोग अपना पूरा धन संपत्ति को जुआ में बर्बाद कर देते हैं। जुआ भी एक प्रकार का नशा ही है। जिससे व्यक्ति अपने जीवन को बर्बाद कर लेता है। कुछ लोग कहते हैं कि खाली समय में टाइम पास करने के लिए खेलते हैं। लेकिन जुआ कलयुग में व्यक्ति के सर पर सवार होने वाला एक सबसे बड़ा निवास स्थान है। जिससे बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है।

चौथा दुर्गुण वेश्यावृत्ति है। विवाह शादी के बाद भी बहुत लोग अपने पत्नी को छोड़कर के और अमर्यादित तरीके से अपने जीवन को जीने लगते हैं। वेश्यावृत्ति भी व्यक्ति के विनाश का एक बड़ा कारण है। जिससे केवल एक पीढ़ी ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी भी बर्बाद होती है।

पांचवा दुर्गुण कोर्ट कचहरी के झंझट में पड़ना है। बहुत ऐसे लोग हैं जो जानबूझकर के कोर्ट कचहरी में दूसरों को परेशान करने के लिए भी चले जाते हैं। आप यदि अपने सही कामों के लिए कोर्ट कचहरी जाते हैं तब तो ठीक है लेकिन जोर जबरदस्ती दूसरे का जमीन, मकान, धन, संपत्ति कब्जा करके और कोर्ट कचहरी में जाकर के दूसरों को परेशान करते हैं यह भी एक व्यक्ति के विनाश का पांचवा बड़ा कारण है।

भाजपा नेता सह शिक्षाविद् अखिलेश कुमार ने जन्मदिन पर किया कंबल वितरण

निज संवाददाता। बिक्रमगंज (रोहतास)

दिनारा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं प्रख्यात शिक्षाविद् श्री अखिलेश कुमार ने अपने जन्मदिन के अवसर पर गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण कर मानवता और सेवा भाव का परिचय दिया। ठंड के इस मौसम में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश कुमार ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की सेवा करना ही उनके जीवन का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसरों को समाज सेवा से जोड़ना ही सच्ची खुशी देता है। कंबल वितरण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली और उन्होंने श्री अखिलेश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया।

सभी अंचल अधिकारियो (सीओ) के साथ राजस्व मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई

निज संवाददाता। सासाराम / रोहतास

जिलाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में सभी अंचल अधिकारियो (सीओ) के साथ राजस्व मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता (एडीएम) तथा राजस्व प्रभारी जफर हसन भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अंचलवार लंबित राजस्व मामलों की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रकार के लंबित मामलों का निष्पादन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब से आम जनता को परेशानी होती है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जमाबंदी सुधार, भूमि विवाद से संबंधित मामलों सहित अन्य राजस्व कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिलाधिकारी उदिता सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले, अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल स्तर के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।

सुशील मोदी जयंती पर पटना में बड़ा आयोजन राजेंद्र नगर पार्क में प्रतिमा का होगा अनावरण

निज संवाददाता। पटना

बिहार की राजनीति में लंबी भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. सुशील कुमार मोदी की जयंती 5 जनवरी को मनाई जाएगी। इस मौके पर पटना में एक बड़े समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राज्य और केंद्र स्तर के कई शीर्ष नेता शामिल होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय गुप्ता ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि सुशील मोदी की जयंती पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल, पटना में संपन्न होगा। इस आयोजन को सुशील मोदी शोध संस्थान लीड करेगी।

सीएम नीतीश कुमार समेत कई दिग्गज नेता होंगे शामिल: संजय गुप्ता ने बताया कि, जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े भी शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन स्व. सुशील मोदी के राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक योगदान को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

राजेंद्र नगर पार्क में प्रतिमा का होगा अनावरण: विधायक ने जानकारी दी कि जयंती कार्यक्रम के तहत एक और महत्वपूर्ण आयोजन किया जाएगा। राजेंद्र नगर पार्क में स्व. सुशील कुमार मोदी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। यह प्रतिमा बिहार के विकास और सुशासन की दिशा में उनके योगदान की स्थायी स्मृति के रूप में स्थापित की जा रही है।

शोध करने वाले छात्रों को मिलेगा सम्मान: कार्यक्रम की खास बात यह होगी कि उन छात्रों और शोधार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जो सुशील कुमार मोदी के जीवन, विचारधारा और बिहार के विकास में उनके योगदान पर शोध कर रहे हैं। सुशील मोदी शोध संस्थान यह पहल युवाओं को राजनीति, नीति निर्माण और सुशासन के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

- शोधार्थियों को मिलेगा सम्मान

बिहार के विकास में सुशील मोदी की अहम भूमिका: स्व. सुशील कुमार मोदी का जन्म 5 जनवरी 1952 को हुआ था। उन्होंने छात्र राजनीति से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और बाद में भाजपा के शीर्ष नेताओं में अपनी पहचान बनाई। वे बिहार के उप मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने बिहार की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने, वित्तीय अनुशासन लागू करने और विकास योजनाओं को गति देने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी सख्त छवि रही और उन्होंने कई मामलों में खुलकर आवाज उठाई। साथ ही, जीएसटी लागू करने की प्रक्रिया में भी उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

धान की रखवाली कर रहे युवक की हत्या, बदमाशों ने गला घोंटकर मार डाला, एक हाथ भी तोड़ा

घटनास्थल से मृतक का मोबाइल गायब

नालंदा। नालंदा में शुक्रवार को एक युवक की गला घोंटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना मानपुर थाना क्षेत्र के नगमा गांव का है। मृतक की पहचान नगमा गांव के रहने वाले सुखदेव प्रसाद के बेटे 38 साल के संजीत कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के चचेरे भाई अशोक कुमार ने बताया कि घर में खाना खाने के बाद रात करीब 10 बजे घर से आधा किलोमीटर दूर खलिहान में धान की रखवाली करने गया था, जिसके बाद सुबह वापस नहीं लौटा। खलिहान जाकर देखा तो उसका शव पुआल के बीच पड़ा हुआ था। परिवार का आरोप है कि संजीत कुमार की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। उनके साथ मारपीट भी किया गया है। बदमाशों ने संजीत के साथ मारपीट कर उसका बांया हाथ भी तोड़ दिया जबकि पॉकेट में रखा मोबाइल को भी गायब है। हालांकि हत्या किसने और क्यों की है, इसका पता नहीं चल सका है। संजीत चार पहिया वाहन चलाने का काम करता था एवं गांव में ही उसने पोल्ट्री फॉर्म खोल रखा था। वहीं इस मामले में मानपुर थाना अध्यक्ष अनिरुद्ध शर्मा ने बताया कि कुछ लोग ठंड लगने से जबकि कुछ लोग किसी के द्वारा हत्या किए जाने की बात कह रहे हैं। परिवार के द्वारा अज्ञात लोगों पर हत्या का आरोप लगाकर आवेदन दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही मौत के कारण का पता चल सकेगा।

नालंदा जिले में अल्पसंख्यक ऋण वसूली अभियान, 19 से 24 जनवरी तक विशेष शिविर का आयोजन

नालंदा। नालंदा जिले में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने ऋण न चुकाने वाले लाभार्थियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा फैसला लिया है। आगामी 19 से 24 जनवरी 2026 तक बिहारशरीफ स्थित जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में छह दिवसीय विशेष ऋण वसूली शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर बकायेदारों के लिए राहत का अंतिम अवसर साबित हो सकता है। विभाग की ओर से संचालित मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एनएमडीएफसी टर्म लोन और मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना के तहत जिले में सैकड़ों लोगों ने लोन लिया है। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अनेक लाभार्थी नियमित किस्तों का भुगतान नहीं कर रहे हैं। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अब किसी भी प्रकार की बहानेबाजी या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिविर में उपस्थित न होने या राशि जमा न करने वाले बकायेदारों को किसी भी स्पष्टीकरण का अवसर नहीं दिया जाएगा। ऐसे लाभार्थियों को न केवल मूल बकाया राशि बल्कि ब्याज और दंड-ब्याज भी चुकाना होगा। विभाग ने डिफॉल्टरों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की पूरी तैयारी कर ली है। जो लोग शिविर में भी अपना बकाया जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ दीवानी और फौजदारी मुकदमे दायर किए जाएंगे। इसके अलावा नीलामी की कार्रवाई भी की जा सकती है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य लोगों को सुविधा प्रदान करना है, इसलिए यह विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। लेकिन जो लोग जानबूझकर राशि नहीं लौटा रहे हैं, उनके खिलाफ विभागीय निर्देशों के अनुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मैं सभी लाभार्थियों से अपील करता हूं कि वे अप्रिय कार्रवाई से बचने के लिए इस शिविर का लाभ उठाएं।

उद्यमी संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सुनी उद्यमियों की समस्याएं

कटिहार। जिले में औद्योगिक विकास को गति देने तथा उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को बियाडा कटिहार परिसर में 'उद्यमी संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने की। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमित कुमार, नगर आयुक्त संतोष कुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र सोनाली मित्तल, उप महाप्रबंधक बियाडा, डीपीएम जीविका, श्रम अधीक्षक, कारखाना निरीक्षक, एलडीएम सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं जिले के बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उद्यमियों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को विस्तार से सुना। कटिहार उद्यमी संघ के अध्यक्ष द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में आवागमन के रास्ते, नाला व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, बियाडा परिसर की दीवार घेराव तथा असामाजिक तत्वों से संबंधित समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया।

जिलाधिकारी ने उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने यह महत्वपूर्ण घोषणा की कि अब प्रत्येक बृहस्पतिवार को दोपहर 12:00 बजे से नियमित रूप से 'उद्यमी संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य उद्यमियों को एक स्थायी मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपनी कठिनाइयाँ सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकेंगे और उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि इस कार्यक्रम से जिले में व्यापार-उद्योग के अनुकूल माहौल बनाने तथा औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। उद्यमियों ने जिलाधिकारी के इस पहल का स्वागत किया और आश्वस्त किया कि वे इस मंच का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएंगे और जिले के औद्योगिक विकास में अपना योगदान देंगे।

खिजरसराय सीएचसी में एसडीएम का औचक निरीक्षण हेल्थ मैनेजर ड्यूटी से नदारद, व्यवस्था चरमराई

निज संवाददाता। गयाजी

खिजरसराय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एसडीएम केशव आनंद अचानक औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। निरीक्षण के दौरान हेल्थ मैनेजर मुरारी प्रसाद सिंह ड्यूटी से गायब पाए गए। अस्पताल कर्मियों से पूछताछ करने पर सामने आया कि हेल्थ मैनेजर पिछले कई दिनों से नियमित रूप से ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। स्थानीय मरीजों और ग्रामीणों की ओर से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एसडीएम ने स्वयं सीएचसी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। कर्मचारियों ने बताया कि हेल्थ मैनेजर की अनुपस्थिति के कारण अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। फाइलों का निपटारा नहीं हो रहा है, स्वास्थ्य योजनाओं के भुगतान अटके हुए हैं और जिम्मेदारी लेने वाला कोई अधिकारी मौजूद नहीं है।

10 दिनों से पानी की किल्लत, मरीज और स्टाफ परेशान: निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि सीएचसी में पिछले 10 दिनों से पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। मरीजों से लेकर अस्पताल कर्मी तक पानी के लिए जूझ रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि इस समस्या की जानकारी पहले भी हेल्थ मैनेजर को दी गई थी, लेकिन कोई पहल नहीं की गई। बाद में प्रभारी डॉक्टर मीना राय के आवेदन पर एसडीएम ने पीएचईडी के जेई, एई और ईई को जल्द से जल्द पानी की समस्या दूर करने का निर्देश दिया।

प्रसव कराने वाली महिलाओं को एक साल से नहीं मिला प्रोत्साहन राशि: अस्पताल सूत्रों के अनुसार हेल्थ मैनेजर की लापरवाही का सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रसव कराने वाली महिलाओं को फरवरी

2024 से मिलने वाली 1400 की सरकारी प्रोत्साहन राशि अब तक नहीं मिली है। करीब एक साल से भुगतान लंबित रहने के कारण गरीब और जरूरतमंद महिलाएं परेशान हैं और उनमें भारी नाराजगी है।

उप-स्वास्थ्य केंद्र बंद कराने के भी आरोप: कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि खिजरसराय प्रखंड के कई उप-स्वास्थ्य केंद्रों को मनमाने ढंग से बंद कराया गया है। इससे दूर-दराज के गांवों के लोगों को इलाज के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। एक और गंभीर आरोप यह है कि हेल्थ मैनेजर के अस्पताल नहीं आने के बावजूद उपस्थिति रजिस्टर में उनकी हाजिरी नियमित रूप से दर्ज की जाती रही, जिससे फर्जी उपस्थिति का संदेह गहराता जा रहा है।

रिपोर्ट डीएम और सिविल सर्जन को भेजी जाएगी : एसडीएम केशव आनंद ने बताया कि हेल्थ मैनेजर के खिलाफ पहले से शिकायतें मिल रही थीं। औचक निरीक्षण में कई अनियमितताएं उजागर हुई हैं। पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट सिविल सर्जन और जिला पदाधिकारी को भेजी जा रही है। जांच के बाद दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक और कार की सीधी टक्कर में तीन युवक गंभीर

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के बेला-खिजरसराय सड़क मार्ग पर गुरुवार देर रात कबीरपुर गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक की सामने से आ रही एक कार से सीधी टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई और आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से तीनों घायलों को तत्काल बेलागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए गया स्थित अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान भलुआ टू गांव निवासी पीयूष कुमार और रोशन कुमार, जबकि तीसरे घायल की पहचान खनेटा गांव निवासी आकाश कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है

कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे और किसी कार्य से जा रहे थे, तभी कबीरपुर गांव के पास यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही बेलागंज थाना की पुलिस सक्रिय हुई। अपर थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल तीनों युवकों को गया रेफर किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दुर्घटना तेज रफ्तार, लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुई। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बेला-खिजरसराय मार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताई है और प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की है।

माघ मेला-2026 को लेकर गया रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा सख्त, आरपीएफ-जीआरपी ने किया संयुक्त फ्लैग मार्च

निज संवाददाता। गयाजी

माघ मेला-2026 के मद्देनजर गया रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। यात्रियों की संभावित भारी भीड़ और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए 2 जनवरी 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, रेलवे सुरक्षा विशेष बल और राजकीय रेल पुलिस की संयुक्त टीम ने स्टेशन परिसर में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार, सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म संख्या 1 से 8, फुट ओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर और पार्किंग क्षेत्र समेत सभी प्रमुख व संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया।

फ्लैग मार्च का उद्देश्य यात्रियों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और माघ मेला अवधि के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना बताया गया। सुरक्षा कर्मियों ने यात्रियों को सुरक्षित यात्रा को लेकर जागरूक किया और स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात जवानों को पूरी सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। फ्लैग मार्च के बाद स्टेशन परिसर में शांति और व्यवस्था सामान्य पाई गई। सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि माघ मेला के दौरान यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है।

स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षा कर्मियों को दें, ताकि माघ मेला-2026 के दौरान सभी यात्रियों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

पीएम आवास योजना में 30 हजार रुपए की मांग, नालंदा में वार्ड पार्षद का वीडियो वायरल

निज संवाददाता। नालंदा

प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी जनकल्याणकारी योजना में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। नालंदा जिले के हिलसा नगर परिषद में वार्ड नंबर 10 के पार्षद का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वह लाभार्थी से 30 हजार रुपए की मांग करते हुए खुलेआम धमकी देते नजर आ रहे हैं।

लाभार्थी ने लगाई न्याय की गुहार: वार्ड संख्या 10 की निवासी सुमंता देवी, जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर निर्माण की स्वीकृति मिली है। उन्होंने एसडीओ हिलसा को लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। आरोप है कि स्वीकृति मिलने के बाद वार्ड पार्षद शैलेंद्र कुमार उर्फ शैलू सिंह ने मोटी रकम की मांग की। जब वह राशि देने में असमर्थता जताई, तो पार्षद ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर काम रुकवा दिया और धमकी दी। इस घटना से पूरा परिवार दहशत में है।

काम बंद करने की धमकी: वायरल वीडियो 29 दिसंबर का बताया जा रहा है। इसमें वार्ड पार्षद साफ शब्दों में कहते सुने जा सकते हैं, 'तुम जहां तक आगे बढ़ोगे, उतनी ही दिक्कत तुम्हें झेलनी पड़ेगी। ना तुम्हें धनंजय मुख्य पार्षद बचाएगा और ना ही नगर परिषद। आराम से पैसा लाकर मेरे पास पहुंचा दो और काम करते रहो। नहीं तो काम बंद कर दो। 30,000 रुपए मैं लूंगा। वीडियो में पीड़िता गिड़गिड़ाते हुए कहती हैं कि उनके पास इतने पैसे नहीं हैं। इस पर वार्ड पार्षद का जवाब है, 'पैसा नहीं है तो काम बंद कर दो।' यह घटना सरकारी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार की गंभीर तस्वीर पेश करती है।

प्रशासन ने शुरू की जांच: हिलसा के एसडीओ अमित कुमार पटेल ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आवेदन मिला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है। आवेदन में जान से मारने की धमकी

♦ **काम बंद करने की धमकी, पीड़ित ने न्याय की लगाई गुहार**

का भी उल्लेख है, इसलिए संबंधित थाने को भी इसकी जांच का जिम्मा सौंपा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

8 फीट चौड़ी सड़क पर अतिक्रमण का आरोप: आरोपों को वार्ड पार्षद शैलेंद्र कुमार ने खारिज कर दिया है। उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए दावा किया कि यह मेरा वीडियो नहीं है। मैं सुमंता देवी के घर के पास जरूर गया था। मैंने केवल इतना कहा कि जो सड़क पर निर्माण सामग्री गिराकर काम किया जा रहा है, उसे समेट लें। 8 फीट चौड़ी सड़क पर मटेरियल गिराकर अतिक्रमण किया गया है। हालांकि, वायरल वीडियो में साफ तौर पर 30 हजार रुपए की मांग और धमकी सुनाई देती है, जो पार्षद के बयान को कमजोर करती है। अब जांच के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

नालंदा में श्रवण कुमार ने पीड़ितों को दिए चेक

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने आज बिहारशरीफ प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में विभिन्न आपदाओं में अपने परिजनों को खोने वाले तीन परिवारों को सहायता राशि के चेक दिए। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ित परिवारों का है। मंत्री ने पीड़ित परिवारों से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। हम हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तीन परिवारों को मिली आर्थिक सहायता: बिहारशरीफ प्रखंड के तेतरावां गांव में सकरी नदी के तेज बहाव में बह जाने से स्वर्गीय मिथिलेश राउत के बेटे अंकुश कुमार की मौत हो गई थी। आपदा सहायता के तहत मृतक की पत्नी रेखा देवी को चार लाख रुपए का चेक दिया गया। इसी तरह बिहारशरीफ के डुमरावा निवासी मृतक बासो मिस्त्री की आश्रित पत्नी रेखा देवी को भी चार लाख रुपए की सहायता राशि दी गई। वहीं, मानपुर थाना क्षेत्र के बेलछी शरीफ गांव में वज्रपात की चपेट में आने से बुंदेल जमादार के बेटे अंकित कुमार की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना में मृतक की पत्नी सुशीला देवी को भी चार लाख रुपए की राहत राशि का चेक सौंपा गया।

♦ **तीन परिवारों को 4 लाख रुपए मिले, मंत्री बोले- परिवारों की मदद करना सरकार की जिम्मेदारी**

इसके अलावा, दीपनगर बायपास पर हुई सड़क दुर्घटना में सुखदेव विश्वकर्मा के बेटे श्रवण कुमार की मौत हो गई थी। तात्कालिक सहायता के रूप में मृतक की पत्नी शशि देवी को 20 हजार रुपए का चेक दिया गया।

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश: मंत्री श्रवण कुमार ने इस अवसर पर अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आपदा और दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों की सहायता करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "ऐसी घटनाओं में पीड़ित परिवारों को शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें तत्काल राहत मिल सके।

कार्यक्रम में मौजूद रहे गणमान्य: इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार, अंचलाधिकारी प्रभात रंजन, नगर अध्यक्ष जदयू गुलरेज अंसारी, प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव सहित कई समाजसेवी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बिहार में राजगीर मॉडल पर खेल क्रांति की तैयारी, हर जिले में उत्कृष्टता केंद्र बनेगा

2026 के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं का खाका तैयार

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार के खेल इतिहास में साल 2025 स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। राजगीर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के उद्घाटन और हीरो एशिया कप हॉकी, एशियाई रग्बी सेवेंस जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों की सफल मेजबानी ने न केवल नालंदा जिले को वैश्विक खेल मानचित्र पर स्थापित किया, बल्कि पूरे प्रदेश में खेल संस्कृति को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। इस उपलब्धि से उत्साहित सरकार ने अब न्यू ईयर 2026 के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं का खाका तैयार कर लिया है, जिसमें ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने से लेकर बड़े पैमाने पर सरकारी नियुक्तियों तक की रूपरेखा शामिल है।

राजगीर मॉडल का विस्तार:

हर जिले में उत्कृष्टता केंद्र: खेल विभाग के सचिव महेन्द्र कुमार और निदेशक आरिफ अहसन के नेतृत्व में तैयार विजन डॉक्यूमेंट के अनुसार, राजगीर में खेलो इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की सफलता को देखते हुए अब राज्य के प्रत्येक जिले में स्थानीय लोकप्रिय खेलों के लिए विशेष उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। विभाग की वार्षिक समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ है कि 2025 में राजगीर खेल गतिविधियों का केंद्र बिंदु रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुनियादी ढांचे और विश्वस्तरीय सुविधाओं ने यह साबित कर दिया कि बिहार अब बड़े खेल आयोजनों के लिए पूरी तरह सक्षम है।

64 एकलव्य खेल केंद्रों से मिलेगी नई ऊर्जा: नए साल में खेल विभाग की प्राथमिकता में ग्रामीण इलाकों के युवा खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। इसके लिए 64 एकलव्य खेल केंद्रों को पूर्णतः क्रियाशील बनाया जाएगा। ये केंद्र गांव-गांव तक खेल सुविधाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मशाल कार्यक्रम के माध्यम से चिन्हित की गई प्रतिभाओं करीब 42 लाख बच्चों में से चुने गए होनहारों को अब व्यवस्थित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

यह पहल बिहार को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में निर्णायक साबित हो सकती है।

खेल विभाग में बंपर भर्तियों की तैयारी: खेल प्रशासन को गतिशील और प्रभावी बनाने के लिए 2026 में बड़े पैमाने पर सरकारी नियुक्तियां की जाएंगी। ये भर्तियां बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी), बिहार तकनीकी सेवा आयोग और बिहार कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से संपन्न होंगी।

पटना में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स सिटी का सपना: सात निश्चय योजना-3 के तहत राजधानी पटना में एक अत्याधुनिक स्पोर्ट्स सिटी का निर्माण इसी वर्ष प्रारंभ होगा। यह परियोजना बिहार में खेल बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाई पर ले जाएगी और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए राज्य को और अधिक सक्षम बनाएगी। सरकार का दीर्घकालिक दृष्टिकोण स्पष्ट है। विकसित भारत 2047 के अंतर्गत 2036 ओलंपिक में बिहार की प्रभावशाली उपस्थिति सुनिश्चित करना। राजगीर की सफलता इस दिशा में पहला मजबूत कदम साबित हुआ है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

जिलाधिकारी ने भू-अर्जन कामों की समीक्षा की

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के भू-अर्जन काम की समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक डीआरडीए कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, तीनों अनुमंडल पदाधिकारी, तीनों भूमि सुधार उपसमाहर्ता और सभी अंचल अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में विभिन्न विभागों की कुल 14 विकास परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन प्रक्रिया चल रही है। इन परियोजनाओं के लिए अमीनों की ओर से भूमि सर्वे का काम किया जा रहा है। हालांकि, काम की धीमी गति पर जिलाधिकारी ने चिंता व्यक्त की और स्पष्ट किया कि भू-अर्जन में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए: भू-अर्जन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अब संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भू-अर्जन मामलों की निगरानी और अनुश्रवण स्वयं करेंगे। इससे काम में पारदर्शिता आएगी और समय पर निष्पादन सुनिश्चित हो सकेगा। बैठक के दौरान एनएच-133, एकचारी–महगामा पथ, पीरपैंती थर्मल पावर परियोजना, कटारिया–विक्रमशिला रेल लाइन, गोराडीह औद्योगिक क्षेत्र, बधुआ जलाशय योजना, अंतर्राज्यीय बस स्टैंड, गंगा पथ परियोजना और ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट परियोजना सहित अन्य योजनाओं के लिए आवश्यक भूमि के भू-अर्जन की परियोजनावार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

♦ विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के दिए निर्देश, कहा- ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी

सर्वे काम को पूरा करने का आदेश: जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आने वाले 5 से 6 दिनों के अंदर सभी भू-धारकों का सर्वे काम अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए। सर्वे के दौरान प्रत्येक भू-धारी का जमाबंदी नंबर, खाता संख्या, खेसरा संख्या सहित विस्तृत विवरण संकलित करते हुए परियोजनावार प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए, ताकि भू-अर्जन प्रक्रिया को गति मिल सके और विकास काम में अनावश्यक देरी न हो।

शीतलहर से जनजीवन को प्रभावित

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में पिछले 10 दिनों से जारी शीतलहर ने आम जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। मौसम विभाग ने घने कोहरे और कोल्ड डे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कड़ाके की ठंड, सर्द हवाओं और गिरते तापमान के कारण फल बाजारों में रौनक गायब हो गई है। ग्राहकों की कमी से स्टॉल सूने पड़े हैं, जिससे व्यवसायियों में चिंता बढ़ गई है। शीतलहर के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं, जिसका सीधा असर फलों की बिक्री पर दिख रहा है। व्यवसायियों के अनुसार, ठंड में पहले भी बिक्री कम होती थी, लेकिन इस बार स्थिति बहुत खराब है। बाजार में ग्राहक न के बराबर आ रहे हैं। सेब, केला, अंगूर और संतरा जैसे फल स्टॉलों पर सजे हैं, लेकिन उनके खरीदार नहीं मिल रहे।

बिक्री नहीं होने से रोजाना हो रहा आर्थिक नुकसान: फल व्यवसायी दीपक कुमार साह ने बताया कि कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पहले रोजाना अच्छी बिक्री होती थी, लेकिन अब 100 रुपए भी कमाना मुश्किल है। दिनभर दुकान पर बैठने के बाद भी खाली हाथ घर लौटना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि फल जल्दी खराब हो जाते हैं। ज्यादा दिन रहने से फल सड़ने लगते हैं। जिससे रोजाना आर्थिक नुकसान हो रहा है। व्यवसायियों का कहना है कि प्रतिदिन मंडी से महंगे दामों पर फल खरीदते हैं। किराया, मजदूरी और दुकान का खर्च निकालना अब एक बड़ी चुनौती बन गया है। कई छोटे फल विक्रेता कर्ज लेकर अपना कारोबार चलाते हैं, लेकिन बिक्री ठप होने से कर्ज चुकाने की चिंता सता रही है। कुछ व्यवसायियों ने नुकसान कम करने के लिए फलों की खरीद कम कर दी है, लेकिन इससे भी उनकी आय प्रभावित हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

बोलेरो की टक्कर से किशोर की मौत

बांका। बांका टाउन थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में उसका चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा नव वर्ष के अवसर पर ओढ़नी डैम पिकनिक स्पॉट से लौटते समय खावा गांव के पास हुआ। मृतक की पहचान कटोरिया थाना क्षेत्र के लीलावरण गांव निवासी 16 वर्षीय विशाल कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल की पहचान 17 वर्षीय जितेंद्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजा लगते थे। दोनों किशोर बाइक से नव वर्ष पर ओढ़नी डेम पिकनिक मनाने और वोटिंग करने के लिए गए हुए थे।

तेज रफ्तार बोलेरो ने मारी टक्कर: पुलिस के अनुसार नव वर्ष का जश्न मनाकर देर शाम घर लौटते समय ओढ़नी डैम के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने विशाल की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में विशाल कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि जितेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

घायल का अस्पताल में चल रहा इलाज: घायल जितेंद्र कुमार को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर बांका टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अनियंत्रित होकर पलटी बाइक, वृद्ध की मौत

बांका। बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डुबोनी मोड़ पर गुरुवार शाम बाइक दुर्घटना में एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि बाइक पर सवार दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मृतक की पहचान महुआ गांव निवासी 56 वर्षीय शंकर यादव के रूप में हुई है। शंकर यादव किसी परिचित के साथ बाइक से श्रद्धा भोज में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान डुबोनी मोड़ के पास अचानक बाइक बेकाबू हो गई और सड़क पर पलट गई। जिसमें एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक शंकर यादव की हालत गंभीर हो चुकी थी।

सरल स्वभाव के व्यक्ति थे शंकर: स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें संभालने का प्रयास किया गया, पर कुछ ही देर बाद उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। शंकर यादव अपने पीछे एक बेटे और चार पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार में शोक व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि शंकर यादव सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। घटना की सूचना मिलने पर अमरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से कारण का चलेगा पता: अमरपुर थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

नशे का सामान ट्रेन से उतारने रेलवे पटरी किनारे घूम रहे दो अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर। सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के रेलवे ट्रैक किनारे आदर्श नगर कॉलोनी से दो अपराधियों को हथियार, गोली और बम के साथ गिरफ्तार किया गया है। इंस्पेक्टर मृत्युंजय कुमार और उनकी टीम ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई की है। पुलिस ने पहले रानू कुमार मंडल को वहां से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर उसके घर से 2 जिंदा बम, एक देसी पिस्टल, 16 जिंदा कारतूस, 2 मैगजीन और 1080 टैबलेट नाइट्राजेनपाम एवं कोडिन फोसफेट कफ सिरप 155 बोतल 100 एमएल का बरामद हुआ। साथ ही उसके घर से 2 लाख 71 हजार 700 रुपए नगद भी मिला। सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने गुरुवार को इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन खतरनाक था, अपराधी लोडेड पिस्टल के साथ घूम रहे थे, जिसमें एक मैगजीन में 6 गोली लगती है। वह अपने साथ कुल 16 कारतूस लेकर चल रहा था। एसपी ने बताया कि इस गैंग का एक और साथी कालीचरण है, जो किऊल रेलखंड में इन लोगों के साथ मिलकर अपराध करता है। जीआरपी से भी मदद ली जाएगी, साथ ही ड्रग इंस्पेक्टरों को भी लगाया जाएगा कि इसके तार कहां-कहां से जुड़े हैं। ड्रग इंस्पेक्टर से उन दवाइयों की जांच करवाई जाएगी कि नकली है या असली। इसके अलावा इस गिरोह के और कौन-कौन सदस्य हैं, उसकी भी गिरफ्तारी की जाएगी। एक कोरेक्स 200 रुपए और एक टैबलेट 15 रुपए में बेचता था। अपराधियों ने पुलिस को बताया कि एक कोरेक्स व एक टैबलेट खाने पर फुल नशा हो जाता है। इसमें लाभ यह होता है कि ब्रेथ एनालाइजर से पकड़ में भी नहीं आता है कि वह व्यक्ति नशे में है या नहीं। बाजार में एक पत्ता टैबलेट की कीमत 45 रुपए है। काले कारोबार से खरीदी जमीन रेलवे पटरी के पास अपराधी का घर है, वह ट्रेन से शराब व अन्य नशे का सामान आने पर वहीं पर उतारकर अपने घर ले जाकर रखता था। इसी मंशा से बुधवार रात भी वह घूम रहा था। रानू ने हाल में एक जमीन का एग्रीमेंट करवाया था। इसमें दो लाख और एक लाख रुपए दो बार ऑनलाइन पेमेंट भी किया था। उसने अपने घर के छत पर बने एक कमरे में दो जिंदा बम रखा था। बम का इस्तेमाल आमतौर पर रेल डकैती या छिनतई के दौरान दहशत फैलाने के लिए करता था।

किशनगंज में तैनात एसएसबी हवलदार की सैंडिस कंपाउंड में हाईजंप से मौत

भागलपुर। सैंडिस कंपाउंड में नए साल का जश्न मनाने अपने परिवार के साथ गए एसएसबी के हवलदार जवाहरलाल शर्मा (48) की मौत हो गयी। वह अपने दो बच्चों को साथ लेकर यहां आए थे, इस दौरान वह हाई जंप करने लगे, जिसमें वह गद्दे के बाहर गिर गए। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लगी और बेहोश हो गए। तत्काल सदर अस्पताल उन्हें लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वर्तमान में उन्होंने शहर के अलीगंज में अपना मकान बनाया था, जहां उनका परिवार रह रहा था। उनकी किशनगंज में पोस्टिंग थी, छुट्टी में बच्चों के साथ समय बिताने घर आए थे। सारण छपरा जिला बल में तैनात छोटे भाई राजेश कुमार ने बताया कि 2005 में इनकी नौकरी लगी थी। इन्हें एक पुत्र व एक पुत्री है। सुल्तानगंज नगर परिषद वार्ड -27 में भी इन्होंने अपना घर बनाया था। इनके माता-पिता यहीं रहते हैं। पांच भाई में सबसे बड़े थे। उनके दो और भाई जिला बल में हैं। हालांकि ये लोग पुराना निवासी अमरी विशनपुर,थाना बिहपुर के रहने वाले हैं। घटना के बाद से परिवार वाले स्तब्ध हैं कि यह कैसे हो गया। पत्नी संगीता देर रात तक सदर अस्पताल में ही अपने पति के शव के पास बैठी थी। बता दें कि सैंडिस कंपाउंड में पुलिस व सेना की तैयारी करवाने वाले कई प्राइवेट इंस्टीच्यूट वाले हाई जंप से लेकर अन्य शारीरिक व्यायाम करवाते हैं। ऐसे में अब सवाल यह है कि अगर सुरक्षा की व्यवस्था वहां पूरी नहीं है तो तैयारी करनेवाले छात्रों के साथ भी हादसे हो सकते हैं।

एबीवीपी की नई प्रांतीय इकाई का स्वागत

भागलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दक्षिण बिहार प्रांत का चार दिवसीय अधिवेशन 28 से 31 दिसंबर तक हुआ। जिसके बाद नई प्रांतीय इकाई की घोषणा हुई, जिसमें भागलपुर के कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। घोषित नई कार्यकारिणी में कुणाल पांडेय को प्रांत सह मंत्री और नीरज कुमार को सोशल मीडिया सह संयोजक नियुक्त किया गया है। किशन सोनी, हर्ष मिश्रा, ऋषि महतो, अंकित आनंद, राजा यादव, मुक्ता सिंह एवं अंजलि झा को प्रांत कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। अधिवेशन से वापस आने के बाद गुरुवार को नगर मंत्री पीयूष भारती के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का माल्यार्पण कर भव्य अभिनंदन किया गया। आदित्य राज, गौरव चौरसिया और आनंद कुमार समेत अन्य ने सभी को बधाई दी।

ठंड को लेकर प्रशासन अलर्ट

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में लगातार बढ़ रही ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। ठंड से प्रभावित गरीब, असहाय और बेघर लोगों के बीच शुक्रवार को DM नवल किशोर चौधरी के नेतृत्व में DRDA परिसर में जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटा गया। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन के टीम मौके पर मौजूद रहे और स्वयं व्यवस्था की निगरानी की। डीएम नवल किशोर चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड से प्रभावित न रहे और चिह्नित स्थलों पर सहायता पहुंचाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शीतलहर के दौरान गरीब और बेसहारा लोगों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौके पर DDC समेत अन्य वरीय प्रशासनिक अधिकारी, नगर निगम के प्रतिनिधि और संबंधित विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत और संतोष साफ झलक रहा था।

जिले में अलाव की व्यवस्था हुई: डीएम चौधरी ने बताया कि मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट को देखते हुए जिले में अलाव की व्यवस्था, रैन बसेरों, रात के समय विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम और सामाजिक संस्थाओं की मदद से लगातार राहत काम चलाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग को भी सतर्क रहने को कहा गया है, ताकि ठंड से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित लोगों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। नवल किशोर चौधरी ने कहा कि सरकार की योजनाओं से जरूरतमंदों को हम लोग जोड़ रहे हैं, ताकि उन्हें किसी पर डिपेंड रहने की जरूरत नहीं रहे।। आज बता दें कि भागलपुर में सुबह 9 बजे तक विजिबिलिटी 10 से भी काम रही, दोपहर होते ही धूप हो गई। जिसके कारण लोगों ने राहत की सांस ली। नई साल की शुरुआत ठंड और कनकनी के साथ शुरू हुई।

5 जनवरी तक 8 वीं तक के स्कूल बंद

निज संवाददाता। बेगूसराय

♦ घना कोहरा और शीतलहर से बढ़ी परेशानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त, न्यूनतम तापमान 9°C

बेगूसराय में सर्दी का सितम जारी है। शीतलहर के चलते ठिठुरन बढ़ गई है। पिछले 24 घंटे में न्यूतम तापमान 9 डिग्री के करीब पहुंच गया है। शुक्रवार को सुबह से ही ग्रामीण और शहरी इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। धूप नहीं निकलने से परेशानी बढ़ गई है। ठंड के चलते आठवीं तक के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 5 जनवरी तक बंद कर दिया गया है। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड के कारण कम तापमान की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत जिले के प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र सहित कक्षा 8वीं तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर 5 जनवरी तक प्रतिबंधित रखने का निर्देश दिया है।

आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देश: 8वीं से ऊपर की कक्षाओं का संचालन विशेष सावधानी के साथ सुबह 10:00 बजे से 04:30 बजे तक करने का निर्देश दिया है। प्री-बोर्ड एवं बोर्ड परीक्षाओं के लिए संचालित विशेष कक्षाओं अथवा परीक्षाओं को इस आदेश के दायरे से मुक्त रखा गया है। सभी आंगनबाड़ी केंद्र में दोपहर 12:00 बजे से 02:00 बजे के बीच केवल बच्चों को पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विद्यालय प्रबंधन समितियों को निर्देश दिया गया है कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अपनी शैक्षणिक गतिविधियों का पुनर्निर्धारण करें।

चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था: मेयर पिंकी देवी ने बताया कि ठंड का कहर लगातार बढ़ रहा है। इसलिए निगम क्षेत्र के सभी प्रमुख जगहों पर अलाव की व्यवस्था कर दी गई है। लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। इधर, विभिन्न संगठन, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से गरीबों के बीच कंबल का भी वितरण किया जा रहा है।

15 फरवरी तक संपत्ति विवरण ऑनलाइन जमा करें

निज संवाददाता। बांका

♦ नहीं देने पर रुकेगा सैलरी, विभाग की ओर से होगी कार्रवाई

बांका में सभी क, ख और ग वर्ग के अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी चल-अचल संपत्ति तथा आय के स्रोतों का विवरण 15 फरवरी तक ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर विवरण जमा न करने पर फरवरी माह का वेतन रोक दिया जाएगा। यह निर्देश भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

संपत्ति, आय के स्रोतों और दायित्वों का विस्तृत विवरण दर्ज करना होगा: ट्रेजरी विभाग ने इस प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन बनाया है। अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट पर अपनी संपत्ति, आय के स्रोतों और दायित्वों का विस्तृत विवरण दर्ज करना होगा। प्रशासन का मानना है कि ऑनलाइन प्रणाली से डेटा सुरक्षित रहेगा और सूचनाओं की जांच व मूल्यांकन में आसानी होगी।

13 हजार अधिकारी और कर्मचारी इस निर्देश के दायरे में: जिला आईटी मैनेजर प्रमोद कुमार चौधरी ने बताया कि जिले में लगभग 13 हजार अधिकारी और कर्मचारी इस निर्देश के दायरे में आते हैं। इनमें करीब 1500 पुलिसकर्मी और 8 हजार शिक्षा विभाग के कर्मी शामिल हैं। हालांकि, अब तक केवल एक हजार अधिकारियों और कर्मचारियों ने ही ऑनलाइन पंजीकरण कराया है, जो चिंता का विषय है।

हर हाल में तय समय सीमा के भीतर संपत्ति का विवरण देना होगा: बांका जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला ने इस मामले पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हर हाल में तय समय सीमा के भीतर संपत्ति का विवरण देना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि विवरण जमा न करने वाले कर्मियों का वेतन रोका जाएगा और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

31 मार्च तक यह जानकारी संबंधित विभागों की वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी जाएगी: सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार, 15 फरवरी तक प्राप्त चल-अचल संपत्तियों और दायित्वों का विवरण ही सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। इसके बाद 31 मार्च तक यह जानकारी संबंधित विभागों की वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी जाएगी। इससे आम नागरिक सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की संपत्ति का विवरण देख सकेंगे और यह जांच सकेंगे कि क्या यह उनकी घोषित आय के अनुरूप है। प्रशासन का कहना है कि यह पहल केवल औपचारिकता नहीं,बल्कि आय और संपत्ति के बीच सामंजस्य की जांच की दिशा में एक अहम कदम है।

दबंगों ने रोका रास्ता, 3 दिन घर में पड़ा रहा शव

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर के बरियारपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर भेलवा गांव में एक वृद्ध महिला का शव तीन दिनों तक घर में पड़ा रहा। गांव के दबंगों ने मृतक के घर तक जाने वाले रास्ते को कंटीले तारों से बंद कर दिया था, जिससे परिजन शव का अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे थे। मीडिया में मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया।

वृद्ध महिला की मृत्यु के बाद घर तक पहुंचने का रास्ता किया बंद: यह घटना करहरिया पूर्वी पंचायत के रघुनाथपुर भेलवा गांव की है, जहां दबंगों की दबंगई ने मानवता को शर्मसार कर दिया। वृद्ध महिला की मृत्यु के बाद उसके घर तक पहुंचने का रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया था। परिजनों के लिए शव को दाह संस्कार के लिए ले जाना असंभव हो गया था। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

30 सालों से रह रहे, रास्ते को लेकर पहले भी हुआ था विवाद: पीड़ित परिवार के अरविंद शर्मा और ग्रामीणों जैसे अरुण मंडल, संजू देवी, पुष्पा देवी, अरुला देवी, मंगली देवी और सुरेश मंडल ने बताया कि गंगा कटाव के बाद वे तौफिर दियारा से आकर यहां बसे थे। वे लगभग 30 वर्षों से इस स्थान पर रह रहे हैं और पहले कभी रास्ते को लेकर कोई विवाद नहीं था। ग्रामीणों के अनुसार, लगभग एक वर्ष पूर्व कुछ लोगों ने जबरन इस रास्ते को बंद कर दिया था। इस मामले में मृतका के परिजनों और ग्रामीणों ने मुखिया से लेकर स्थानीय थाना, अंचल अधिकारी (CO) और अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) तक गुहार लगाई थी, लेकिन कहीं से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने अतिक्रमण हटवाया, रास्ता साफ कराया: मीडिया में खबर आने के बाद प्रशासन हरकत में आया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने अतिक्रमण हटवाया और रास्ता साफ कराया। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा सका, जिससे तीन दिनों से रुका हुआ अंतिम संस्कार संपन्न हो पाया। वहीं मामले की जानकारी मिलने पर मीडिया की टीम मौके पर पहुंची और पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों ने मुंगेर जिले के एसपी सैयद इमरान मसूद एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक को पूरे मामले से अवगत कराया।

शव को दाह संस्कार के लिए ले जाने को रास्ता कराया बहाल: इसके बाद प्रशासन हरकत में आया। सूचना मिलते ही बरियारपुर थाना की पुलिस और बरियारपुर अंचल अधिकारी मौके पर पहुंचे, कंटीले तार हटवाकर अतिक्रमण खाली कराया गया और शव को दाह संस्कार के लिए ले जाने का रास्ता बहाल किया गया। इसके बाद परिजनों ने राहत की सांस ली।इसके बाद मौके पर ही ग्रामीणों ने पत्रकारों का आभार जताते हुए कहा कि, यदि मीडिया समय पर पहल नहीं करता, तो शायद शव और अधिक समय तक घर में ही पड़ा रहता। यह घटना एक बार फिर दिखाती है कि, प्रशासनिक उदासीनता के बीच कई बार मीडिया ही पीड़ितों की आखिरी उम्मीद बनकर सामने आता है। क्या कहते हैं पदाधिकारी बरियापुर थानाध्यक्ष अमरेश कुमार ने फोन पर बताया कि रघुनाथपुर भेलवा गांव में तिन दिनों से शव रखें जाने की सुचना जैसे ही प्राप्त हुई वैसे ही अंचलाधिकारी के साथ पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर अतिक्रमण किए गए रास्ते को खाली करवाया गया।

अनुराधा रॉय बनीं मिसेज बिहार

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर के असरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अनुश्रवण मूल्यांकन सहायक पद पर कार्यरत अनुराधा रॉय ने 'फॉरएवर मिसेज इंडिया सीजन-5' (वर्ष 2025) प्रतियोगिता में 'मिसेज बिहार' का खिताब जीता है। यह प्रतियोगिता राजस्थान के जयपुर में आयोजित की गई थी।

अनुराधा रॉय ने किया बिहार का प्रतिनिधित्व: यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 19 से 21 दिसंबर तक चली, जिसमें बिहार सहित विभिन्न राज्यों से लगभग 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अनुराधा रॉय ने इस मंच पर बिहार का प्रतिनिधित्व किया। अनुराधा रॉय ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना मॉडलिंग और रैम्प वॉक के क्षेत्र में पहचान बनाना था। हालांकि, जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण वे लंबे समय तक अपने इस सपने को पूरा नहीं कर पाईं। 22 वर्ष की आयु में उनकी शादी जमशेदपुर में हुई, लेकिन पारिवारिक समस्याओं के चलते उन्हें तीन माह की बेटी के साथ मायके मुंगेर लौटना पड़ा।

2014 में स्वास्थ्य विभाग में मिली डाटा ऑपरेटर की नौकरी: मुंगेर लौटने के बाद उन्होंने माता-पिता के सहयोग से जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया। वर्ष 2014 में उन्हें स्वास्थ्य विभाग, जमालपुर में डाटा ऑपरेटर की नौकरी मिली, जो कुछ वर्षों बाद छूट गई। इसके बावजूद उन्होंने प्रयास जारी रखे और वर्ष 2019 में असरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अनुश्रवण मूल्यांकन सहायक के पद पर नियुक्त हुईं। नौकरी के साथ ही उन्होंने अपने बचपन के सपने को साकार करने के लिए तैयारी शुरू कर दी।

बेटी बोली- मां की उपलब्धि पर गर्व महसूस हो रहा: उन्होंने बताया कि जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक चयन के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। आत्मविश्वास, निरंतर अभ्यास और परिवार के सहयोग से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उनकी दस वर्षीय बेटी सानवी पांचवीं कक्षा में पढ़ती है और अपनी मां की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करती है। अनुराधा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के त्याग और सहयोग को दिया। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि विपरीत परिस्थितियों में घबराने के बजाय आत्मविश्वास और धैर्य बनाए रखें, क्योंकि सच्ची लगन और मेहनत से हर सपना पूरा किया जा सकता है। अनुराधा की मां मंजू देवी ने कहा कि बेटी की इस उपलब्धि से पूरा परिवार गर्वित है।उन्होंने बताया कि अनुराधा ने कठिन हालात में भी हिम्मत नहीं हारी और अपनी मेहनत से यह सम्मान हासिल किया। वहीं, बेटी सानवी ने कहा कि नानी के सहयोग से मां ने हर चुनौती का सामना किया और आज यह अवार्ड जीतकर परिवार का नाम रोशन किया। उल्लेखनीय है कि अनुराधा रॉय की शिक्षा मुंगेर में हुई है। उनके पिता अनिल कुमार रॉय भारतीय खाद्य निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। अनुराधा वर्तमान में अपने माता-पिता और बेटी के साथ कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत शीतला मंदिर के पास रहती हैं। उनकी शादी वर्ष 2012 में हुई थी और वर्तमान में उनका तलाक हो चुका है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

बंगाल में एसआईआर को लेकर बढ़ा विवाद

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से सवालों का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह देश के अन्य राज्यों में भी नए-नए रूप में सामने आ रहा है। कभी इस प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के दबाव का मुद्दा उठाया जाता है, तो कभी लाखों लोगों के मसविदा सूची से बाहर हो जाने को लेकर आशंकाओं का नगाड़ा पीटा जा रहा है।पश्चिम बंगाल में तो अब एक नई समस्या सामने आई है, जिसे चुनाव आयोग ने खुद स्वीकार करते हुए सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया है। आयोग का कहना है कि राज्य में वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है।इससे स्पष्ट है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया खामियों से रहित नहीं है। मगर, सवाल है कि इस तरह की व्यवस्थागत चूक से मतदाताओं को जो नाहक ही मानसिक और अन्य तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं, उनकी भरपाई कैसे हो पाएगी? गौरतलब है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिहार से शुरू हुई थी। तब चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेजों में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था।आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेजों में शामिल कर दिया गया। इसके बावजूद बिहार में लाखों की संख्या में लोग मतदाता सूची से बाहर रह गए। यह सवाल अब दूसरे राज्यों में भी उठ रहा है, क्योंकि वहां भी बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम मसविदा सूची से हटाए गए हैं।हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से अंतिम सूची तैयार करने से पहले पात्र लोगों को अपना नाम जुड़वाने के लिए अवसर दिए जाएंगे, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिहार की तरह दूसरे राज्यों में भी लाखों लोग सूची से बाहर रह सकते हैं। इसमें एक सवाल आयोग की विश्वसनीयता को लेकर भी उठ रहा है, जिस कारण पश्चिम बंगाल में तो सत्तारूढ़ दल ने अपने स्तर पर मतदाताओं की पात्रता को सत्यापित करने की मुहिम शुरू कर दी है।

पूर्वोत्तर राज्यों में जबरदस्त गुस्सा, बनना चाहिए नस्लभेदी कानून

मैं भारतीय हूं... देहरादून में दम तोड़ने वाले त्रिपुरा के एंजेल चकमा के ये आखिरी शब्द हर भारतीय को झकझोरने वाले होने चाहिए। अपनी पहचान से संघर्ष करते हुए एक युवा को जान देनी पड़ी। यह शर्मनाक है कि देश के भीतर देश के ही कुछ हिस्सों के लोगों की भारतीयता पर बार-बार सवाल उठाए जाते हैं।आपत्तिजनक कमेंट । 24 साल के एंजेल पिछले एक साल से देहरादून में रहकर एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। 9 दिसंबर को वह अपने भाई माइकल के साथ कुछ सामान लेने निकले थे, जब कुछ लड़कों ने उन पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए। एंजेल ने जब विरोध किया कि 'हम चीनी नहीं हैं', तो आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस शुक्रवार को एंजेल ने दम तोड़ दिया, जबकि माइकल की हालत गंभीर है। 6 में से 5 आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं। इस घटना से त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों में जबरदस्त गुस्सा है, और यह जायज भी है। अमेरिका, यूरोप या ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी अपराध होने पर जो देश विरोध जताता है, उसके भीतर ही कुछ तबकों में इतनी गहरी और खतरनाक नस्लीय सोच मौजूद है। इनके निशाने पर बार-बार पूर्वोत्तर के लोग आते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च ने 2021 में एक स्टडी के नतीजे जारी किए थे। तब सर्वे में शामिल पूर्वोत्तर के 78 प्रतिशत लोगों का मानना था कि उन्हें उनके चेहरे-मोहरे के कारण निशाना बनाया जाता है। यह बताता है कि लोगों में अपने ही देश के बारे में कितनी कम जागरूकता है। दूसरी बात, पूर्वोत्तर के लोगों को देश के कई हिस्सों में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसी हर घटना के बाद कड़ी कार्रवाई की बात की जाती है, लेकिन सवाल है कि क्या उनसे कोई सबक लिया जा रहा? 2014 में दिल्ली में अरुणाचल के छात्र नीडो टानिया को इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई।

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु विद्या भारती, शिक्षा भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की। यह समस्त संगठन आज शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति के संस्कारों को भारतीय युवाओं के बीच ले जाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहे हैं। 1952 में गोरखपुर में प्रारंभ हुए प्रथम विद्यालय के साथ विद्या भारती वर्तमान में 12,830 औपचारिक विद्यालय तथा 11,350 अनौपचारिक केंद्र के साथ कुल 24,180 प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा स्तर पर संचालित करती है जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या लगभग 34,48,000 तथा शिक्षकों की संख्या 150,000 है।

सनातन संस्कृति, भारत एवं संघ के विरुद्ध गढ़े जा रहे हैं झूठे विमर्श

(प्रह्लाद सबनानी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। भारत आज विश्व के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य को बदलने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पश्चिमी देशों के वर्चस्व को पूर्वी देशों से चुनौती मिल रही है, जिसका नेतृत्व भारत करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए, अमेरिका के कुछ विघ्नसंतोषी संस्थानों सहित कुछ विकसित देश सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निराधार आरोप लगाकर झूठे विमर्श गढ़ने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की समस्या यह है कि वे केवल अपनी आधी अधूरी जानकारी को ही पूर्ण जानकारी मानते हुए अपने विचार तय करते हैं। जबकि, उनके विचार स्पष्टत~ सत्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णत~ गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णत~ उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णत~ अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णत~ पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तानी सेना के पूरे कश्मीर पर कब्जे को विफल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया। दादरा, नगर हवेली और गोवा को मुक्त कराते हुए भारत में विलय में भी संघ के स्वयसेवकों की प्रमुख भूमिका रही थी। 21 जुलाई 1954 को दादरा को पुर्तगालियों से मुक्त कराया गया था, 28 जुलाई 1954 को नरोली और फिपारिया को मुक्त कराया गया और फिर राजधानी सिलवासा को मुक्त कराया गया था। संघ के स्वयसेवकों ने 2 अगस्त 1954 की सुबह पुर्तगाल का झंडा उतारकर भारत का तिरंगा फहराया था एवं दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराकर भारत सरकार को सौंप दिया था। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया था अतः वर्ष 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने श्री जगन्नाथ राव जोशी जी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर गोवा मुक्ति आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसके परिणामस्वरूप जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कई कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा सुनाई गई। हालत बिगड़ते देख अंततः भारतीय सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और वर्ष 1961 में गोवा को आजादी प्राप्त हुई। इसी प्रकार वर्ष 1962 में भी चीन के साथ भारत के युद्ध के समय संघ के स्वयसेवकों ने भारतीय सेना की भरपूर मदद की थी। संघ के स्वयंसेवक पूरे उत्साह के साथ सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे। स्वयंसेवकों ने सरकारी कार्यों में और विशेष रूप से जवानों की मदद में पूरी ताकत लगा दी थी। सैनिक आवाजाही मार्गों की चौकसी, प्रशासन की मदद, रसद और आपूर्ति में मदद और यहां तक कि शहीदों के परिवारों की चिंता भी संघ के स्वयसेवकों ने की थी। संघ के इस महान योगदान को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरु ने भी पहचाना था और 26 जनवरी 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण दिया था। गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए महीनों की तैयारी की जाती है परंतु केवल 2 दिन पहिले मिले निमंत्रण पर संघ के 3,500 स्वयंसेवक गणवेश में गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए थे। वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता की आवश्यकता पड़ी थी। आपने देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने और विशेष रूप से दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनुरोध किया था ताकि इन कार्यों में व्यस्त पुलिसकर्मियों का भारतीय सेना की मदद में उपयोग किया जा सके। युद्ध के इस कठिन समय में घायल जवानों को सबसे पहिले रक्तदान देने में भी संघ के स्वयंसेवक ही सबसे आगे रहे थे।

नया वर्ष: आत्ममंथन, संकल्प और मोदी सरकार की अग्नि-परीक्षा

(डॉ. ब्रह्मानंद राजपूत)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। नया साल एक नए सवेरे की तरह है, जो हर वर्ष एक बार आता है और अपने साथ नई शुरुआत की संभावनाएं लेकर आता है। समय के साथ वह अपने चरम पर पहुंचता है और फिर धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यही क्रम एक निरंतर अनुभव है, जिसे इस संसार का प्रत्येक व्यक्ति अनुभव करता है। यह निरंतरता ही प्रकृति और जीवन का परम सत्य है। नए वर्ष की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को पिछले साल के निरंतर प्रवाह और अनुभवों से सीख लेकर अच्छे कार्यों से करनी चाहिए। यह समय आत्मचिंतन का होता है, जब हमें अपने अच्छे-बुरे कार्यों का मूल्यांकन कर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। नए साल की शुरुआत सद्कर्मों, सकारात्मक सोच और स्पष्ट दिशा के साथ करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिये बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ.साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिये योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिये नये लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नये साल की शुरुआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिये नये लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके। यदि व्यक्ति अपने जीवन के आरंभ में ही अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, तो सफलता की दिशा स्वतः स्पष्ट हो जाती है। लक्ष्य हमें अनुशासन, परिश्रम और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को नए वर्ष की शुरुआत में वर्ष भर के लिए कुछ स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, ताकि आने वाले समय में वह अपने लक्ष्य के लिए किए गए सत्कर्मों और प्रयासों के माध्यम से निरंतर विकास करता हुआ अपने जीवन के चरम और शिखर तक पहुँच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते वर्षों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, साथ-साथ अनेक सफलताएँ भी पायी हैं। इन सफलताओं और उपलब्धियों में मोदी सरकार को अपनी गलतियों और कमियों पर पर्दा नहीं डालना चाहिए। बल्कि अपनी गलतियों और कमियों का मूल्यांकन करके भावी वर्ष के लिये रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि गलतियों और कमियों को सुधारकर अवसरों में बदला जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। 2026 में देश के 4 राज्यों- असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल तथा 1 केंद्र शासित प्रदेश- पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में भाजपा के सामने केवल प्रचार का ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की भी चुनौती होगी। इसी क्रम में (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चुनावी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5962

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5961

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

वर्ग पहेली 5962

1	2	3			4	5	6
7			■	■	8		
	■	9		10		■	■
11	12		■		■	13	
14		■	15		16		
17				■	18		
	■	■	19		■		■
20				■	21		

संकेत: बाएं से दाएं

1. 9 मई 1966 को इस पसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी का जन्म हुआ था इन्हें महात्मा गांधी अपना राजनीतिक गुरू मानते थे (8)
7. भंडारघर, आला, संग्रहालय (3)
8. पतनकर्ता, आचार (3)
9. निम्न कुल, अकुलीन, कुलहीन (4)
11. विशाल, बड़ा, इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने तिहरी भूमिका निभाई थी (3)
13. यह ऑस्टेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है (2)
14. पुरूष, मर्द (2)
15. प्रगतिकर्ता, उन्नतिशील (2)
17. प्राचीनकाल से आता हुआ, परंपरागत (4)
18. भोजन आदि के लिए दिया गया निमंत्रण (3)
19. जो भाग्य में लिखा हो, जो दांव पर लगा हो (2)
20. ब्राह्मणों की दृष्टि से वह व्यक्ति जो उससे अपने धार्मिक कृत्य करवाता हो, यज्ञ कराने वाला (4)
21. ख्याति प्राप्त, जिसका यश हो (3)

ऊपर से नीचे

1. गोधुलि बेला, आरंभिक सांयकाल (8)
2. पालने वाला, फलों के पकाने की विधि (2)
3. अनियमित, अनित्य, बेतरतीबी (4)
4. नाथूराम गोडसे के छोटे भाई (सिर्फ आरंभिक नाम) जिन्हें महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास मिला था (3)
5. पत्र, चिट्ठी (2)
6. झील को अंग्रेजी में यह कहत है (2)
10. तीक्ष्ण, तेज (3)
12. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
13. भरण-पोषण, सहायता करने का भाव या क्रिया (5)
15. खटपट, उनाठनी, वैमनस्य (4)
16. हमेशा, प्रतिध्वनि, फकीर की आवाज (2)

वर्ग पहेली 5961 का हल

गु	ज	रा	त	■	म	ना	ली
ल	य	का	री	■	द	ला	ल
द	■	■	का	न	न	■	ना
स्ता	व	क	■	का	मो	द	■
■	त	ल	■	र	ह	मा	न
सो	नी	■	यू	ना	न	■	क्ष
च	■	मु	नि	■	■	प	त्र
ना	ती	■	ट	प	क	ना	■

आज का राशिफल

मेष
आज नया साल अपने परिवार के बीच किसी धार्मिक स्थल पर जाने के योग हैं। आज आपके अंदर खूब सारी एनर्जी और उत्साह का संचार होगा। छुट्टी के बावजूद आपका मन सभी कार्यों को निपटाने का करेगा। लेकिन, कार्यक्षेत्र में काम उतनी रफ्तार से हो नहीं पाएगा, जितना आप सोच रहे हैं। ऐसे में आपको सारी चीजें अपने कंट्रोल में लेनी पड़ सकती है।

वृष
आपको भाग्य कोई बड़ा मौका मिलेगा। आर्थिक लाभ भी आप आज पाएंगे। बिजनेस मे आपको लाभ का मौका मिलेगा। आप कोई नया काम भी आज शुरू कर सकते हैं। आपको अप्रत्याशित लाभ भी मिलेगा। आपको सरकारी क्षेत्र से फायदा मिल सकता है। आप प्रॉपर्टी और पूर्व में किए निवेश का लाभ ले पाएंगे। प्रेमी के साथ आपको वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

मिथुन
नया साल 2026 का दिन थोड़ा व्यस्त रहने वाला है। आपको कोई ज्यादा महत्वपूर्ण और जरूरी काम सौंपा जा सकता है या हो सकता है कि सौंप दिया हो। ऐसे में आपको बिना किसी सोच-विचार के अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा।

तुला
आज का दिन आपको सिख देने वाला रहेगा। दूसरे के अधिकार क्षेत्र में घुसकर अपना वर्चस्व कायम रखने की पुरानी आदत को बदलना होगा। नया साल का पहला दिन आपके कार्य में जल्दीबाजी के चलते लोगों के बीच में आपकी आलोचना भी हो सकती है। अच्छा अधिकारी बनने के लिए आपको पहले अच्छा कर्मचारी बनना होगा।

वृश्चिक
आज दिन आप पर किसी भारी काम का बोझ आ सकता है। इसके लिए आपको अपने काम से छुट्टी भी लेनी पड़ सकती है। अगर आप किसी उद्योग का संचालन कर रहे हैं तो छोटे कर्मचारियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना ना भूलें। नहीं तो आपको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। पारिवारिक जीवन में आपके प्रेम और तालमेल बना रहेगा।

धनु
आज का दिन आपके शुभ रहने वाला है। आज जातको के लिए आनंददायक रहेगा। आपका कामकाज अच्छा चलेगा। आपको आर्थिक लाभ का भी मौका मिलेगा। आप बिजनेस में खूब लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आप कोई नया काम भी शुरू कर सकते हैं। आपको कल लव लाइफ में प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आपको कोई गिफ्ट भी मिल सकता है।

कर्क
आज नया साल आप अपने बीच में मनाने जा सकते हैं। समय की कमी के चलते आप पूरा समय नहीं दे पाएंगे।धन कमाने के लिए कई प्रकार के रास्ते आपके सामने आएंगे। हालांकि, सहयोगी और पार्टनर के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है। कमाई करने के लिए कोई भी रास्ता बुरा नहीं है। किसी भी प्रतियोगिता में हार जीत होती रहती है।

सिंह
आज के दिन आपका पारिवारिक जीवन सुखद और रोमांटिक रहेगा। आपको किसी पूर्व परिचित और मित्र से मिलने का मौका मिलेगा। आपके हाथों आज कोई शुभ काम भी हो सकता है। पर शेयर बाजार के चक्कर में पड़कर आपने काफी धन नष्ट कर दिया है। इस सोच के साथ आपको आगे बढ़ना होगा। वैवाहिक जीवन मे आपके प्रेम और तालमेल बना रहेगा।

कन्या
आज साल का पहला दिन मंगलमय रहने वाला है। आपको लाभ और और सम्मान प्राप्त होगा। आप उत्साह से भरपूर रहेंगे। राजनीतिक क्षेत्र में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। आपको पिता और पिता पक्ष से लाभ मिलेगा। आपको बिजनेस में भाग्य लाभ दिलाएगा।

मकर
नया साल का पहला दिन आज सुबह से ही कुछ अजीब सा माहौल आपके आगे पीछे बना रहेगा। घर के दैनिक कार्य भी कुछ अड़चनों के बाद ही पूरे हो रहे हैं। काफी दिनों से व्यापार व्यवसाय की स्थितियां भी नाजुक चल रही हैं। व्यापार क्षेत्र में जो उतार चढ़ाव आया है वह सिर्फ आपके लिए ही नहीं है। किसी दूर रहने वाले सगे संबंधी से आपको खुशखबरी मिलेगी।

कुंभ
नया साल का पहला दिन सुखद और मनोरंजक रहेगा। आपको कल किसी अप्रत्याशित स्रोत से लाभ मिलेगा। आपको किसी मित्र या सहकर्मी से सहयोग मिलेगा। पूर्व अनुभव का भी आप आज लाभ ले पाएंगे। जो लोग होटल अथवा इवेंट मैनेजमेंट के काम से जुड़े हुए हैं उनको आज भाग्य कोई बड़ा लाभ दिला सकता है। संतान की ओर से मन प्रसन्न होगा। लव लाइफ में आपको प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

मीन
आज का दिन भाग्यशाली रहेगा। आपको साल के पहले दिन अप्रत्याशित लाभ मिलेगा। आप नौकरी में सहयोग पाएंगे और आपको दोस्तों के साथ मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर भी जा सकते हैं। आपको आज प्रबंधन क्षमता का फायदा मिलेगा। आपको किसी सगे संबंधी से मिलने का मौका मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

अल्लेप्पी-धनबाद एक्सप्रेस से 6.50 लाख रुपये का गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

सिल्ली, एजेंसी। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देशानुसार आरपीएफ द्वारा सतर्कता के साथ ड्यूटी की जा रही है। इसी क्रम में मुरी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पोस्ट मुरी एवं आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य प्रभावी निगरानी एवं अपराधों की रोकथाम सुनिश्चित करना था।

ट्रेन संख्या 13352 एक्सप्रेस (अल्लेप्पी-धनबाद) प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर आगमन, सामान्य कोच की जांच के दौरान एक पुरुष व्यक्ति दो रक्सैक के साथ संदिग्ध अवस्था में बैठा पाया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम मोहम्मद अरमान अंसारी, उम्र लगभग 32 वर्ष, निवासी जिला धनबाद (झारखंड) बताया तथा गांजा रखने की बात स्वीकार की।

तत्काल इस संबंध में सूचना सहायक सुरक्षा आयुक्त/आरपीएफ/रांची को दी गई, जो मौके पर पहुंचे और सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए बैगों की तलाशी ली गई, जिसमें दोनों रक्सैकों से गांजा जैसे पदार्थ के कुल पांच पैकेट, एक मोबाइल फोन तथा एक सामान्य श्रेणी का रेलवे टिकट बरामद किया गया।

बरामद पदार्थ की जांच डीडी किट से की गई। एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 20(बी)(द्बद्ब)(बी)/29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब्त किए गए गांजे का अनुमानित मूल्य लगभग 6,50,000/- (रुपये छह लाख पचास हजार मात्र) है।

इसमें शामिल अधिकारी और कर्मचारीः आरपीएफ पोस्ट मुरी- एसआई पवन कुमार, आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची एएसआई अनिल कुमार, कांस्टेबल प्रदीप, कांस्टेबल वी.एल मीना शामिल थे।

माघ मेला के चलते राजधानी और बाड़मेर एक्सप्रेस का प्रयागराज में ठहराव रद्द

रांची, एजेंसी। हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में गुरुवार से बदलाव प्रभावी हो गया। यह ट्रेन 47 दिनों तक प्रयागराज में नहीं रुकेगी। हावड़ा से सुबेदारगंज के लिए टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो गई। हालांकि अधिकतर दिनों में लंबी वेटिंगलिस्ट है।

हावड़ा-बाड़मेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का मध्य फरवरी तक विभिन्न तिथियों में 13 दिन सुबेदारगंज में ठहराव होगा। इस ट्रेन में भी सूबेदारगंज की टिकट बुकिंग शुरू हो चुकी है।

बोकारो व गोमो होकर चलने वाली रांची-लोकमान्य तिलक साप्ताहिक एक्सप्रेस अलग-अलग तिथियों में वाराणसी व प्रयागराज नहीं जाएगी। इस ट्रेन को दोनों ओर से मार्ग बदल कर चलाया जाएगा। रेलवे द्वारा परिचालन कारणों से कई ट्रेनों के मार्ग और ठहराव में अस्थायी बदलाव किया गया है। इसके तहत निम्नलिखित ट्रेनें निर्धारित अवधि में प्रयागराज स्टेशन पर नहीं रुकेंगी।

झारखंड के रोड होंगे चकाचक, खर्च होंगे 2000 करोड़

रांची, एजेंसी। नये साल 2026 में राज्य के विभिन्न जिलों की बेहतर रोड कनेक्टिविटी पर काम होगा. राज्य सरकार का फोकस लोगों के लिए कम समय में जाम मुक्त सफर मुहैया कराना है. इस दिशा में तेजी से प्रयास शुरू कर दिये गये हैं. पथ निर्माण विभाग ने कई महत्वपूर्ण सड़कों को चिह्नित किया है, जिनके पुनर्निमाण, चौड़ीकरण और मरम्मत का काम किया जायेगा. इन योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है. इन छोटी-बड़ी करीब 70 योजनाओं को मिला कर 2000 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आयेगा. अब इन आगे की प्रक्रिया करके इस साल जल्द से जल्द काम शुरू करा दिया जायेगा. प्रशासनिक स्वीकृति के बाद दो-चार योजनाओं का टेंडर फाइनल हुआ है.

पुरुलिया में चल रही है स्कूटी, रांची में कट गये 23 चालान

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में स्कूटी व बाइक पर फर्जी तरीके से किसी और के वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर लगाकर चलने का मामला सामने आया है. इसका परिणाम असली वाहन मालिक का भुगतना पड़ रहा है. उनके नाम से चालान भी आ रहे हैं. ऐसा ही एक मामला सामने आया है. बताया जाता है कि करमटोली निवासी अशोक महतो की स्कूटी (जेएच-01इजेड-8942) का उपयोग उनके पुरूलिया में रहनेवाले पुत्र कर रहे हैं, लेकिन उसी स्कूटी का नंबर लगाकर दूसरी स्कूटी कोई और व्यक्ति चला रहा है. इस कारण वर्ष 2024 से 2025 तक 23 चालान अशोक महतो के नाम कट चुके हैं.

चुनौतियों के बावजूद मजबूत हो रही है भारत की अर्थव्यवस्थाः टी वी नरेंद्रन

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने केक काटकर शहरवासियों को नए साल की बधाई दी. मीडिया से बातचीत के दौरान टाटा स्टील के एमडी ने बताया कि जमशेदपुर स्टील कंपनी में कोयला की खपत कम हो, इसके लिए नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके अलावा अन्य कई नई तकनीक का इस्तेमाल करने का प्रस्ताव पारित है. चीन सरकार की नीति और उनके सहयोग के कारण चीन उत्पादित स्टील का कारोबार कम प्रॉफिट में भी चल रहा जो भारत ही नहीं विश्व बाजार के लिए चुनौती है.

जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित सेंटर फॉर एक्सीलेंस परिसर में टाटा स्टील के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन ने केक काटकर शहर वासियों को नए साल की बधाई दी है. इस दौरान टाटा स्टील के वीपीसीएस डी. बी. सुदररामम, डॉ. टीजी मुखर्जी के अलावा कई वरीय अधिकारी और चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष, कई प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे.

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही हैः एमडी टीवी नरेंद्रन- शहर वासियों को बधाई देने के बाद टाटा स्टील के एमडी ने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने बताया कि विश्व बाजार में कई चुनौतियां हैं. इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार तेजी से मजबूत हो रहा है. स्टील प्रोडक्शन सेक्टर में चीनी सरकार की नीतियों और सपोर्ट की वजह से चीनी स्टील मार्केट कम मुनाफे के बावजूद काम करता रहा है, जो ग्लोबल मार्केट के लिए एक चुनौती है.

एआई के क्षेत्र में भी कंपनी काम कर रही हैः एमडी टीवी नरेंद्रन - टाटा स्टील वर्तमान विश्व बाजार को देखते हुए हर चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्पित है. 100 साल से ज्यादा पुरानी टाटा स्टील कंपनी ने पिछले 10 सालों से डिजिटल के क्षेत्र में काफी इन्वेस्ट किया है. कंपनी एआई के क्षेत्र में काम कर रही है. 500 से ज्यादा एआई मॉडल का इस्तेमाल किया जा रहा है. चीन का लाभ 5 सालों में 5% से ज्यादा नहीं रहा लेकिन वहां की सरकार की मदद और रुल के कारण वहां की इंडस्ट्री फायदेमंद है. भारत में स्टील की डिमांड ज्यादा है लेकिन स्टील की कोई भी नई इंडस्ट्री नहीं आई है.

यूरोपियन ऑपरेशन पर असर पड़ा है

उन्होंने बताया कि मजबूत डिमांड और सप्लाई के बावजूद 2025 में भारत में स्टील की कीमतें पिछले पांच सालों में सबसे कम रहीं. पिछला साल कई वजहों से चुनौतीपूर्ण रहा, जिसमें दुनिया भर में उठाए गए कदमों की वजह से ग्लोबल ट्रेड के मुद्दे और भी मुश्किल होते गए. उन्होंने बताया कि टाटा स्टील समेत घरेलू स्टील सेक्टर पर असर नहीं पड़ा है, लेकिन यूरोप और अमेरिका से स्टील पर निर्यात शुल्क लगने की वजह से टाटा स्टील के यूरोपियन ऑपरेशन पर असर पड़ा है.

उन्होंने कहा कि चीन 100 मिलियन टन से ज्यादा स्टील एक्सपोर्ट कर रहा है, जो लगभग भारत के कुल स्टील प्रोडक्शन के बराबर है. एमडी टीवी नरेंद्रन ने कहा हालांकि चीन से भारत में ज्यादा स्टील नहीं आ रहा है, लेकिन उसने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि खराब अंतर्राष्ट्रीय बाजार की वजह से हम ज्यादा प्रोडक्शन के बावजूद एक्सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं.

सहभागिता से झारखंड अग्रणी राज्य बनेगा, सीएम हेमंत सोरेन बोले 'सर्वांगीण विकास में सभी का योगदान महत्वपूर्ण'

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, अपर मुख्य सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मस्त राम मीणा, राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी, सचिव वित्त विभाग प्रशांत कुमार, सदस्य राजस्व पर्षद राजीव रंजन, अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छवि रंजन, प्रबंध निदेशक जियाडा वरुण रंजन, निदेशक नगरीय प्रशासक, नगर विकास विभाग नैंसी सहाय, विशेष सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी (समन्वय) विभाग राजीव रंजन, आइजी एसटीएफ अनूप बिरथरे, रांची के उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने मुलाकात की।

मुख्यमंत्री को सभी ने नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा ईश्वर से राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि, प्रगति एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी की सहभागिता से ही झारखंड अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शुमार होगा। राज्य के सर्वांगीण विकास में सभी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जन-सहभागिता एवं प्रभावी कार्य संस्कृति के साथ हमारी सरकार विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नए साल पर एचईसी कामगारों को बड़ा झटका

1400 ठेका कर्मचारियों की सेवा अचानक हुई समाप्त

रांची, एजेंसी। नववर्ष की शुरुआत एचईसी के ठेका कामगारों के लिए निराशाजनक रही। गुरुवार को करीब 1400 ठेका कामगारों को प्लांट में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनकी सेवाएं अचानक समाप्त हो गईं।

इसकी वजह ठेकेदार की निविदा अवधि का खत्म होना बताया गया है। छह माह के लिए की गई निविदा की अवधि पूरी होने के बाद न तो नई निविदा जारी की गई और न ही पुराने ठेकेदार को समय-सीमा बढ़ाई गई।

इस लापरवाही का सीधा असर ठेका कामगारों पर पड़ा। बिना किसी पूर्व सूचना के काम से रोके जाने पर कामगारों में भारी रोष है। स्थिति यह है कि एचईसी के तीनों प्लांटों में स्थायी कर्मियों की संख्या मात्र 900 के आसपास है।

ऐसे में ठेका कामगारों के बाहर होते ही उत्पादन और अन्य गतिविधियां लगभग ठप हो गई हैं। पहले से ही वर्क ऑर्डर समय पर नहीं मिलने से कामकाज प्रभावित था, अब अचानक काम रुकने से संकट और गहरा गया है।

मामले पर यूनियनों ने भी कड़ा एतराज जताया है। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन ने निदेशक (उत्पादन) से बातचीत कर ठेका कामगारों की सेवा तत्काल बहाल करने की मांग की। यूनियन का कहना है कि प्रबंधन स्तर पर समय रहते निर्णय नहीं लेने के कारण कामगारों को बार-बार ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

निदेशक (उत्पादन) ने बातचीत में बताया कि ठेकेदार के माध्यम से ठेका कामगारों को दो माह का सेवा विस्तार देने की योजना थी, लेकिन ठेकेदार ने सेवा विस्तार से इन्कार कर अपनी बकाया राशि की मांग रख दी। हालांकि यूनियन का कहना है कि पूर्व में भी इसी तरह की समस्याओं के कारण ठेका कामगारों की सेवाएं बाधित हो चुकी हैं।

लातेहार में बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को रस्सी से बांधकर पीटा, पुलिस ने कराया मुक्त

लातेहार, एजेंसी। शहरी इलाके में बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़कर रस्सी से बांध दिया. इस दौरान युवकों के साथ मारपीट भी की गई. हालांकि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों युवकों के ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराकर थाना ले गई. थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है.

दरअसल, लातेहार जिला मुख्यालय के वार्ड नंबर 8 निवासी ननका भुइयां की दो बकरियां बीती रात चोरी हो गई थी. छानबीन के क्रम में उसे पता चला कि उसकी दोनों बकरियों को लातेहार के ही रहने वाले चोरों ने चोरी कर ली है. इसके बाद ननका भुइयां के साथ कई अन्य ग्रामीण दो युवकों को पकड़ लिया और एक पेड़ में रस्सी के सहारे बांध दिया. इस दौरान कुछ लोगों ने युवकों की पिटाई भी शुरू कर दी.

हालांकि इसी दौरान किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दे दी. घटनास्थल सदर थाना से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है. इस कारण पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई और स्थिति को बिगड़ने से बचा लिया. पुलिस ने दोनों युवकों को ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराया और अपने साथ थाने ले गई.

इधर, भुक्तभोगी ग्रामीण ननका भुइयां ने बताया कि बीती रात उसकी दो बकरियां चोरी हो गई थी.

कुछ दिन पूर्व भी उसकी एक बकरी चोरी हुई थी. गांव के कई अन्य लोगों की भी बकरियां चोरी हुई हैं. ननका ने बताया कि जिन लोगों को पड़कर पुलिस के हवाले किया गया है, वही लोग गिरोह बनाकर इस तरह की घटना को लगातार अंजाम दे रहे हैं.

पिछले कुछ दिनों से चोरी की घटना में बढ़ोतरी होने के कारण लोगों में काफी आक्रोश है. ग्रामीणों का कहना है कि इन चोरों के कारण लोगों को लगातार नुकसान हो रहा है. ग्रामीणों पकड़े गए युवकों से बकरियां वापस करने की मांग कर रहे थे. इस दौरान कुछ युवक आक्रोशित भी हो गए. हालांकि स्थिति बिगड़ने से पूर्व ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और दोनों युवकों को हिरासत में लेकर थाना ले गई.

इधर, इस संबंध में सदर थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता ने कहा कि स्थानीय लोगों के द्वारा बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों को पुलिस के हवाले किया गया है. पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है.

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीगः श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को शूटआउट में 4-3 से हराया

रांची, एजेंसी। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को शूटआउट में 4-3 से मात देकर बोनस अंक अपने नाम किया. निर्धारित समय तक दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद मुकाबला शूटआउट में गया. सडन डेथ में लालरेमसियामी ने निर्णायक गोल कर श्राची बंगाल टाइगर्स को जीत दिलाई.

10वें मिनट में स्कोर 1-1 से बराबर था- मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई. श्राची बंगाल टाइगर्स ने शुरुआती मिनटों में आक्रामक खेल दिखाया और लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए. छठे मिनट में अगुस्टिना गोरजेलानी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई. हालांकि, एसजी पाइपर्स ने भी तुरंत जवाब दिया और 10वें मिनट में लोला रिएरा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 कर बराबर कर दिया.

बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही. 11वें मिनट में लालरेमसियामी ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए श्राची को फिर बढ़त दिलाई. दूसरे क्वार्टर में गोरजेलानी ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल दागा. एसजी पाइपर्स के लगातार हमलों के बावजूद श्राची की गोलकीपर जेनिफर रिजो ने कई बेहतरीन बचाव किए और हाफ टाइम तक श्राची बंगाल टाइगर्स 3-1 से आगे रही.

59वें मिनट में स्कोर 3-2 था

दूसरे हाफ में एसजी पाइपर्स ने जबरदस्त वापसी की कोशिश की. तीसरे क्वार्टर में टीम ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन श्राची की मजबूत डिफेंस और अनुशासित गोलकीपिंग के कारण कोई गोल नहीं हो सका. चौथे क्वार्टर में भी एसजी पाइपर्स का दबदबा बना रहा और आखिरकार 59वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने कप्तान नवनीत कौर के शॉट को डिफ्लेक्ट कर गोल कर दिया, जिससे स्कोर 3-2 हो गया. मैच के अंतिम क्षणों में एसजी पाइपर्स को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे 60वें मिनट में लोला रिएरा ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया. इसके बाद मुकाबला शूटआउट में पहुंचा.

शूटआउट में दोनों टीमों का स्कोर 3-3 रहा

शूटआउट में दोनों टीमों ने तीन-तीन गोल किए और स्कोर 3-3 रहा. सडन डेथ में एसजी पाइपर्स अपने मौके भुनाने में नाकाम रही, जबकि लालरेमसियामी ने दबाव में गोल कर श्राची बंगाल टाइगर्स को रोमांचक जीत दिला दी.

पिछले साल की तुलना में इस साल बिकी ज्यादा शराब, झारखंड में खूब मना नये साल का जश्न

रांची, एजेंसी। नये साल के पहले दिन राज्य में शराब की रिकॉर्ड बिक्री हुई. 30 दिसंबर से एक जनवरी तक राज्य में लगभग 65 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री हुई है. झारखंड शराब व्यापारी संघ के प्रदेश महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल के अनुसार तीन दिनों में 65 से 70 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री का अनुमान है. उन्होंने कहा कि उठाव के अनुरूप शराब की बिक्री नहीं हो पायी. सबसे अधिक शराब की बिक्री 31 दिसंबर को हुई. राज्य भर में 31 दिसंबर को लगभग 30 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री का अनुमान है, जो वर्ष 31 दिसंबर 2024 की तुलना में लगभग ढाई करोड़ अधिक है. 31 दिसंबर को 27.52 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई थी, जबकि 30 दिसंबर को लगभग 16 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई. दो दिन में 46 करोड़ से अधिक की शराब बिक्री हुई.

वहीं एक जनवरी को भी 18 से 19 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री का अनुमान है. हालांकि इसका आधिकारिक आंकड़ा आना बाकी है. ऐसे में देखा जाये, तो तीन दिनों में लगभग 65 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई. पिछले वर्ष नये साल के मौके पर हुई बिक्री की तुलना में इस वर्ष लगभग

पांच करोड़ रुपये अधिक की बिक्री हुई. पिछले वर्ष तीन दिनों में लगभग 60 करोड़ रुपये के शराब की बिक्री हुई थी.

रांची में 30 दिसंबर से एक जनवरी तक लगभग 10 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई. नये साल के मौके पर शराब बिक्री को लेकर दो दर्जन से अधिक अस्थायी लाइसेंस जारी किये गये थे. जबकि लगभग 30 बार एंड रेस्तरां ने एक्सटेंशन काउंटर की अनुमति ली थी. इसके तहत निर्धारित समय की तुलना में दो घंटे अधिक शराब बिक्री की अनुमति दी गयी थी.

जमशेदपुर शहर के नामकरण के 107 साल पूरे, वायसराय लार्ड चेम्सफोर्ड ने रखा था नाम

जमशेदपुर, एजेंसी। लौहनगरी के नाम से विख्यात जमशेदपुर शहर अपने नामकरण के 107 वर्ष पूरे कर लिया है। दो जनवरी 1919 को भारत के तत्कालीन वायसराय लार्ड चेम्सफोर्ड ने साकची का नाम जमशेदपुर व कालीमाटी स्टेशन का नाम बदलकर टाटानगर किया था।

टाटा समूह के संस्थापक जेएन टाटा की दूरदृष्टि सोच को उनके बेटे सर दोराबजी टाटा ने पूरा किया और 1907 में साकची गांव में टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की स्थापना की। इस कंपनी ने पहले विश्व युद्ध के समय ईस्ट इंडिया कंपनी को काफी मदद की और उनकी मांग पर रेलपटरी बिछाने के लिए रेल की आपूर्ति की। इस मदद से अंग्रेजी सरकार ने सुदूर इलाकों तक अपने सैनिक और रसद को पहुंचाने में सफल रही और सफलता पाई। ऐसे में कंपनी का आभार व्यक्त करने के लिए वायसराय लार्ड चेम्सफोर्ड अपने अधिकारियों व दोस्तों के साथ जमशेदपुर पहुंचे और इस आभार के बदले में शहर का नाम संस्थापक के नाम जमशेद के नाम पर जमशेदपुर और कालीमाटी रेलवे स्टेशन का नया नामकरण कर टाटानगर रखा। आज इस औद्योगिकी नगर

की पहचान वैश्विक स्तर पर है। इन 107 वर्षों में यहां टाटा स्टील के अलावा टाटा मोटर्स, टिनप्लेट, टाटा ब्लूस्कोप, इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट, टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स लिमिटेड, टाटा कमिंस, टिमकेन इंडिया सहित कई कंपनियां स्थापित हुई जो अपने उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहुंचाती है। वहीं, इन कंपनियों के सहयोग के लिए आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में 1000 से अधिक सूक्ष्म, लघु व मध्यम (एमएसएमई) सेक्टर की कंपनियां संचालित हैं जिसके कारण यहां देश भर के कामगार रोजगार के लिए यहां आते हैं।

झारखंड में ठंड से मिलेगी थोड़ी राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड में नए साल के शुरुआत में ठंड से थोड़ी राहत मिलने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे (2-3) डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। वहीं, इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें धीरे-धीरे (2-3) डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी जा सकती है। इसके बाद ठंड फिर से लोगों को परेशान कर सकती है। उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब क्षेत्र के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण वायुमंडल में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।

इसका प्रभाव उत्तर भारत के बड़े हिस्से पर देखा जा रहा है। यही सिस्टम अप्रत्यक्ष रूप से झारखंड के मौसम को भी प्रभावित कर रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पछुआ हवा कमजोर पड़ गई है। इससे अत्यधिक ठंड का असर कुछ कम होगा। इधर, पिछले 24 घंटे में झारखंड का गुमला जिला सबसे ठंडा रिकॉर्ड किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राडार जंगल में, इसलिए तापमान कम- इधर, गुमला के कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक अटल तिवारी के अनुसार, गुमला में मौसम का राडार विशुनपुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में लगा है, जो घने जंगल के बीच में है। इसलिए यहां का तापमान शहर से काफी कम होता है। दिसंबर से उत्तर-पश्चिम से आने वाली बर्फीली हवा सीधे झारखंड के पश्चिमी जिलों गुमला और सिमडेगा से प्रवेश करती है। इसलिए गुमला का पारा अधिक गिर रहा है।

जमशेदपुर में टूटा 6 सालों का रिकॉर्ड

इधर, इस दिसंबर शहर ने ठंड के ऐसे तेवर दिखाए हैं, जो बीते कई सालों में कभी नहीं देखे गए। रात और सुबह के अलावा दिन में भी ठंड से राहत नहीं मिली। लगातार छाए घने कोहरे के कारण दिन में भी ठिठुरन महसूस हो रही है। बीते 6 साल में पहली बार ऐसा हुआ है, जब दिसंबर महीने में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान एक भी दिन 30 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंचा।

हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा रहेगा

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को सुबह में कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा और बाद में आसमान मुख्यत साफ रहेगा। अगले 5 दिनों के दौरान अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहेगा और गुनगुनी धूप रहेगी। हालांकि संथाल और कोल्हान के कुछ जिलों में सुबह के वक्त कुहासा रह सकता हैं पर धूप निकलने के बाद वह साफ हो जाएगा।

रणवीर सिंह के बाद कौन होगा डॉन 3 का लीड हीरो, ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार

पिछले हफ्ते कई मीडिया रिपोर्ट्स में खबर आई कि रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 से बाहर हो गए हैं, लेकिन अभिनेता या प्रोडक्शन टीम ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं हाल ही में जानकारी आई है कि इस फिल्म के लीड हीरो के लिए तलाश शुरू हो चुकी है, जिसमें सबसे पहला नाम इस हैंडसम एक्टर का है।

रणवीर सिंह की जगह कौन?

एक खबर के अनुसार फिल्म के निर्माता डॉन 3 के लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इसमें ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता वॉर 2 के हीरो ऋतिक को इस मशहूर डॉन फेंचाइजी का नया चेहरा बनाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉन 3 के मुख्य अभिनेता को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

फरहान अख्तर की पहली पसंद ऋतिक थे

पिछले साल एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने बताया कि डॉन 2 के लिए उन्होंने पहले ऋतिक रोशन से वादा किया था। फरहान और ऋतिक ने साथ में फिल्म लक्ष्य की थी, इसलिए फरहान ने ऋतिक को स्क्रिप्ट सुनाने का प्लान बनाया। लेकिन स्क्रिप्ट लिखते समय फरहान को लगा कि यह रोल शाहरुख खान के लिए ज्यादा सूट करेगा। फरहान ने ऋतिक को फोन करके यह बात बताई। ऋतिक ने बहुत अच्छे से कहा, फरहान, तुम अपनी बेस्ट फिल्म बनाओ। अगर शाहरुख सही लग रहे हैं, तो उनसे करो। मेरी चिंता मत करो। फरहान ने इसे बहुत विनम्र व्यवहार बताया।

रणवीर सिंह के डॉन 3 से बाहर होने की खबरें आने के बाद अफवाहें उड़ीं कि उनकी फिल्म धुरंधर की सफलता के कारण ऐसा हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि निर्माताओं से मांगों पर मतभेद हुआ, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग में देरी हो सकती है।

शिल्पा शिंदे के बाद 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में सौम्या टंडन की वापसी? एक्ट्रेस ने दिया जवाब

टीवी के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शोज में शुमार 'भाबीजी घर पर हैं' एक बार फिर सुर्खियों में है। शो के नए वर्जन 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में शिल्पा शिंदे की वापसी ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इसी के साथ सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई कि क्या शो की पहली 'गोरी मैम' यानी सौम्या टंडन भी एक बार फिर दर्शकों के सामने लौट सकती हैं। अब इन कयासों पर खुद सौम्या टंडन ने चुप्पी तोड़ी है।

सौम्या ने अटकलों पर लगाया विराम

शिल्पा शिंदे की वापसी के बाद से ही फैंस पुराने किरदारों को फिर से देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। खासतौर पर सौम्या टंडन, जिन्होंने अनीता नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी, उनकी वापसी की खबरों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। हालांकि, इन अटकलों पर विराम लगाते हुए सौम्या ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस शो का हिस्सा बनने नहीं जा रही हैं।

सौम्या टंडन ने दिया जवाब

जूम टीवी के साथ इंटरव्यू के दौरान सौम्या टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनका 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में लौटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपने करियर में आगे बढ़ चुकी हैं और इस समय दूसरे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उनके मुताबिक, जब वह किसी नए रास्ते पर आगे बढ़ चुकी हैं, तो पुराने शो में वापसी का सवाल ही नहीं उठता।
गौरतलब है कि सौम्या टंडन ने साल 2020 में 'भाबीजी घर पर हैं' को अलविदा कह दिया था। उनके जाने के बाद शो में अनीता भाभी के किरदार को पहले नेहा पेंडसे ने निभाया और फिर विदिशा श्रीवास्तव इस रोल में नजर आईं। हालांकि, सौम्या की लोकप्रियता ऐसी रही कि आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार में याद करते हैं।

धुरंधर में नजर आईं सौम्या टंडन

टीवी के अलावा सौम्या टंडन ने अब फिल्मों की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। हाल ही में वह फिल्म 'धुरंधर' में नजर आईं, जहां उन्होंने अक्षय खन्ना के किरदार की पत्नी की भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनके अभिनय को सराहा गया। सौम्या ने यह भी संकेत दिया कि फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' में उनकी भूमिका ज्यादा बड़ी नहीं होगी, क्योंकि कहानी के अनुसार उनके किरदार की मौत पहले ही हो चुकी है। हालांकि, दर्शकों को उनकी झलक जरूर देखने को मिलेगी।
बताया जा रहा है कि 'धुरंधर पार्ट 2' अगले साल मार्च में रिलीज होगी, जिसमें रणवीर सिंह के किरदार की बैकस्टोरी पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। पहले पार्ट को रिलीज हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म का क्रेज अब भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

'इक्कीस' के लिए क्यों रिजेक्ट हुए वरुण धवन? अगस्त्य नंदा कैसे बने पहली पसंद

'इक्कीस' की रिलीज से पहले इसके डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने फिल्म को लेकर कई बातें साझा की हैं। हालिया दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वरुण धवन भी फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए एक्साइटेड थे लेकिन एक वजह से उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। साथ ही डायरेक्टर ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के रोल में अगस्त्य नंदा को ही क्यों कास्ट किया गया।

इस वजह से रिजेक्ट हुए वरुण धवन

हाल ही में 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में श्रीराम राघवन कहते हैं, 'वरुण धवन फिल्म 'इक्कीस' के लिए एक्साइटेड थे। हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन जब तक शुरुआती स्क्रिप्टिंग पूरी हुई, कोविड आ गया और प्लान बदल गए। जैसे-जैसे स्क्रिप्ट आगे बढ़ी, हमें अहसास हुआ कि कहानी के लिए एक्टर की उम्र एक अहम फैक्टर है। कुछ सीन में लीड कैरेक्टर अरुण खेत्रपाल सिर्फ 19 साल के हैं। ऐसे में हमें फिल्म की कहानी के लिए एक नए चेहरे की जरूरत थी।'

क्यों चुने गए अगस्त्य नंदा?

डायरेक्टर श्रीराम राघवन बताते हैं कि जब अगस्त्य नंदा को कास्ट किया गया था, तब वह 21 साल के थे, जिससे वह रोल के लिए ज्यादा सही लगे। साथ ही डायरेक्टर ने कहा कि अगस्त्य नंदा में एक और खासियत थी, जिसे वजह से वह सेलेक्ट हुए। श्रीराम राघवन कहते हैं, 'मुझे उनकी आंखों में मासूमियत दिखती थी।'

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

रश्मिका ने फिल्मी इंडस्ट्री में अपनी सफलता का श्रेय फैंस को दिया?

रश्मिका मंदाना ने फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने खास लोगों के लिए एक भावुक संदेश शेयर किया। उन्होंने अपने पूरे सफर में मिले प्यार और समर्थन के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे होने पर अपने फैंस और सभी शुभचिंतकों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 9 साल, अभी भी विश्वास नहीं हो रहा। 26 फिल्मों के बाद मुझे सबसे ज्यादा गर्व अपने काम पर नहीं, बल्कि इस सफर में मिले परिवार पर है। सारा प्यार, धैर्य, विश्वास और हर छोटा-बड़ा पल, ये सब मेरे दिल को खुशी से भर देते हैं।

फैंस को दिया सफलता का क्रेडिट

रश्मिका ने आगे लिखा, आज आपके मैसेज और पोस्ट पढ़कर दिल बहुत खुश हुआ। हर मुश्किल और खुशी के समय में साथ देने के लिए शुक्रिया। मैं आपकी वजह से ही यहां तक पहुंची। मुझे वैसी ही स्वीकार करने और इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। हमारा रिश्ता अब सिर्फ एक्टर-फैन से बहुत आगे का है। आप मेरे लिए परिवार जैसे हैं। उम्मीद है ये रिश्ता हमेशा बना रहे और मैं आगे भी अच्छा काम करती रहूं। आप सबके लिए ढेर सारा शुक्रिया। आपकी रश्मिका।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना नई फिल्म मैसा में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। 'मैसा' का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इस फिल्म को अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

'हाउसफुल 5' और 'धुरंधर' की आलोचनाओं पर चित्रांगदा ने कहा...

अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' की महिला किरदारों को अजब तरह से दिखाने को लेकर काफी आलोचनाएं हुईं। फिल्म में महिला किरदार को सिर्फ एक ऑब्जेक्ट के तौर पर दिखाया गया था और उनके कई भद्दे सीन भी थे। कई लोगों का कहना था कि फिल्म में दिखाए गए चुटकुले ज्यादातर महिलाओं के शरीर पर ही टिप्पणियां थीं। इन आलोचनाओं पर अब फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने प्रतिक्रिया दी है।

सीन को पर्दे पर दिखाना निर्देशक का काम

बातचीत के दौरान चित्रांगदा सिंह ने फिल्म की आलोचनाओं को लेकर कहा कि जब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुईं तो उन्होंने उन पर गौर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब आप स्क्रिप्ट सुनते हैं, तो आपको शॉट ब्रेकडाउन नहीं बताया जाता। आप सिर्फ उतना ही कल्पना कर पाते हैं, जितना स्क्रिप्ट में लिखा होता है। इसके अलावा किसी सीन को पर्दे पर कैसे दिखाया जाए, यह निर्देशक ही तय करता है। आगे महिलाओं की भूमिकाओं को लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं को अक्सर मजबूत भूमिकाएं मिलने से पहले ग्लैमरस भूमिकाओं में खुद को साबित करना पड़ता है। हालांकि, मैं इनमें से किसी भी बात को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपने अभिनय पर एक सीमित नियंत्रण होता है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं से जुड़ी फिजिकल कॉमेडी देखना थोड़ा अनकंफर्टेबल लगता है।

काफी पेचीदा है कॉमेडी

कॉमेडी को पेचीदा बताते हुए चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी चुटकुले लोगों को हंसाते हैं और वे हंसते हैं। कभी-कभी नहीं हंसते। जब चुटकुले असरदार नहीं होते, तभी लोग आलोचना करने लगते हैं। जिम कैरी और एडी मर्फी जैसे अभिनेताओं की फिल्मों में भी बोल्ड फिजिकल कॉमेडी थी और लोगों ने उन्हें पसंद किया। ऐसे सीन पहले भी हुआ करते थे।
'धुरंधर' को लेकर चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी जब धुरंधर जैसी फिल्म आती है, तो कुछ लोग इसे सिर्फ हिंसात्मक सीन वाली फिल्म के रूप में देखते हैं, लेकिन यही तो कहानी कहने का तरीका है। हर जॉनर की अपनी एक अलग स्टाइल होती है। मैं इस पर कोई राय नहीं देती। यह दर्शकों और उनके विवेक के ऊपर है कि वे फिल्म देखें या न देखें या इससे सहमत हों या न हों। कभी-कभी हम कुछ ज्यादा ही आलोचनात्मक हो जाते हैं। लेकिन आपको इसे सही नजरिये से देखना चाहिए और इसे कुछ सिनेमाई छूट देनी चाहिए।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगी चित्रांगदा

वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 में चित्रांगदा की चार फिल्में रिलीज हुईं। इनमें परिक्रमा, हाउसफुल 5, खाकी- द बंगाल चैप्टर और रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स शामिल हैं। हालांकि, 'हाउसफुल 5' को छोड़कर बाकी सारे प्रोजेक्ट्स ओटीटी पर ही रिलीज हुए। वो आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म में 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर' में नजर आई थीं। अब वो सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवां' में दिखाई देंगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

अब फाइलों के साथ-साथ पढ़ना होगा क्रिमिनल लॉ

बरेली, एजेंसी। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत पीसीएस अधिकारियों को क्रिमिनल लॉ, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट, आरटीआई, साइबर सिक्योरिटी जैसे छह पाठ्यक्रम पूर्ण करना है। इस संबंध में विशेष सचिव विनीत प्रकाश ने सभी जिलों को पत्र जारी किया है। पत्र के बाद डीएम ने एडीएम एफ/आर को संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण पूर्ण कराने का निर्देश दिया है। मिशन कर्मयोगी के आईजीओटी पोर्टल पर उत्तर प्रदेश प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों के लिए जीरो से 9, 9 से 16 और 16 से 25 वर्ष की सेवा अवधि के अनुसार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। हर अधिकारी को छह पाठ्यक्रम पूर्ण कर प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य है। इनमें तीन पाठ्यक्रम कंपलसरी कोर्स की श्रेणी में रखे गए हैं। ऑप्शनल कोर्स कैटेगरी में रखे पाठ्यक्रमों में किन्हीं तीन को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना है। विशेष सचिव विनीत प्रकाश ने उनकी सूची जारी की है। सूची में प्रत्येक विषय के अंतर्गत अंकित उप विषयों में से कम से कम एक उप विषय पर आधारित पाठ्यक्रम को उसकी उपयोगिता के आधार पर पूर्ण किया जाना है। डीएम को भेजे पत्र में पीसीएस कार्यकारी शाखा के समस्त अधिकारियों को उनकी सेवा अवधि के अनुसार पाठ्यक्रम पूर्ण कर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कहा गया है। डीएम ने एडीएम को इस संबंध में निर्देशित किया है। क्रिमिनल लॉ का भी पढ़ना होगा पाठ शून्य से 9 वर्ष की सेवा अवधि वाले अधिकारियों के क्रिमिनल लॉ, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट और राइट टू इनफार्मेशन का कोर्स अनिवार्य है।

नमो भारत ट्रेन में संबंध बनाने वाले जोड़े की हुई सगाई

गाजियाबाद, एजेंसी। नमो भारत ट्रेन में संबंध बनाने और अश्लील हरकतें करने वाले गाजियाबाद के मोदीनगर निवासी छात्र-छात्रा की उनके परिजनों ने सगाई करा दी है। शादी

का मुहूर्त शुरू होते ही दोनों वैवाहिक बंधन में बंध जाएंगे। ट्रेन के अंदर दोनों का आपत्तिजनक स्थिति के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला सुर्खियों में आ गया था। बीते 20 दिसंबर को सोशल मीडिया पर एक मिनट से 3 मिनट तक के 4 वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। ये वायरल वीडियो नमो भारत ट्रेन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के थे। छात्र और छात्रा गाजियाबाद जनपद के अलग-अलग कॉलेजों से बीटेक और बीसीए कर रहे हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद परिजनों ने दोनों को कहीं बाहर भेज दिया था। समाज में बदनामी के डर से दोनों के परिवार भी अलग-थलग हो गए। दोनों परिवारों से जुड़े लोगों ने बताया कि छात्र-छात्रा की सगाई कर दी गई है। मुहूर्त शुरू होते ही शादी की रस्म पूरी कर दी जाएगी। दूसरी ओर, पुलिस ने सगाई की जानकारी से इनकार किया है। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। नमो भारत ट्रेन में अश्लील हरकत का वीडियो वायरल होने के सिलसिले में गाजियाबाद के मुरादनगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया था कि वायरल सीसीटीवी फुटेज 24 नवंबर को दुहाई से मुरादनगर स्टेशन तक की यात्रा के दौरान के हैं, जिसमें दुहाई स्थित एक संस्थान के छात्र और छात्रा आपत्तिजनक हरकतें करते दिखाई दे रहे हैं और पास की सीटें खाली हैं। पुलिस ने बताया था कि सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की। मुख्य सुरक्षा अधिकारी दुष्यंत कुमार ने ट्रेन ऑपरेटर ऋषभ कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए शिकायत दी थी। शिकायत में कहा गया कि ऋषभ कुमार ने ट्रेन के सीसीटीवी फुटेज का दुरुपयोग करते हुए अपने मोबाइल फोन से अवैध तरीके से वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सार्वजनिक कर दिया, जिससे कथित रूप से नमो भारत सेवा की छवि खराब हुई है।

कांग्रेस सरकार के ही सर्वे ने राहुल के दावों को झुठलाया

कर्नाटक के 91% लोगों को चुनावों की निष्पक्षता पर भरोसा

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा कराए गए एक आधिकारिक सर्वे के नतीजों ने देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर चल रही बहस को एक नया मोड़ दे दिया है। सर्वे के अनुसार, कर्नाटक की जनता का एक बड़ा हिस्सा ईवीएम को सुरक्षित और सटीक मानता है। इन नतीजों के सामने आने के बाद भाजपा ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' वाले आरोपों को लेकर कांग्रेस पर हमला तेज कर दिया है। इस सर्वे को कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वी. अनबुकुमार के माध्यम से कराया गया था। इसमें 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 लोगों की राय ली गई। सर्वे में शामिल कुल 83.61% लोगों ने कहा कि वे ईवीएम को भरोसेमंद मानते हैं। 69.39% लोग इस बात से सहमत थे कि ईवीएम सटीक परिणाम देती है, जबकि 14.22% ने इस पर अपनी 'पूर्ण सहमति' जताई। ईवीएम को लेक

कलबुर्गी में सबसे ज्यादा भरोसा देखा गया, जहां 94.48 लोग वोटिंग मशीन के पक्ष में थे। मैसूर में 88.59% लोगों ने इसकी विश्वसनीयता पर मुहर लगाई। बेंगलुरु में भी 63.67% लोग इससे सहमत थे। सर्वे के नतीजे सार्वजनिक होते ही भाजपा ने इसे कांग्रेस के लिए शर्मिंदगी का विषय बताया। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सालों से राहुल गांधी देश भर में एक ही कहानी सुना रहे हैं कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है और ईवीएम अविश्वसनीय हैं। लेकिन खुद कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार के सर्वे ने एक अलग कहानी बयां की है। यह कांग्रेस के मुंह पर तमाचा है।' भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल हारने पर संस्थाओं पर सवाल उठाती है और जीतने पर उसी सिस्टम का जश्न मनाती है। उन्होंने इसे सुविधा की राजनीति करार दिया।

यह सर्वे ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को बैलेट पेपर से कराने का प्रस्ताव दिया है। सरकार का तर्क है कि जनता का ईवीएम से भरोसा कम हो रहा है। भाजपा ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि जब उनका अपना सर्वे जनता का भारी भरोसा दिखा रहा है, तो सरकार राज्य को पीछे की ओर क्यों ले जा रही है? भाजपा के अनुसार, बैलेट पेपर की वापसी चुनाव में हेरफेर और देरी की कोशिश है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बीते काफी समय से ईवीएम की पारदर्शिता पर सवाल उठाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भी उन्होंने 'ब्लैक बॉक्स' और 'वोट चोरी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की आलोचना की थी।

माओवादी संगठन के शीर्ष नेता छत्तीसगढ़ के बारसे देवा ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर, एजेंसी।
नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में सुरक्षाबलों को गुरुवार को उस वक्त एक बहुत बड़ी कामयाबी मिली, जब छत्तीसगढ़ के रहने वाले माओवादी संगठन के शीर्ष नेता बारसे देवा उर्फ सुक्का ने तेलंगाना में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सूत्रों के अनुसार वह फिलहाल तेलंगाना पुलिस की हिरासत में है, हालांकि राज्य पुलिस अधिकारियों ने अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बारसे देवा पर 50 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस की ओर से एक-दो दिनों के भीतर इस संबंध में औपचारिक घोषणा किए जाने की संभावना जताई जा रही है। बारसे देवा छत्तीसगढ़ के ग्राम पुर्वर्थी का निवासी है, यहीं के वांछित नक्सली माडवी हिड़मा को आंध्र प्रदेश पुलिस ने एलुरु सीथारामराजू जिले में मुठभेड़ में मार गिराया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा ने बताया- 'संभवतया बारसे देवा तेलंगाना पुलिस के पास है।' सूत्रों के

मुताबिक बारसे देवा ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में आत्मसमर्पण को लेकर लंबे समय तक विचार-विमर्श किया था। अंततः कोठागुडेम जिला पुलिस की निगरानी में उसे तेलंगाना लाया गया, जहां उसने आत्मसमर्पण किया। छत्तीसगढ़ पुलिस सूत्रों ने बताया कि बारसे देवा ने हिड़मा के एनकाउंटर से पहले ही आत्मसमर्पण का निर्णय ले लिया था, लेकिन हिड़मा के मारे जाने के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आई।

लखनऊ में स्मारक के सफाई कर्मी ने दर्जनों को ठगा

साथ काम करने वालों को बच्चों की नौकरी का दिया लालच

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी के लखनऊ में बसपा शासन काल में बने स्मारकों और पार्कों की सफाई के लिए भर्ती हुए एक सफाई कर्मी ने दर्जनों लोगों को ठगा है। इसमें से 9 तो उसके साथ काम करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ही हैं। किसी को उसने उनके बच्चों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगा तो किसी का तबादला मनचाही जगह कराने का आश्वासन दिया। किसी को ज्यादा वैल्यू का क्रेडिट कार्ड दिलाने के नाम पर तो किसी को उसकी सीट सुरक्षित रखने के नाम पर। अब पता चला कि उसने केवल स्मारक समिति के ही नौ कर्मचारियों से 60.30 लाख रुपए की ठगी है।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने सैण्ड स्टोन ग्राइंडर व सफाई कर्मी विनय द्विवेदी को सस्पेंड कर दिया है। विनय द्विवेदी पहले अम्बेडकर स्मारक के बाह्य क्षेत्र में तैनात था। दिसम्बर में ही उसका तबादला यहां से हटाकर रमाबाई क्षेत्र में किया गया। स्मारक समिति में अपनी पहचान और पहुंच का हवाला देकर कर्मचारियों को उनके बच्चों को नौकरी और मनचाही जगह ट्रांसफर का भरोसा दिया।

ठगी के शिकार कर्मचारी: राधेश्याम बिंद- 16 लाख, मुमताज अहमद- 7 लाख, अमरीश कुमार भारती- 5 लाख, राज नारायण- 7 लाख, रमेश कुमार सिंह- 3 लाख, शबाना- 1 लाख, आलोक कुमार- 9 लाख, लक्ष्मीधर- 6 लाख, जय प्रकाश- 6 लाख।

पीड़ितों ने वापस पैसे मांगे तो उनको धमकाया: जांच में सामने आया है कि यह ठगी किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रही। कई कर्मचारियों से चरणबद्ध तरीके से रकम ली गई। जब पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगे तो उनके साथ गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। धमकाया भी।

वीसी ने की कड़ी कार्रवाई: एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने मामले को गंभीर मानते हुए सफाई कर्मी को निलंबित कर दिया है। उनका कहना है कि इस कृत्य से स्मारक, संग्रहालय, पार्क और उपवनों की प्रबंधन, सुरक्षा एवं अनुरक्षण समिति की छवि धूमिल हुई है। जांच पूरी होने के बाद दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

जयपुर में पुलिस पर पथराव करने वालों के घर चला बुलडोजर

जयपुर, एजेंसी।
जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में मस्जिद के बाहर पुलिस पर पथराव की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। चौमूं के इमाम चौक इलाके में स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

दरअसल, कुछ दिन पहले चौमूं में मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद हुआ था, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गया। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया था, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की और नगर परिषद ने अवैध निर्माणों की जांच तेज कर दी। प्रशासन के मुताबिक, इमाम चौक क्षेत्र में लंबे समय से सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के बाद नगर परिषद ने 19 से 20 लोगों को नोटिस जारी किए थे, जिनमें निर्धारित समय सीमा में जवाब देने और स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस की मियाद पूरी होने के बाद गुरुवार को प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की।

चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'जो गलत है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हम नगर परिषद के साथ मौके पर मौजूद हैं। नगर परिषद ने अतिक्रमण की पहचान की है और उसी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई

पूरी तरह कानून के दायरे में की जा रही है और किसी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा।

जयपुर पश्चिम के एडीसीपी राजेश गुप्ता ने बताया कि नगर परिषद द्वारा चिन्हित सभी अवैध निर्माणों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'नगर परिषद ने करीब 19-20 नोटिस जारी किए थे। जिन लोगों ने नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया, उनके खिलाफ अब कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पहले जिन लोगों ने माहौल बिगाड़ने और पुलिस पर पथराव करने में भूमिका निभाई थी, उनके अवैध निर्माण भी इस कार्रवाई के दायरे में हैं।' कार्रवाई के दौरान इमाम चौक और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी रखी गई ताकि किसी भी तरह की अफवाह या तनाव की स्थिति से निपटा जा सके। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई किसी एक समुदाय या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ है। अधिकारियों के मुताबिक, नगर परिषद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा और जहां-जहां अवैध निर्माण पाए जाएंगे, वहां कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। कुछ लोगों का कहना है कि लंबे समय से इमाम चौक क्षेत्र में अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे थे, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही थी।

कर्नाटक में बैनर विवाद बना खूनी संघर्ष, दो विधायकों के समर्थक भिड़े, गोलीबारी के बीच 1 की मौत

बल्लारी, एजेंसी।
कर्नाटक के बल्लारी जिले में शुक्रवार को वाल्मीकि समुदाय की एक प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम से पहले बैनर लगाने को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है और पुलिस ने एहतियातन बड़े जमावड़े पर रोक लगा दी है। विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री और बीजेपी नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलीखान और सोमशेखर रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ वाल्मीकि बैनर फाड़ने के आरोप में ब्रूसपेट पुलिस स्टेशन में स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह झड़प तब शुरू हुई जब कांग्रेस कार्यकर्ता विधायक भारथ रेड्डी के समर्थन में बैनर लगाने पहुंचे। आरोप है कि ये बैनर केआरपीपी विधायक जनार्दन रेड्डी के घर के सामने लगाए जाने थे, जिस पर जनार्दन रेड्डी समर्थकों ने आपत्ति जताई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो पथराव में बदल गई। घटना के दौरान गोली चलने की आवाजें भी सुनाई दीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भारथ रेड्डी के करीबी सहयोगी सतीश रेड्डी मौके पर पहुंचे थे, जिनके साथ मौजूद एक सुरक्षाकर्मी ने कथित तौर पर हवा में दो राउंड फायर किए। इसी अफरातफरी में राजशेखर नामक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसे कांग्रेस समर्थक बताया जा रहा है। घटना को लेकर भारथ रेड्डी ने अपने

ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा- बैनर सार्वजनिक सड़क पर लगाए गए थे, जैसे शहर के अन्य हिस्सों में लगाए जाते हैं। वाल्मीकि समुदाय के समर्थकों को बैनर लगाने से हम कैसे रोक सकते हैं? यह कार्यक्रम दलों से ऊपर है। लेकिन कुछ लोग बल्लारी की शांति भंग करना चाहते हैं। यह पूरी तरह राजनीतिक साजिश है। वहीं जनार्दन रेड्डी ने कांग्रेस विधायक पर निजी हथियारबंद सुरक्षाकर्मी लाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया- जैसे ही उन्हें पता चला कि मैं अपनी कार से उतरकर वहां पहुंचा हूं, फायरिंग शुरू कर दी गई। यह मुझे खत्म करने की साजिश लगती है। ये अपराधी हैं जो भारथ रेड्डी से जुड़े हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री और भाजपा नेता बी. श्रीरामुलु भी मौके पर पहुंचे। पुलिस का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया।

बेंगलुरु में अवैध रॉक ब्लास्टिंग से चार तेंदुओं की मौत के बाद हड़कंप

बेंगलुरु , एजेंसी। बेंगलुरु में हाईवे पर चार तेंदुओं की मौत के बाद सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक मादा तेंदुआ और उसके तीन अजन्मे शावकों की बसवनतारा जंगल इलाके में मौत की वजह, इलाके में हो रही अवैध रॉक ब्लास्टिंग थी। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने गुरुवार को इस मामले में व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। इससे पहले बेंगलुरु सिटी डिवीजन के कग्गलीपुरा रेंज में फॉरेस्ट ऑफिसर्स को रूटीन गश्त के दौरान एक तेंदुए का शव मिला। वहीं बाद में पता चला कि मादा तेंदुआ के गर्भ में तीन अन्य शावक भी थे। इसके बाद आस-पास के खदानों से यहां रहने वाले जानवरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वन मंत्री खंड्रे ने मामले पर संज्ञान लेते हुए एक बयान में कहा, 'कग्गलीपुरा रेंज के बसवनतारा जंगल इलाके में गश्त के दौरान, 27 दिसंबर, 2025 को सर्वे नंबर : 51 में एक तेंदुए का शव मिला। शुरुआती जांच में पता चला कि 3-4 साल की मादा तेंदुए की मौत दो से तीन दिन पहले हुई थी। पोस्टमॉर्टम जांच में उसके पेट में तीन शावक भी मिले।' उन्होंने कहा कि शुरुआती नतीजों से पता चला है कि तेंदुए की मौत पास की खदान में किए गए भारी रॉक ब्लास्टिंग के असर से हुई होगी। मंत्री ने कहा, 'यह अनुमान लगाया जा रहा है कि तेंदुए की मौत पास की खदान से बड़े पत्थरों की ब्लास्टिंग के कारण हुई और इस संबंध में एक एफआईआर दर्ज की गई है। फॉरेस्ट मिनिस्टर ने यशवंतपुर के विधायक एस टी सोमशेखर के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

चिट्टा से निपटने के लिए हिमाचल सरकार ने बनाई 3-चरणीय योजना, मुख्यमंत्री सुक्खू ने बताया प्लान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य में 'चिट्टा' या हेरोइन ड्रग के बढ़ते चलन और असर को रोकने के लिए तीन-चरणीय एक्शन प्लान पर जोर दिया है। सीएम सुक्खू ने गुरुवार को कहा पहला कदम जागरूकता बढ़ाना है, उसके बाद सख्त कार्रवाई करना और अगर कोई नशे का आदी पाया जाता है, तो उसे प्रोफेशनल इलाज देना है, ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाया जा सके।

उन्होंने बताया, 'पंजाब से सटे बॉर्डर पर चिट्टा (हेरोइन ड्रग) का असर बढ़ रहा था, इसलिए हमने तीन तरह के कदम उठाए। पहला कदम - लोगों में जागरूकता बढ़ाना... दूसरा, ड्रग सप्लायरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और तीसरा, अगर कोई चिट्टा का आदी हो गया है, तो हम इसे अपनी जिम्मेदारी मानते हैं, उन्हें अपराधी न समझें बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाएं... ' इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी अवैध ड्रग्स के धंधे में शामिल पाया जाता है तो सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। वहीं, हिमाचल में बादल फटने सहित कई प्राकृतिक आपदाओं पर बोलते हुए सीएम सुक्खू ने चेतावनी दी कि ऐसी प्राकृतिक आपदाएं दूसरे पहाड़ी इलाकों में भी आएंगी। उन्होंने इस पर वैज्ञानिक रिसर्च करने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'हमें वैज्ञानिक अध्ययन करने की जरूरत है, लेकिन क्लाइमेट चेंज का असर हिमाचल प्रदेश में जरूर शुरू हो गया है। धीरे-धीरे इसका असर दूसरे पहाड़ी राज्यों और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों और पूरे देश में भी दिखेगा। मैंने अपने जीवन में बादल फटने की इतनी सारी घटनाएं नहीं देखीं।

गडकरी के गढ़ में बगावत, नागपुर में कई भाजपा नेता पार्टी के ही खिलाफ

नागपुर , एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी के वर्षों से 'वफादार' कई कार्यकर्ताओं ने टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी है और अब आगामी नागपुर महानगरपालिका चुनाव निर्दलीय लड़ने का फैसला किया है। उनका कहना है कि पार्टी से लंबे समय से जुड़े कार्यकर्ताओं को टिकट न देने और उनकी जगह दलबदलुओं या बाहरी लोगों को टिकट देने से पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष फैल गया है और इसके चलते नागपुर में उनके इस्तीफे हुए हैं। नागपुर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृह क्षेत्र है।

नागपुर समेत महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। नागपुर नगर निगम में 151 सीट हैं। भाजपा 143 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि शिवसेना आठ सीट पर चुनाव लड़ रही है। अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 90 से अधिक सीट पर चुनाव लड़

रही है। कांग्रेस बिना किसी गठबंधन के सभी 151 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) 79 सीट पर चुनाव लड़ रही है। विनायक देहांकर को वार्ड 17 से टिकट नहीं दिया गया, जिसके चलते उन्होंने इस्तीफा दे दिया और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरे। हालांकि, उनकी पत्नी ने इस फैसले का विरोध किया और कहा कि वह केवल भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगी और अपने पति का समर्थन नहीं करेंगी। एक टीवी चैनल से विनायक देहांकर ने कहा कि वह पिछले कई वर्षों से इस वार्ड और निर्वाचन क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हालांकि यह कांग्रेस का गढ़ था, फिर भी उन्होंने इस वार्ड में भाजपा को आगे बढ़ाने में मदद की। उन्होंने कहा, 'पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुझे आश्वासन दिया था कि वार्ड 17 में उम्मीदवार के नाम को अंतिम रूप देते समय पार्टी मेरे नाम पर विचार करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।' उन्होंने कहा, 'अगर पार्टी के किसी युवा कार्यकर्ता को टिकट दिया जाता तो मुझे कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन टिकट स्थानीय सदस्य को न देकर बागी सदस्यों (कांग्रेस से आए सदस्यों को और अन्य वार्ड के सदस्यों) को दिए गए। यह बहुत निराशाजनक था। इसलिए मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया।' उन्होंने कहा, 'मैंने भारी मन से भाजपा से इस्तीफा दिया।' विनायक ने कहा कि उनकी पत्नी (भाजपा की राज्य पदाधिकारी) उनके इस फैसले से नाराज हैं। इसी तरह, वार्ड 16 (डी) में वार्ड अध्यक्ष गजानन निशितकर को पार्टी द्वारा टिकट देने से इनकार किए जाने के बाद लगभग 80 भाजपा कार्यकर्ताओं ने वार्ड अध्यक्ष गजानन निशितकर सहित इस्तीफा दे दिया।

पाकिस्तानी टीम की कोचिंग छोड़ने पर गिलेस्पी ने चुप्पी तोड़ी

कहा- पीसीबी ने मुझे अपमानित किया; 9 महीने के अंदर छोड़ा था पद

करांची (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज और कोच जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट कोच पद से इस्तीफा देने को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने यह जिम्मेदारी 9 महीने से भी कम समय में छोड़ दी थी। गिलेस्पी का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कुछ फैसलों और उनके साथ किए गए व्यवहार की वजह से उन्हें खुद को अपमानित महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्हें कोच पद छोड़ने का फैसला करना पड़ा। गिलेस्पी का कहना है कि उन्होंने टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के रवैये और अंदरूनी कामकाज के कारण पद छोड़ा। गिलेस्पी को अप्रैल 2024 में पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट का हेड कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिसंबर 2024 में ही इस पद से इस्तीफा दे दिया था। शान मसूद के साथ जेसन गिलेस्पी (दाएं)। गिलेस्पी अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक पाकिस्तान के टेस्ट टीम के हेड कोच थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

मेलबर्न, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन 45 साल की वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। 2021 के बाद यह मेलबर्न पार्क में उनकी पहली मौजूदगी होगी और 2023 के बाद यह पहली बार होगा जब वह यूनाइटेड स्टेट्स के बाहर खेलेंगी। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनेंगी। इससे पहले जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड टूट जाएगा, जो 44 साल की थीं जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2015 के पहले राउंड में हार गई थीं। वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया वापस आकर बहुत खुश हूं और ऑस्ट्रेलियन गर्मियों में मुकाबला करने का इंतजार कर रही हूं। वहां मेरी बहुत सारी शानदार यादें हैं, और मैं उस जगह पर लौटने के मौके के लिए शुक्रगुजार हूं जो मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखती है। 16 महीने के ब्रेक के बाद, वीनस पिछले जुलाई में टेनिस में लौटीं और 2025 में तीन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में पहले राउंड में हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया, इससे पहले वह मैग्डेलेना फ्रेच से हार गई।

कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हारी

अगस्त में, विलियम्स सिनसिनाटी के पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बौज़ास-मनेरो से 4-6, 4-6 से हार गईं और यूएस ओपन के पहले राउंड में 11वीं सीडेड कैरोलिन मुचोवा को तीन सेट तक ले गईं। डबल्स में, लेयला फर्नांडीज के साथ खेलते हुए, विलियम्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, जहां वे फाइनलिस्ट कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हार गईं।

शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। टोक्यो ओलंपिक में शोर्ड मारिन की कोचिंग में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का दिल जीता था और चौथे स्थान पर रही थी। शोर्ड मारिन ने बतौर कोच नियुक्ति के बाद कहा, 'वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद, मैं टीम के विकास में मदद करने और खिलाड़ियों को वैश्विक स्टेज पर अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने का हौसला और मौका देने के सपने के साथ लौटा हूं।' मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच रह चुके हैं। हॉलैंड के शोर्ड मारिन 14 जनवरी को भारत आएंगे।

नेशनल कोचिंग कैंप 19 जनवरी को साई, बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। हेड कोच के तौर पर मारिन की पहली बड़ी चुनौती हैदराबाद में होने वाली हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर होगा, जो 8-14 मार्च, 2026 तक होने वाला है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम शोर्ड मारिन और पूरे सपोर्ट स्टाफ का इंडियन हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और साई का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने नियुक्ति में तेजी लाई ताकि आने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम की तैयारियों में कोई रुकावट न आए। उन्होंने आगे कहा, 'टीम की फिटनेस पर जोर दिया गया है, जो टोक्यो में इंडियन विमेंस के ऐतिहासिक प्रदर्शन का एक मुख्य कारण था। हम एक अच्छे समय की उम्मीद करते हैं। शोर्ड मारिन को एनालिटिकल कोच के तौर पर मटियास विला मदद करेंगे। डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और एथलेटिक परफॉर्मेंस के हेड के तौर पर भारतीय महिला कोचिंग सेटअप में लौट रहे हैं। उन्हें साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में रोडेट यिला और सियारा यिला का सपोर्ट मिलेगा। मटियास विला अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर हैं। 1997 में डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और लगभग दो दशकों से कोचिंग से जुड़े हुए हैं।

एसए20 में पहली बार सुपर ओवर

जॉबर्ग सुपर किंग्स की जीत, डरबन को 5 रन पर रोका

वांडरर्स (एजेंसी)। एसए20 लीग में गुरुवार, 1 जनवरी को वांडरर्स स्टेडियम में जॉबर्ग सुपर किंग्स और डरबन सुपर जायंट्स के बीच मुकाबले का फैसला सुपर ओवर से हुआ, जो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जॉबर्ग ने सुपर ओवर में जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन हासिल कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जॉबर्ग सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 205 रन बनाए। कप्तान फाफ डु प्लेसिस (30 गेंद, 47 रन) और मैथ्यू डी विलियर्स (26 गेंद, 38 रन) ने 8.4 ओवर में 89 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसके बाद अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शुभम रंजन ने 31 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने डोनोवन फरेरा के साथ 16 गेंदों में 49 रन की नाबाद साझेदारी की। फरेरा ने 10 गेंदों में 33 रन ठोके। दूसरी ओर, डरबन के लिए नूर अहमद और साइमन हार्मर की स्पिन जोड़ी ने 8 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए। नूर अहमद ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट झटके।

डरबन सुपर जायंट्स की ओर से बड़ी साझेदारी नहीं हुई – 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन सुपर जायंट्स की शुरुआत ठीक रही, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। कप्तान एडन मार्करम (30 गेंद, 37 रन) और एवन जोन्स (17 गेंद, 43 रन) ने 24 गेंदों में 60 रन जोड़कर मुकाबला बराबरी की ओर ले गए।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए यह हो सकती है भारत की वनडे टीम

कप्तान शुभमन वापसी करेंगे, श्रेयस अनफिट; क्या हार्दिक और बुमराह को फिर मिलेगा आराम?

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम 3 या 4 जनवरी को अनाउंस होनी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज इसमें खेलते नजर आएंगे, लेकिन हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका से वनडे नहीं खेल सके कप्तान शुभमन गिल भी वापसी करने वाले हैं। हालांकि, उप कप्तान श्रेयस अय्यर अब भी अनफिट हैं और उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना भी मुश्किल ही लग रहा है।

शुभमन खेलेंगे, श्रेयस की वापसी मुश्किल –कप्तान शुभमन गिल पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल सके थे। वे टेस्ट सीरीज में इंजर्ड हो गए थे, लेकिन उन्होंने टी-20 सीरीज में वापसी कर ली थी। ऐसे में वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में वापसी करने के साथ टीम की कमान भी संभालते नजर आएंगे। इसी साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर भी इंजर्ड हो गए थे। उन्हें कंधे में चोट लगी थी, इस कारण वे पिछले 3 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। वे फिलहाल बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें अब तक फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है, इसलिए वे न्यूजीलैंड सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

कौन होगा बैकअप ओपनर?

शुभमन की वापसी से टॉप-3 पोजिशन फिक्स हो चुकी है। ऐसे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करने वाले लेफ्ट हैंडर यशस्वी जायसवाल को बाहर किया जा सकता है। प्लेइंग-11 के कॉम्बिनेशन को देखते हुए उन्हें स्क्वॉड से भी बाहर कर सकते हैं। यशस्वी की जगह विकेटकीपर बैटर ईशान किशन को शामिल किया जा सकता है। जिन्हें घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टी-20 वर्ल्ड कप की टीम में भी जगह मिल गई। ईशान मिडिल ऑर्डर में भी बैटिंग कर लेते हैं और विकेटकीपर केएल राहुल के लिए बेहतरीन बैकअप ऑप्शन साबित हो सकते हैं।

नंबर-4 पर कौन बैटिंग करेगा?

श्रेयस की इंजरी के कारण टीम इंडिया में नंबर-4 की पोजिशन फिक्स नहीं है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऋतुराज गायकवाड ने इस पोजिशन पर बैटिंग करते हुए एक शतक लगाया था। ऐसे में उन्हें फिर एक बार इस पोजिशन पर मौका दिया जा सकता है।

एशेज- सिडनी टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान

12 सदस्यीय टीम में बशीर-पॉट्स को मौका, एटकिंसन चोट की वजह से बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए शुक्रवार को 12 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 3-1 से आगे है। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट की टीम से दो बदलाव किए हैं। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल किया गया है। 22 साल के शोएब बशीर ने 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 19 टेस्ट मैचों में 68 विकेट ले चुके हैं। बशीर ने टेस्ट करियर में दो बार चार विकेट और चार बार पांच विकेट हॉल भी लिए हैं। मौजूदा एशेज सीरीज में यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने किसी स्पेशलिस्ट स्पिनर को टीम में जगह दी है। इससे पहले ऑलराउंडर विल जैक्स ही स्पिन ऑप्शन थे। वहीं 27 साल के मैथ्यू पॉट्स ने जून 2022 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 10 टेस्ट मैचों में 36 विकेट लिए हैं। पॉट्स के नाम भी दो चार विकेट हॉल दर्ज हैं।

ख्वाजा का आखिरी इंटरनेशनल मैच

इस बीच, पांचवें टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा ने भी पुष्टि की है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 39 साल ख्वाजा ने अपने टेस्ट करियर में 87 मैचों में 6206 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं।

अश्विन बोले- कोहली-रोहित के बाद वनडे और कमजोर हो जाएगा

• टी-20 वर्ल्डकप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन का कहना है कि 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे पर संकट आ सकता है। क्योंकि, तब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार संन्यास ले लेंगे। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया है। 39 साल के अश्विन ने गुरुवार को कहा- 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर मैं चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन मैंने जैसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना मुश्किल है। विराट-रोहित की विजय हजारे ट्रॉफी में भागीदारी चर्चा में रही है। अश्विन का मानना है कि बढ़ती टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी अलग अहमियत से 50 ओवर के फॉर्मेट के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। आज-कल हर दौरे में वनडे मैचों की संख्या कम हो रही है, जबकि टी-20 मैच ज्यादा खेले जा रहे हैं। उदाहरण के लिए न्यूजीलैंड के भारत दौरे को ही देख लीजिए...इसमें 3 वनडे और 5 टी-20 मैच होने हैं।

उन्होंने कहा-हमें यह समझना होगा कि फैंस क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है,

लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है। इंटरनेशनल क्रिकेट में 765 विकेट लेने वाले अश्विन का कहना है कि विराट और रोहित के संन्यास के बाद वनडे प्रारूप और भी कमजोर हो जाएगा। अगर आप वनडे को रिलेवेंट बनाना चाहते हैं तो ये टी20 लीग खेलिए और 4 साल में सिर्फ एक बार वनडे वर्ल्ड कप कराइए। जब लोग इसे देखने आएंगे तो उनके अंदर उत्साह और उम्मीद होगी। मुझे लगता है कि वनडे क्रिकेट धीरे-धीरे खत्म होने की ओर बढ़ रहा है।

विराट-रोहित के कारण विजय हजारे देखने लगे लोग –रोहित-विराट जब विजय हजारे ट्रॉफी खेलने आए तो लोगों ने इसे देखना शुरू किया। हमें पता है कि खेल हमेशा खिलाड़ियों से बड़ा होता है, लेकिन कई बार खेल की रिलेवेंसी के लिए बड़े प्लेयर्स की वापसी की जरूरत होती है। विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वनडे टूर्नामेंट है, जिसे ज्यादा लोग नहीं देखते। लेकिन विराट और रोहित के खेलने की वजह से लोग इसे देखने पहुंचे। फिर सवाल यह है कि जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे, तब क्या होगा? धोनी जैसे प्लेयर नहीं, वैसी बैटिंग की जरूरत भी नहीं इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार फॉर्मेट हुआ करता था। इससे एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए। जो पारी को संभालना जानते थे।

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन बने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम तोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर

रही थी। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें इसमें रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, 'भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया। टीम की फिटनेस पर विशेष जोर दिया गया है।

संतोष ट्राफी 21 जनवरी से होगी शुरु, 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्राफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरु होने वाली संतोष ट्राफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

नए साल पर सड़क दुर्घटनाओं में 20 से अधिक घायल

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में नए साल के पहले दिन सड़क हादसों में 20 से अधिक लोग घायल हो गए। इन घायलों को बक्सर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शाम से देर रात तक मरीजों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। अस्पताल परिसर में घायलों और उनके परिजनों की भीड़ देखी गई। घायलों में अधिकांश लोग उत्तर प्रदेश से नए साल का जश्न मनाकर बक्सर लौट रहे थे। तेज रफ्तार, लापरवाही और नशे की हालत में वाहन चलाने के कारण ये हादसे हुए। दुर्घटनाओं में बाइक सवार सबसे अधिक प्रभावित हुए, जबकि कुछ लोग अन्य वाहनों की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए।

12 लोगों को हायर सेंटर किया रेफर: सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में घायलों की संख्या बढ़ने से भीड़ उमड़ पड़ी। गंभीर रूप से घायल 12 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। शेष घायलों को सदर अस्पताल में ही भर्ती कर उनका इलाज किया गया।

जश्न के बाद दुर्घटना के मामले बढ़े: इस संबंध में सदर अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सौरभ राय ने बताया कि नए साल के जश्न के बाद दुर्घटना के मामले अचानक बढ़ गए। उन्होंने जानकारी दी कि दोपहर करीब दो बजे से रात दस बजे तक 20 से अधिक घायल अस्पताल पहुंचे। इनमें अधिकतर मामले सड़क दुर्घटनाओं और मारपीट से संबंधित थे। बक्सर जिला उत्तर प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। बड़ी संख्या में लोग यूपी में स्थित धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, बिहार में शराबबंदी के कारण नए साल का जश्न मनाने के लिए भी लोग अक्सर यूपी के इलाकों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों में आवाजाही बढ़ जाती है।

◆ उत्तर प्रदेश से जश्न मनाकर लौट रहे थे बक्सर, 12 लोगों को हायर सेंटर किया रेफर

शौचालय के कमोड में मिला लावारिस बच्चा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौगाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक नवजात शिशु शौचालय के कमोड में लावारिस मिला। बच्चे को छोड़कर उसकी मां फरार हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गए। यह घटना अहले सुबह की है। चौगाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के इमरजेंसी वार्ड में सफाईकर्मी नियमित सफाई के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें शौचालय से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि एक नवजात शिशु शौचालय के कमोड में पड़ा हुआ था। सफाईकर्मी ने तुरंत इसकी सूचना अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों को दी। सूचना मिलते ही डॉक्टर मौके पर पहुंचे और नवजात को सावधानीपूर्वक कमोड से बाहर निकाला। बच्चे के शरीर पर लगे खून को साफ कर उसे सुरक्षित किया गया। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन को घटना की जानकारी दी गई। बच्चे के सुरक्षित मिलने की खबर फैलते ही अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सफाईकर्मी को कमोड में मिला बच्चा: चौगाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मितेंद्र कुमार ने बताया कि सुबह सफाईकर्मी को इमरजेंसी वार्ड के शौचालय में बच्चा मिला था। उन्होंने पुष्टि की कि नवजात को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक उपचार दिया गया है। बच्चे का वजन ढाई किलो से अधिक है और उसकी हालत स्थिर है। उसे चाइल्ड केयर टीम को सौंपने की प्रक्रिया जारी है।

CCTV की हो रही जांच: घटना की सूचना मिलने पर मुरार थाना प्रभारी नेहा कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने अस्पताल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में जांच शुरू कर दी है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है, ताकि बच्चे को शौचालय में छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

शास्त्रीय नृत्य और संगीत के साथ समारोह का समापन

आरा। शिवादी क्लासिक सेंटर ऑफ आर्ट एंड म्यूजिक के दो दिवसीय शास्त्रीय संगीत समारोह नव वर्ष के स्वागत के साथ समापन हुआ। कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुति दी। समारोह का उद्देश्य आरा की समृद्ध शास्त्रीय परंपरा को सशक्त मंच प्रदान करना रहा। दूसरे दिन के कार्यक्रम का उद्घाटन कवि जनमजय ओझा एवं रंगकर्मी सह फिल्म अभिनेता कृष्ण यादव कृष्णेंदु ने किया। जनमजय ओझा ने कहा कि आरा में शास्त्रीय संगीत की एक सुदीर्घ और गौरवशाली परंपरा रही है, जिसे ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। आरा पुनः अपने प्राचीन सांस्कृतिक गौरव को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है और युवा पीढ़ी में असीम प्रतिभा एवं संभावनाएं विद्यमान हैं। कार्यक्रम में विदुषी शास्त्रीय गायिका बिमला देवी ने राग मारू विहाग में विलंबित एकताल की प्रस्तुति दी।

भोज में लोगों ने लिट्टी चोखा का उठाया आनंद

बक्सर। जेडीयू के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह की ओर से नव वर्ष के उपलक्ष्य में स्टेशन रोड स्थित एक वृंदावन वाटिका में लिट्टी चोखा का मैत्री भोज कराया। भोज में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। सुबह के ग्यारह बजे से लेकर शाम तीन बजे शाम तक भोज चला। मैत्री भोज में लोगों ने लिट्टी चोखा का स्वाद चखा। मौके पर जेडीयू के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि यह भोज हर साल नये वर्ष के पहले दिन किया जाता है। उन्होंने कहा कि कहीं से राजनीतिक से प्रेरित नहीं है। भोज में सभी दल और जिले सभी वर्ग के लोगों आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने कहा इतने लोगों के साथ एक ही जगह पर मिलने, बात करने और नये साल की शुभकामनाएं देने के लिए भोज का आयोजन किया जाता है। उन्होंने मैत्री भोज में आए हुए लोगों के प्रति आभार प्रकट किया। जेडीयू व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पंकज मानसिंहका आगंतुकों का स्वागत करने के साथ ही आभार जताया।

भगवती मानव कल्याण संगठन ने दुर्गा पाठ कराया

आरा। पूर्वी नवादा के आदर्श कला मां काली मंदिर प्रांगण में भगवती मानव कल्याण संगठन (शाखा-आरा) ने 24 घंटे का अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ कराया। विशेष आरती हुई। नशा-मुक्ति और चरित्र निर्माण का संकल्प कराया गया। संगठन के टीम प्रमुख जयप्रकाश और सुन्दरलाल चौबे ने कहा, आयोजन का मुख्य लक्ष्य जन-कल्याण और समाज को नई दिशा देना है। भगवती मानव कल्याण संगठन समाज को नशा और मांस से मुक्त करना, प्रत्येक व्यक्ति को चरित्रवान बनाना, सामाजिक सद्भावना और आत्मोत्थान को बढ़ावा देना के महत्वपूर्ण कार्यों में निरंतर लगा हुआ है। इसी क्रम में देश के प्रत्येक प्रांत, जिले, तहसील और ग्राम स्तर पर भक्तों के घरों में 24 घंटे, 5 घंटे और 1 घंटे की दिव्य आरती व पाठ के माध्यम से जन-जागरण किया जा रहा है।

प्रेमिका के लिए प्रेमी ने खाया जहर

आरा। भोजपुर में प्रेमिका के लिए प्रेमी ने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन और ग्रामीणों ने सदर अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित की पहचान हरनाथ कुंडी निवासी रामचन्द्र भानु के पुत्र सत्यव्रत(17) के तौर पर हुई है। राजकोट में CNG मशीन चलाने का काम करता है। घटना गजराजगंज ओपी क्षेत्र की है। अस्पताल में एडमिट प्रेमी ने बताया कि गांव की एक लड़की से पिछले डेढ़ साल से अफेयर है। गली में आते-जाते उसे देखता था। मैं उसे पसंद करता था। मोबाइल पर हमलोग बात करते थे। शादी के लिए परिजन तैयार नहीं थे, इसलिए घर से भागने का प्लान बनाया। बुधवार की शाम अपनी प्रेमिका को आरा शहर के हनुमान मंदिर में बुलाया। तब तक काफी रात हो चुकी थी। हमलोग पूरी रात मंदिर में ही बैठे रहे। इसी बीच मेरे मोबाइल को ट्रेस करकर ग्रामीणों के साथ पुलिस मंदिर पहुंच गई।

थाना लाने के दौरान बिगड़ी तबीयत: वहीं, पिता रामचंद्र ने बताया कि बेटा गांव में एक लड़की से प्रेम करता है। उसे भगाकर बाहर जाने वाले वाला है। लड़की को घर से ही तीन बजे ही अपने पास बुला लिया था। लड़की के परिवार वालों ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना से की थी। बेटा कब अपने पॉकेट में जहर रखा था, इसकी जानकारी नहीं थी। वो जहर खाकर बैठा था। थाना ले जाने के दौरान उसकी हालत काफी खराब हो गई। आनन-फानन में हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।

महाकालेश्वर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

ब्रह्मपुर। नव वर्ष के शुभ अवसर पर ब्रह्मपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर सहित नैनीजोर स्थित बैजू बाबा मंदिर तथा रघुनाथपुर स्थित महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही । अहले सुबह से ही मंदिर परिसर "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंजता रहा। दूर-दराज के गांवों के साथ-साथ बलिया, भोजपुर और पड़ोसी जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। नव वर्ष के पहले दिन बाबा पर जलाभिषेक और रुद्राभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि, शांति और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की तैनाती के साथ स्वयंसेवकों की मदद से श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से दर्शन कराया गया।मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि नव वर्ष पर हर साल यहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो बाबा बरमेश्वर नाथ में लोगों की गहरी आस्था को दर्शाती है। श्रद्धालुओं का कहना था कि नव वर्ष की शुरुआत बाबा के दर्शन से करने से पूरे वर्ष शुभ फल की प्राप्ति होती है। दिन भर मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा।शाम में भव्य आरती में सैकड़ों लोग शामिल हुए। ब्रह्मपुर का प्रसिद्ध प्रसाद शंकर के लड्डू और गुडही जलेबी की खूब बिक्री हुई।बाहर से आए श्रद्धालु शंकर का लड्डू प्रसाद के रूप में ले जाना नहीं भूलते।

सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों की बढ़ी परेशानी, सर्वर खराबी से ई-केवाईसी प्रक्रिया हो गई ठप

बक्सर। बक्सर जिले में सामाजिक सुरक्षा कोषांग का सर्वर लगातार काम नहीं करने के कारण पेंशनधारियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया ठप पड़ी हुई है। इससे जिले के करीब 1 लाख 95 हजार पेंशन लाभुकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन से जुड़े लाभुक ठंड के इस मौसम में भी रोजाना सीएससी सेंटर और वसुधा केंद्रों का चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। विभाग द्वारा दिसंबर महीने से ही सीएससी सेंटर और वसुधा केंद्रों को पेंशनधारियों की केवाईसी करने की अनुमति दी गई है, ताकि लाभुकों को सहूलियत मिल सके। लेकिन सर्वर की लगातार खराबी ने इस व्यवस्था को बेअसर बना दिया है। सिमरी प्रखंड के सीएससी सेंटर संचालक प्रकाश ने बताया कि विभाग ने लाभार्थियों की सुविधा के लिए केंद्रों को अधिकृत तो कर दिया है, लेकिन सर्वर की समस्या का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सर्वर केवल सुबह दो बजे से पांच बजे तक ही काम करता है, उसके बाद ठप हो जाता है। यही स्थिति जिले के अन्य प्रखंडों में भी बनी हुई है। वैसे 31 जनवरी तक लभार्थी का ई-केवाईसी होगा। मोबाइल से भी जीवन प्रमाण का सत्यापन विभागीय गाइडलाइन के अनुसार यदि फेस ऑथेंटिकेशन संभव नहीं हो पा रहा है, तो फिंगरप्रिंट के माध्यम से भी पेंशनधारियों का सत्यापन किया जा सकता है, बशर्ते फिंगरप्रिंट डिवाइस उपलब्ध हो। चेहरा या फिंगरप्रिंट सफलतापूर्वक सत्यापित होने के बाद स्क्रीन पर पेंशनर का पूरा विवरण दिखाई देता है। जानकारी सही पाए जाने पर सबमिट करते ही डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट यानी जीवन प्रमाण जनरेट हो जाता है, जिसमें एक प्राण आईडी मिलती है। यह पूरी प्रक्रिया घर बैठे मोबाइल से भी की जा सकती है। परेशानी होने पर नजदीकी सीएससी या वसुधा केंद्र की मदद ली जा सकती है।

लूटकांड में शामिल 2 बदमाश गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले में टाउन थाना पुलिस ने लूट मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर रघु टोला मोहल्ले में छापेमारी कर दोनों को पकड़ा। लूटे गए दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमरजीत कुमार और शेख यादव के तौर पर हुई है। रूप में की गई है। पुलिस दोनों से पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। लूट की घटना 18 नवंबर 2025 कीहै। गीधा थाना क्षेत्र के ज्ञानपुर गांव निवासी जयप्रकाश बिंद की पत्नी दुर्गावती देवी अपनी भांजी सुमन देवी के साथ आरा से अपने गांव लौट रही थी। दोनों धरहरा लिंक रोड के रास्ते पैदल जा रही थी। जैसे ही बाइपास के पास पहुंची, तभी पहले से घात लगाए बदमाशों ने उनके साथ लूटपाट की। कैश और मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई: पीड़िता दुर्गावती देवी ने टाउन थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने पहले अमरजीत कुमार को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से लूट का एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान अमरजीत ने खुलासा किया कि इस वारदात में उसके साथ शेख यादव भी शामिल था। अमरजीत की निशानदेही पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शेख यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। टाउन पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पिता-पुत्री की बेरहमी से पिटाई

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले में गुरुवार को आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद छोटे भाई ने अपने बड़े भाई और भतीजी के साथ जमकर मारपीट की है। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव की है। घायलों की पहचान सुरेंद्र यादव(53) और उनकी पुत्री करिश्मा कुमारी(16) के तौर पर हुई है। अस्पताल में इलाज के दौरान सुरेंद्र यादव ने बताया कि छोटे भाई से पिछले कई दिनों से पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर पहले भी मारपीट की जा चुकी है। एक बार फिर उसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई।

स्थानीय लोगों ने डायल-112 को सूचना दी: कहासुनी के दौरान छोटे भाई ने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उन पर हमला कर दिया। जब करिश्मा कुमारी अपने पिता को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंची, तो आरोपियों ने उसके साथ भी बेरहमी से मारपीट की। लाठी-डंडे से मारा। मारपीट में पिता और बेटी दोनों को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद आसपास के लोगों ने डायल 112 पर सूचना दी।

जांच में जुटी पुलिस: मुफस्सिल थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि घायलों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति सामान्य है, लेकिन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

नई सोच,पुलिस ने मंगलामुखी समुदाय के साथ मनाया नववर्ष

निज संवाददाता। आरा

नववर्ष 2026 के अवसर पर भोजपुर पुलिस ने सामाजिक सौहार्द और मानवीय संवेदनाओं की एक प्रेरक मिसाल पेश की। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 रंजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुरौंधा कॉलोनी स्थित तारा निवास में मंगलामुखी (थर्ड जेंडर) समुदाय के लिए विशेष आयोजन किया गया, जहां उनके बीच मिठाइयों का वितरण कर नए साल की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चन्द्र एवं चांदी थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन की गरिमामयी उपस्थिति रही। पुलिस अधिकारियों ने मंगलामुखी समुदाय के सदस्यों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें यह विश्वास दिलाया कि पुलिस केवल सुरक्षा की ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता और सम्मान की भी प्रहरी है। इस अवसर पर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि नववर्ष खुशियां बांटने और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष नववर्ष के मौके पर मंगलामुखी समुदाय के लिए मिठाई एवं भोजन की व्यवस्था की जाती है, ताकि वे भी इस उत्सव में समान रूप से सहभागी बन सकें और उन्हें अपनेपन का अहसास हो।

विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत आवश्यकताओं को पूरा किया जाए: डीपीओ

निज संवाददाता। आरा

जिले के 186 विद्यालयों में बेंच-डेस्क खरीदने के लिए 1.14 करोड़ रुपए जारी किए गए है। जानकारी के मुताबिक शिक्षा विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए समग्र विद्यालय अनुदान के तहत शिक्षा समिति/विद्यालय शिक्षा समिति को प्राप्त होने वाली राशि के व्यय एवं ड्रॉइंग लिमिट निर्धारण को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. मानवेंद्र कुमार राय ने बताया कि यह पत्र बिहार शिक्षा परियोजना, भोजपुर के अंतर्गत सभी माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/प्रभारी प्रधानाध्यापकों एवं प्रधान शिक्षकों को संबोधित है। जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि भोजपुर जिले के कुल 186 माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को वर्ष 2025–26 के लिए समय विद्यालय अनुदान की राशि प्रदान की गई है। इस मद में कुल 1 करोड़ 14 लाख 25 हजार रुपये की राशि विद्यालयों के लिए स्वीकृत की गई है। राज्य कार्यालय द्वारा विद्यालयवार ड्रॉइंग लिमिट का निर्धारण कर दिया गया है, ताकि अनुदान राशि का पारदर्शी एवं नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। निर्देशों के अनुसार एसएमसी/वीएसएस की राशि केवल पीएफएमएस (पब्लिक फाइनेंसियल मैनेजमेंट सिस्टम) के वेब पोर्टल के माध्यम से ही खर्च की जाएगी। किसी भी प्रकार का भुगतान केवल ई-पेमेंट प्रिंट एडवाइस के आधार पर किया जाएगा तथा किसी अन्य बैंकिंग इंस्ट्रूमेंट से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत राशि का उपयोग केवल एडब्लूपी एंड बी (एनुअल वर्क प्लान एंड बजट) 2025–26 में अनुमोदित मदों के अंतर्गत ही किया जाएगा। अनुदान राशि का उपयोग विद्यालय के शैक्षणिक एवं आधारभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाना है। किसी भी स्थिति में राशि का दुरुपयोग या स्वीकृत उद्देश्य से इतर व्यय नहीं किया जाएगा। यदि किसी विद्यालय द्वारा नियमों के विरुद्ध राशि खर्च की जाती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रधानाध्यापक/विद्या लय शिक्षा समिति की होगी। प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी चंदन प्रभाकर ने बताया कि सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे राज्य कार्यालय द्वारा जारी आदेश सहित अन्य प्रासंगिक दिशा-निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन करें। साथ ही, प्रत्येक व्यय का समुचित लेखा-जोखा रखा जाए तथा समय-समय पर जिला एवं प्रखंड स्तर पर जांच/अनुश्रवण में सहयोग किया जाए। प्रशासन का मानना है कि इन दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन से विद्यालयों में वित्तीय अनुशासन स्थापित होगा और अनुदान राशि का सही उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा, जिससे शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाया जा सकेगा।

अंडर-14 नेशनल टी10 क्रिकेट में भोजपुर महिला टीम में 11 खिलाड़ियों का चयन

निज संवाददाता। आरा

टी10 टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा अंडर-14 नेशनल टी10 टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप 4 से 6 जनवरी तक उत्तराखंड के रुद्रपुर शहर में होगा। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बॉयज एवं गर्ल्स दोनों वर्गों की टीमें भाग लेंगी। बिहार अंडर-14 महिला टीम में भोजपुर जिले से 11 खिलाड़ियों का चयन हुआ हैं। चयनित सभी खिलाड़ी भोजपुर यूनाइटेड क्रिकेट अकादमी स्टेडियम, आरा में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बिहार महिला टीम में भोजपुर से चयनित खिलाड़ियों में सबा परवीन, काजल कुमारी (कप्तान), निशा कुमारी, साक्षी कुमारी, नंदनी कुमारी, काजल कुमारी-2 (विकेटकीपर), कशिश कुमारी, रुनझुन कुमारी, लाली कुमारी, रागिनी कुमारी और जिया कुमारी शामिल हैं। टीम के अन्य तीन खिलाड़ी शिवा कुमारी, नेहा ठाकुर और शारदा ठाकुर हैं। महिला टीम की मैनेजर की जिम्मेदारी निशा सिंह और अंजलि कुमारी निभाएंगी। बिहार अंडर-14 बॉयज टीम के लिए कुल 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिसमें निखिल भारद्वाज को टीम की कमान सौंपी गई है। अन्य चयनित खिलाड़ियों में लक्की कुमार, अमृत कुमार, आदित्य कुमार, आदित्य कुमार यादव, टिशू कुमार, लवकुश कुमार, बसंत कुमार, अमन कुमार, संकल्प केशरी, लक्ष्य अग्रवाल, अनमोल पांडेय, प्रेम कुमार, आरेश कुमार, रौशन कुमार, अंबुज कुमार, बादल कुमार, रवि किशन, अंशु गुप्ता और हर्ष कुमार शामिल हैं। बॉयज टीम की मैनेजर कोमल कुमारी (बेगमपुर, आरा) रहेंगी, खिलाड़ियों के कोच की जिम्मेदारी भोजपुर निवासी बिहार के सेक्रेटरी राहुल सिंह सरकार निभाएंगे।

खर्चे के लिए न बेचें जमीन, नशा त्यागें

निज संवाददाता। आरा

क्षत्रिय कल्याण संगठन बिहार की आरा के बाबू बाजार में सांगठनिक बैठक और सह-भोज हुआ। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लोग शामिल हुए। संगठन की बैठक में अध्यक्ष रामकुमार सिंह ने कहा, क्षत्रिय कल्याण संगठन का विस्तार पंचायत स्तर तक किया जाएगा। बदलते सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक माहौल में एकजुटता और सामाजिक समन्वय जरूरी है। युवाओं को संगठन से जोड़ा जाएगा। महेंद्र सिंह ने कहा, क्षत्रिय समाज को खंडित नहीं होने देना है। इसकी शुरुआत हर व्यक्ति को अपने परिवार में सहयोग और एकजुटता से शुरू करना है। इसके बाद समाज खुद-ब-खुद जुड़ता चला जाएगा। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक उदय कुमार सिंह ने कहा, समाज में दहेज मुक्त और कम खर्च वाली शादियों को प्रोत्साहित करना है। आश नारायण सिंह ने कहा, सभी राजनीतिक दल क्षत्रिय समाज की उपेक्षा कर रहे हैं। इस समाज को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की लंबे समय से साजिश हो रही है। क्षत्रिय समाज के व्यक्तियों को विवाह या अन्य दिखावा के लिए अपनी जमीन नहीं बेचना चाहिए। जमीन पूर्वजों की अर्जित संपत्ति है और आने वाले वंशजों के लिए धरोहर है। मांस-मदिरा का उपयोग नहीं करें। आपस में कोई भी झगड़ा होने पर समाज के लोग चलकर उसे सुलझाएं, इससे समाज सशक्त होगा। निर्मल सिंह शुक्रवार ने कहा, समाज को संगठन के माध्यम से मजबूत बनाना होगा। संघर्ष की क्षमता को कमजोर नहीं होने देना है। अधिवक्ता पूनम सिंह ने कहा, संगठन से महिलाओं को भी जोड़ने की जरूरत है। क्षत्रिय समाज की युवतियों को जागरूक करने की जरूरत है। बैठक के बाद सह-भोज हुआ। इसके बाद सभी लोग आरा स्टेशन पहुंचे। स्टेशन परिसर में स्थापित वीर कुंवर सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया । विकास सिंह, निर्मल सिंह , हरेंद्र सिंह तोमर, हरखेन सिंह , रमेश सिंह, संजय सिंह, जितेंद्र सिंह व अन्य मौजूद रहे।